{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 28 अक्टूबर 2026
कार्तिक कृष्ण 01 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 37
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	73,598.67
निफ्टी	-	22,749.75
सोना	-	1,51,525
चांदी	-	2,20,000
डॉलर	-	94.99

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

इमरान के देश छोड़ने पर 2 नवंबर तक रोक

मुंबई। अभिनेता इमरान खान को भारत छोड़ने के आदेश पर बॉम्बे हाईकोर्ट से 2 नवंबर दोपहर 3 बजे तक के लिए अंतरिम राहत मिल गई है। इमरान 10 अक्टूबर को एसआईआर के विरोध में मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में कॉकरोच पार्टी के प्रदर्शन में पहुंचे थे। एक्टर आमिर खान के भांजे इमरान अमेरिकी नागरिक और ओसीआई कार्ड धारक हैं, इसलिए वह भारत में किसी भी विरोध प्रदर्शन में भाग नहीं ले सकते। इस पर एफआरआरओ ने उन्हें नोटिस जारी करके 28 अक्टूबर तक देश छोड़कर जाने को कहा था। इमरान खान ने इस नोटिस को मनमाना बताते हुए इसके खिलाफ याचिका दायर की थी। इस पर चीफ जस्टिस महेश चंद्र त्रिपाठी और जस्टिस अद्वैत सेठना की पीठ ने सुनवाई की। कोर्ट में केंद्र सरकार ने कहा कि अगली सुनवाई तक अभिनेता के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

30 की रात लॉन्च होगा एनवीएस-03

नई दिल्ली। भारत के अपने सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम को मजबूत करने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन एक अहम मिशन की तैयारी कर रहा है। इसरो 30 अक्टूबर की रात 11 बजकर 51 मिनट पर एनवीएस-03 नेविगेशन सैटेलाइट लॉन्च करने की योजना बना रहा है। इसे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से जीएसएलवी-एफ18 रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इस मिशन का महत्व इसलिए बढ़ गया है, क्योंकि पुराने सैटेलाइट और तकनीकी समस्याओं के चलते एनएवीआईसी की स्वतंत्र लोकेशन बताने की क्षमता प्रभावित हुई है। यह अमेरिका के जीपीएस की तरह काम करता है और भारत तथा इसकी सीमाओं से करीब 1,500 किलोमीटर आगे तक लोकेशन, नेविगेशन और सटीक समय की जानकारी देने के लिए डिजाइन किया गया है।

सीआईडी और आहट के निर्माता बीपी सिंह का हार्ट अटैक से निधन

मुंबई। मशहूर क्राइम शो 'सीआईडी' और हॉरर शो 'आहट' के निर्माता-निर्देशक बीपी सिंह का 77 वर्ष की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से निधन हुआ। उनके निधन की खबर से टेलीविजन और मनोरंजन जगत में शोक की लहर है। फिल्म निर्माता अशोक पंडित ने उन्हें श्रद्धांजलि देकर उनके निधन पर गहरा दुख जताया। उन्होंने बताया कि बीपी सिंह का अंतिम संस्कार 28 अक्टूबर को किया जाएगा। अंतिम संस्कार से जुड़ी विस्तृत जानकारी बाद में साझा की जाएगी। बीपी सिंह का पूरा नाम बृजेंद्र पाल सिंह था। उन्हें भारतीय टेलीविजन के लोकप्रिय और सफल निर्माताओं में गिना जाता था।

कुछ ना कहना

नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने वोट अधिकार जीने का अधिकार जन सुनवाई में कहा...

सीईसी के इस्तीफे तक नहीं रुकेगा विपक्ष, ऊपर से हो रही वोट चोरी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मंगलवार को दिल्ली के त्रिलोकपुरी स्थित ब्लॉक 20 में वोट अधिकार जीने का अधिकार जन सुनवाई में शामिल हुए। इस दौरान राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर हमला तेज करते हुए आरोप लगाया कि देश में ऊपर के स्तर से वोट चोरी की जा रही है और गरीबों के नाम जानबूझकर मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि इस मुद्दे पर पूरा विपक्ष एकजुट है और जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें पद से नहीं हटाते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। राहुल गांधी ने कहा कि इस मुद्दे पर पूरा विपक्ष एकजुट है। वोट भारत के हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। इसके बावजूद देशभर में करोड़ों लोगों से उनका यह अधिकार यानी वोट व्यवस्थित तरीके से छीना जा रहा है।

गरीबों के नाम जानबूझकर हटाने का आरोप

कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि हम लंबे समय से यह मुद्दा उठा रहे हैं, लेकिन अब पूरा देश समझने लगा है कि ऊपर के स्तर से वोट चोरी हो रही है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि गरीबों के नाम मतदाता सूची से जानबूझकर हटाए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इससे उनके अधिकार और सुविधाएं भी प्रभावित हो रही हैं। राहुल गांधी ने कहा कि गरीबों के नाम जानबूझकर मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं और उनके अधिकार तथा सुविधाएं छीनी जा रही हैं। ऐसा क्यों किया जा रहा है? एक ऐसा नया हिंदुस्तान बनाने के लिए, जो कुछ चुने हुए अरबपतियों का हो। जहां आम नागरिकों और गरीबों के अधिकार न हों और देश केवल अरबपतियों के हित में चलाया जाए।

चार बूथों से 416 नाम हटाने का आरोप

राहुल गांधी ने कहा कि इस जन सुनवाई के जरिए लोगों ने बताया कि चार बूथों से 416 नाम कथित तौर पर अवैध तरीके से हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत के हर नागरिक को वोट देने का अधिकार है। हम लंबे समय से इस मुद्दे को उठा रहे हैं। आज लोगों को समझ आ गया है कि वोट चोरी हो रही है और गरीबों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक आंदोलन जारी रखने की बात

राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि जब विपक्ष उनसे सवाल करता है, तो उन्हें जवाब नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि जब हम ज्ञानेश कुमार से सवाल करते हैं, तो वह जवाब नहीं देते। विपक्ष तब तक नहीं रुकेगा, जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं दे देते।

एसआईआर को लेकर जारी है विपक्ष का विरोध

राहुल गांधी के ये बयान मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष के जारी विरोध के बीच आए हैं। इंडिया ब्लॉक के दल मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं और नाम हटाए जाने के मुद्दे पर चुनाव आयोग से जवाबदेही तय करने की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस ने 30 अक्तूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त के ि ख ल ा फ प्रतीकात्मक महाभियोग जैसी प्रक्रिया आयोजित करने की योजना बनाई है। इसके बाद एक नवंबर को रामलीला मैदान में 'दिल्ली चलो' मार्च और जनसभा प्रस्तावित है।

चार हाईकोर्ट को मिलेंगे नए मुख्य न्यायाधीश, एमपी के लिए 07 जजों की सिफारिश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 26 अक्टूबर को हुई बैठक में चार उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए नामों की सिफारिश की है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में सात वकीलों को न्यायाधीश नियुक्त करने की भी अनुशंसा की गई है। इन सिफारिशों के बाद मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 45 हो सकती है। इससे अदालत में लंबित मामलों के निपटारे में तेजी आने की उम्मीद है।

कॉलेजियम की सिफारिश के अनुसार, न्यायमूर्ति पी. सैम कोशी को तेलंगाना हाईकोर्ट से दिल्ली हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाने का प्रस्ताव है। न्यायमूर्ति मानस रंजन पाठक गुजरात हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बनाए जाने के लिए अनुशंसित किए गए हैं। वहीं, कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति तापब्रत चक्रवर्ती को तेलंगाना हाईकोर्ट और पटना हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सुधीर सिंह को उत्तराखंड हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की गई है।

लंबित मामलों के निपटारे में तेजी की उम्मीद

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ने से लंबित मुकदमों की सुनवाई और उनके निपटारे में मदद मिलने की उम्मीद है। देश की अदालतों में न्यायाधीशों के रिक्त पद और मामलों के बढ़ते बोझ का मुद्दा लंबे समय से चर्चा में रहा है।

मप्र हाईकोर्ट को मिलेंगे सात नए न्यायाधीश

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में सात अधिवक्ताओं को न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत करने की सिफारिश की है। इनमें डॉ. विवेक शरण (इंदौर), राजेश कुमार शुक्ला (ग्वालियर), कनक गहरवार उर्फ कनक लता सिंह (जबलपुर), भक्ति व्यास (इंदौर), श्रेयस पंडित (जबलपुर), मृणाल मजुमदार (नई दिल्ली) और अविनाश जरगर (जबलपुर) शामिल हैं। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में न्यायाधीशों के कुल 53 पद स्वीकृत हैं। फिलहाल 38 न्यायाधीश कार्यरत हैं। सात नए न्यायाधीशों की नियुक्ति होने पर यह संख्या बढ़कर 45 हो जाएगी, जबकि आठ पद रिक्त रहेंगे। हालांकि, कॉलेजियम की सिफारिश के बाद नियुक्ति की निर्धारित प्रक्रिया पूरी होना बाकी है।

चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुनवाई टली, अब नवंबर में होगी

-सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को जवाब दाखिल करने दिया 10 दिन का समय

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई टल गई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिकाकर्ता राकेश सिंह को निर्वाचन आयोग के जवाब पर अपना पक्ष रखने के लिए 10 दिन का समय दिया है। मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को हो सकती है। हालांकि, अंतिम तारीख अदालत की सूची के मुताबिक तय होगी।

मंगलवार को सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ने अदालत से जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। उनका कहना था कि निर्वाचन आयोग ने अपना जवाबी हलफनामा पिछली रात ही दाखिल किया है। ऐसे में याचिकाकर्ता को उसका अध्ययन करने और जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने यह मांग स्वीकार करते हुए 10 दिन की मोहलत दे दी। इस कारण मामले में फिलहाल गुण-दोष के आधार पर कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। अब अगली सुनवाई में याचिकाकर्ताओं के जवाब और निर्वाचन आयोग के पक्ष पर आगे विचार किया जा सकता है। इस मामले में राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के अन्य नेताओं की याचिकाएं भी शामिल हैं। इन याचिकाओं में चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, मतदाता सूची से नाम हटाने और एसआईआर से जुड़ी अनियमितताओं पर सवाल उठाए गए हैं।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक सुनवाई के एक बड़े हिस्से के दौरान कोर्ट ने ऑडियो-वीडियो बंद करवा दिया था। जब मामला खत्म होने वाला था, तब ऑडियो-वीडियो चालू किया गया, जिसमें वरिष्ठ वकील डॉ ए एम सिंघवी और मेनका गुरुस्वामी मौजूद दिखे। फाइल नोटिंग और अन्य रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने की मांग की गई है। इससे पहले याचिकाकर्ता सांसद डोला सेन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने कोर्ट से कहा कि यह मामला चुनाव आयोग के कामकाज से जुड़ा है, जिसमें ऑनलाइन फॉर्म 6 के साथ छेड़छाड़ करना और ईसी का एक प्रेस नोट जारी करना शामिल है। ईसीआई के प्रेस नोट में कहा गया है कि आपकी पीठ ने ऐसी छेड़छाड़ को अधिकृत किया है। इस पर सीजेआई ने कहा कि हम इसकी जांच करेंगे। तभी वरिष्ठ अधिवक्ता ने जवाब दाखिल करने के लिए 1 हफ्ते का समय मांगा जिसे सीजेआई ने मंजूर कर लिया। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने ईसीआई को सभी याचिकाओं पर फिर से नोटिस जारी किया है।

तमिलनाडु की थेनी जेल से 17 कैदी फरार

चेन्नई। तमिलनाडु के थेनी जिले की सब-जेल से सोमवार देर रात पुलिसकर्मियों पर हमले के बाद 17 कैदी फरार हो गए। इन्हें पकड़ने के लिए 17 स्पेशल टीमें बनाई गई हैं। रात भर सर्च ऑपरेशन दौरान 5 फरार कैदियों को गिरफ्तार किया गया है।

साउथ जोन के पुलिस महानिरीक्षक विजयेंद्र बिदारी के मुताबिक, सभी 17 कैदी एक ही सेल में बंद थे। जेल कर्मचारियों को रात में एक कैदी की तबीयत खराब होने की सूचना मिली थी। जब कर्मचारी सेल में पहुंचे, तो कैदियों ने उन पर हमला कर दिया और फरार हो गए।

तमिलनाडु में कैदियों के फरार होने की यह घटना 1995 के बाद की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक मानी जा रही है। 1995 में

पुलिसकर्मियों पर हमला किया, 5 गिरफ्तार, तलाश में 17 टीमें जुटीं; 1995 के बाद दूसरी बड़ी घटना

वेल्लोर किले के अंदर बने स्पेशल डिटेंशन कैंप से एलटीटीई संगठन के 43 संदिग्ध सुरंग बनाकर फरार

हो गए थे। यह सुरंग करीब 153 फीट (47 मीटर) लंबी थी।

एक पुलिसकर्मी के सिर में चोट, अस्पताल में भर्ती

पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, कैदियों ने बताया था कि एक कैदी को दौरे पड़ रहे हैं। इसके बाद जेल कर्मचारी और सुरक्षाकर्मी सेल का दरवाजा खोलकर अंदर पहुंचे। इसी दौरान पहले से घात लगाकर बैठे सभी कैदियों ने उन पर हमला कर दिया। घटना में 3 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। थेनी जिला जेल में तैनात पुलिसकर्मी थंगापांडी के सिर में चोट आई है। उन्हें जी. विलाक्कु के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। दो अन्य जेलकर्मियों को भी मामूली चोटें आई हैं।

दवाओं के एमआरपी और रिटेलर को मिलने वाली कीमतों में भारी अंतर पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा...

पूरा सिस्टम दवा निर्माताओं की क्यों कर रहा है मदद

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दवाओं के एमआरपी और रिटेलर को मिलने वाली कीमतों में भारी अंतर पर सरकार से सवाल किए। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने पूछा कि पूरा सिस्टम दवा निर्माताओं की मदद क्यों कर रहा है? बेंच ने नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी को पूरी तरह निष्क्रिय बताया। कोर्ट दवाओं की कीमतों से जुड़े दो मामलों की सुनवाई कर रहा था।

सरकार ने कहा कि भारत में दवाओं की कीमतें दुनिया में सबसे कम हैं। इस पर बेंच ने कहा कि सरकार ऐसा होने दे रही है। यह सरकार की अपनी नजरों के सामने हो रहा है। बेंच ने सवाल किया कि क्या इसे ऐसे ही बेलगाम चलने दिया जाना चाहिए? केंद्र ने कोर्ट को बताया कि सरकार की नीति है कि पूरे इकोसिस्टम को नियंत्रित नहीं किया जाए। बेंच ने पूछा कि पूरा सिस्टम इन लोगों (निर्माताओं) की मदद के लिए क्यों काम कर रहा है? कोर्ट ने इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

एंटी-कैंसर दवाओं के ट्रेड मार्जिन पर भी सवाल

इससे पहले 12 अक्टूबर को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने एंटी-कैंसर दवाओं का ट्रेड मार्जिन एमआरपी के 30% तक सीमित करने पर केंद्र के जवाब को मुश्किल से कुछ खुश होने लायक बताया था। कोर्ट ने सवाल किया था कि सरकार दूसरी दवाओं के ट्रेड मार्जिन की सीमा तय क्यों नहीं कर सकती। अस्पतालों के कैंसर दवाओं पर भारी मुनाफा जोड़े जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी आलोचना का सामना कर चुके केंद्र ने कहा था कि उसने एंटी-कैंसर दवाओं पर ट्रेड मार्जिन एमआरपी के 30% तक सीमित करने का अहम फैसला लिया है। केंद्र के मुताबिक, इस फैसले से मरीजों को सालाना करीब 2,500 करोड़ रुपए की बचत होने की उम्मीद है।

जीएसटी अधिकारी के ठिकानों पर लोकायुक्त का छापा

आय से 2.74 करोड़ अधिक खर्च

जबलपुर। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत पर लोकायुक्त पुलिस ने मंगलवार, 27 अक्टूबर की सुबह राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) विभाग के वाणिज्यिक कर अधिकारी मनीष कुमार जैन के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। जबलपुर, भोपाल और सागर में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान अधिकारी और उनके परिजनों के नाम पर दर्ज संपत्तियों, वाहनों, बीमा पॉलिसियों और खर्च से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है। लोकायुक्त की प्रारंभिक जांच में अधिकारी की ज्ञात आय और व्यय के बीच करीब 2 करोड़ 74 लाख रुपये का अंतर सामने आया है।

लोकायुक्त के अनुसार, प्रारंभिक जांच में मनीष कुमार जैन की कुल आय 1 करोड़ 3 लाख 73

हजार 317 रुपये आंकी गई, जबकि उनका कुल व्यय 3 करोड़ 78 लाख 25 हजार 707 रुपये पाया गया। इस तरह व्यय ज्ञात आय का 364.64 प्रतिशत बताया गया है। आय की तुलना में 2 करोड़ 74 लाख 52 हजार 390 रुपये अधिक खर्च किए जाने का आकलन किया गया है। इसी आधार पर आय से अधिक संपत्ति के मामले में जांच शुरू की गई है।

शिकायत के सत्यापन के बाद दर्ज किया प्रकरण

लोकायुक्त एसपी अंजूलता पटले को वाणिज्यिक कर अधिकारी मनीष कुमार जैन के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत मिली थी। निरीक्षक बृज मोहन सिंह नरवरिया ने शिकायत का सत्यापन किया। प्रथम दृष्टया शिकायत सही पाए जाने पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(1)(बी) और 13(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। इसके बाद मंगलवार सुबह करीब 6 बजे जबलपुर, भोपाल और सागर में एक साथ तलाशी अभियान शुरू किया गया।

परिजनों के नाम पर संपत्तियों की जानकारी

लोकायुक्त की प्रारंभिक जांच में मनीष कुमार जैन के अलावा उनकी पत्नी निधि जैन, पिता कोमलचंद जैन और माता शशि जैन के नाम पर भी संपत्तियां होने की जानकारी सामने आई है। इनमें जबलपुर और भोपाल में जमीन, प्लॉट, बंगला और फ्लैट शामिल हैं। इसके अलावा सागर जिले के बंडा में प्लॉट पर बने मकान का भी पता चला है।

राहुल गांधी की संपत्ति मामले में सीजेआई ने लगाई वकील को फटकार -पूछा- कोई न्यूज चैनल वालों से बात की है क्या?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के आरोपों से जुड़े मामले का उल्लेख करने पर एक वकील को मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की नाराजगी का सामना करना पड़ा। वकील मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कराने की मांग कर रहे थे। इस दौरान सीजेआई ने मामले का उल्लेख करने के आधार पर सवाल उठाते हुए पूछा, कोई न्यूज चैनल वालों से बात की है क्या इसके लिए?

सुप्रीम कोर्ट ने मेंशनिंग की लाइव स्ट्रीमिंग बंद करने का दिया निर्देश

इसी के साथ ही सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, मामले को उठाने के पीछे न तो कोई स्पष्ट आधार नजर आ रहा है और न ही कोई ठोस निष्कर्ष। इसी दौरान उन्होंने अदालत के कर्मचारियों को आगे से मामलों की मेंशनिंग की लाइव स्ट्रीमिंग बंद करने का निर्देश भी दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सुनवाई के दौरान वकील ने राहुल गांधी के एक हालिया कार्यक्रम में दिए गए कथित बयान का हवाला दिया। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के करीब 200 अधिकारियों के संपर्क में होने की बात कही थी। वकील इसी आधार पर राहुल गांधी के खिलाफ संपत्ति से जुड़े मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कराना चाहते थे।

इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने मामले के उल्लेख के औचित्य पर सवाल उठाया। उनकी टिप्पणी के बाद अदालत में मामलों को जल्द सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कराने की प्रक्रिया और उसकी लाइव स्ट्रीमिंग को लेकर चर्चा शुरू हो गई। यहां बताते चलें कि राहुल गांधी की संपत्ति की जांच से जुड़ा मामला पहले भी सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। अगस्त 2026 में शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी, जिसमें सीबीआई और ईडी को राहुल गांधी की संपत्ति की जांच करने के निर्देश दिए गए थे।

पंजाब का मोस्ट वांटेड गैंगस्टर बाठ कनाडा में गिरफ्तार, भारत लाने की कवायद शुरू

नई दिल्ली । पंजाब के कुख्यात और मोस्ट वांटेड गैंगस्टर अमृतपाल सिंह बाठ को कनाडा में कथित तौर पर गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, वह काफी समय से फर्जी पासपोर्ट और बदली हुई पहचान के सहारे कनाडा में छिपा हुआ था। पंजाब पुलिस की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल बाठ पर 20 से अधिक गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं और बाठ को पंजाब में ए-कैटेगरी का गैंगस्टर माना जाता है। उसकी तलाश में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया था। बताया जा रहा है कि अमृतपाल सिंह बाठ कनाडा में अपनी पहचान बदलकर हरप्रीत के नाम से रह रहा था। खबर के अनुसार, कनाडा पुलिस द्वारा सीमावर्ती क्षेत्र में एक संदिग्ध गाड़ी को रोकने के बाद उसकी पहचान उजागर हुई। वाहन की जांच के दौरान जब पहचान संबंधी दस्तावेज मांगे गए, तब आरोपी ने कथित तौर पर हरप्रीत नाम की आईडी प्रस्तुत की। हालांकि, गहन जांच के बाद उसकी असली पहचान अमृतपाल सिंह बाठ के रूप में सामने आने की बात कही जा रही है। पहचान उजागर होने के बाद हिरासत में ले लिया गया और संबंधित सीमा सुरक्षा एजेंसी को सौंप दिया गया है। हालांकि, इस गिरफ्तारी और पहचान से जुड़े इन विवरणों की अभी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। अमृतपाल सिंह बाठ पंजाब के सबसे कुख्यात गैंगस्टरों में गिना जाता है।

जनसुनवाई में सुनी गईं आवेदकों की समस्याएँ

123 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई की श्रृंखला में 27 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर आदित्य सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री तनुश्री मीणा, अपर कलेक्टर श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर सुधीर जैन एवं एसडीएम गोपाल सोनी ने आवेदकों की समस्याएँ सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 123 आवेदक अपनी समस्याएँ लेकर पहुँचे।

जनसुनवाई में लांजी तहसील के ग्राम रिसेवाड़ा निवासी कृष्णकुमार माहुले स्वामित्व योजना के तहत आवासीय भूमि का पट्टा दिलाए जाने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि वर्ष 2011-12 में खसरा नंबर 328/2 की आबादी भूमि का पट्टा उनकी माता स्व. सवानाबाई के नाम जारी हुआ था। उक्त भूमि पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बना है, जबकि उनकी माता का निधन हो चुका है। कृष्णकुमार ने प्रशासन से प्रकरण की जांच कर नियमानुसार पट्टा एवं स्वामित्व संबंधी अधिकार पत्र प्रदान करने की मांग की है। इस प्रकरण में एसडीएम लांजी को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए है।

बालाघाट तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत टेकाड़ी के ग्राम गांगुलपारा के ग्रामीण गांव में आंगनवाड़ी केंद्र खुलवाये जाने की मांग लेकर आये थे। उन्होंने बताया कि गांव में 30-35 आदिवासी परिवार निवास करते हैं। घने जंगल, पहाड़ी और नालों के कारण बारिश में गांव का संपर्क टूट जाता है। जिसके कारण ग्राम केरा आंगनवाड़ी केंद्र दूर होने से बच्चों को पोषण आहार और प्राथमिक शिक्षा का लाभ नहीं मिल पाता है। अतः गांगुलपारा में नया आंगनवाड़ी केंद्र खुलवाया जाए। इस प्रकरण में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

जनसुनवाई में ग्राम पंचायत भरवेली के वार्ड क्रमांक 17 के पंच हरिराम गराड़े आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 4 के नवीन भवन का निर्माण छह माह बाद भी शुरू नहीं होने की शिकायत लेकर आये थे। उन्होंने बताया कि भवन निर्माण के लिए प्रशासकीय एवं तकनीकी स्वीकृति मिल चुकी है, लेकिन पुराने जर्जर

भवन को तोड़ने की अनुमति नहीं मिली है। अतः उन्होंने जर्जर भवन को तोड़ने की अनुमति दिलाकर जल्द निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है। इस प्रकरण में जनपद सीईओ बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

बालाघाट जिले की ग्राम पंचायत गडदा के ग्राम खुर्दैनाखुर्द में नल-जल योजना के तहत पानी वितरण का कार्य करने वाले जयचंद लिल्हारे ठेकेदार द्वारा मजदूरी की राशि का भुगतान नहीं करने की शिकायत लेकर आये थे। जयचन्द ने बताया कि 05 हजार रुपये प्रतिमाह की दर से नियुक्त किया गया था, लेकिन दो माह के कार्य के बदले केवल एक माह की मजदूरी दी गई। अतः उसने शेष 25 हजार रुपये की मजदूरी शीघ्र दिलाए जाने की मांग की है। इस प्रकरण में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

बालाघाट तहसील के वार्ड नंबर 32 के निवासियों ने दुर्गा मंदिर से निर्मल नगर की ओर जाने वाले मार्ग पर अरबन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पास नाले में जलभराव की शिकायत की। उन्होंने बताया कि बारिश के दौरान पानी घरों, स्कूल परिसर और सेवा भारती वनवासी कन्या छात्रावास परिसर में भर जाता है, जिससे बच्चों और नागरिकों को परेशानी होती है। अतः जल निकासी के लिए पुल निर्माण कराया जाए। इस प्रकरण में बालाघाट नगर पालिका सीएमओ को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए है।

कटंगी तहसील के ग्राम सेलवा निवासी सुरेंद्र देशमुख प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में नाम आने और रजिस्ट्रेशन होने के बाद भी उनका नाम सूची से हटा दिए जाने की शिकायत लेकर आये थे। सुरेंद्र का कहना था कि ग्राम पंचायत की सहायक सचिव संगीता पटले और जनपद पंचायत के ओमप्रकाश पटले ने उनसे रिश्वत मांगी थी, मांग पूरी नहीं करने पर नाम काट दिया गया। कच्चा मकान होने के बावजूद उनके घर को पक्का बताया जा रहा है और विरोध करने पर धमकाया जा रहा है। अतः सुरेंद्र ने मामले की जांच कर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की है। इस प्रकरण में जिला पंचायत के पीएम आवास शाखा को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

जनसुनवाई में बैहर तहसील के ग्राम नवलपुर (खलौंडी) के ग्रामीणों ने 35 वर्षों से निवासरत होने के बावजूद भूमि का पट्टा नहीं मिलने की शिकायत की। ग्रामीणों का कहना था कि पट्टा नहीं होने के कारण वे पक्का मकान नहीं बना पा रहे हैं और उन्हें शासन की आवासीय योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल रहा है। भूमि के अधिकार नहीं मिलने से उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से काबिज भूमि का पट्टा प्रदान करने की मांग की है। इस प्रकरण में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग एवं वन विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है। बालाघाट के वार्ड नंबर 3 स्थित ताज नगर निवासी सलमान खान अपने नल कनेक्शन में पिछले 15 दिनों से पानी नहीं आने की शिकायत लेकर आए थे। सलमान ने बताया कि इस संबंध में उसने नगर पालिका के नल विभाग में शिकायत की, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। पानी की आपूर्ति बंद होने से उन्हें और उनके परिवार को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से नल कनेक्शन में पानी की सप्लाई शुरू कराने की मांग की है। इस प्रकरण में बालाघाट नगर पालिका सीएमओ को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है। खैरलांजी तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत सालेबर्डी के निवासी गांव में पदस्थ सचिव मानिकराम पटले के समय पर पंचायत कार्यालय नहीं पहुंचने से ग्रामीणों के जरूरी काम प्रभावित होने की शिकायत लेकर आये थे। उन्होंने बताया कि सचिव की अनुपस्थिति के कारण ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं जनपद पंचायत में बार-बार शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। अतः ग्रामीणों ने सचिव के खिलाफ उचित कार्रवाई कर पंचायत में दूसरे सचिव की नियुक्ति करने की मांग की है। इस प्रकरण में जनपद सीईओ खैरलांजी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

चंदन नदी पुल के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से ५५ वर्षीय साइकिल सवार की मौत

बाजार से खरीदी कर घर लौट रहे थे अनीश खैरो, हादसे के बाद वाहन चालक फरार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। रामपायली मार्ग पर चंदन नदी के पुल के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार ५५ वर्षीय व्यक्ति की मौत हो

गई। हादसा उस समय हुआ जब वह वारासिवनी बाजार से सब्जी और जरूरी सामान की खरीदी कर अपने गांव मेहंदीवाड़ा लौट रहे थे। दुर्घटना में उनके सिर पर गंभीर चोट आई जिसके चलते मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर ग्रामीणों ने घायल को तत्काल सिविल अस्पताल वारासिवनी पहुंचाया जहां चिकित्सक ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनीश पिता जाफर खैरो उम्र ५५ वर्ष निवासी ग्राम मेहंदीवाड़ा अपने परिवार के साथ रहते थे। वे प्रतिदिन की तरह मंगलवार को भी साइकिल से वारासिवनी बाजार में सब्जी एवं घर की जरूरत का सामान खरीदने आए थे। खरीदी करने के बाद वे साइकिल से वारासिवनी रामपायली मार्ग होते हुए अपने गांव वापस लौट रहे थे। इसी दौरान शाम करीब ४ बजे चंदन नदी के पुल के पहले पीछे से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उनकी साइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अनीश खैरो सड़क पर गिर पड़े और उनके सिर में गंभीर चोट आ गई। दुर्घटना के बाद वाहन चालक मौके पर रुके बिना फरार हो गया। हादसे के बाद मार्ग से गुजर रहे राहगीरों ने उनकी पहचान की और ग्रामीणों को घटना की सूचना दी। जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्हें उपचार के लिए तत्काल सिविल अस्पताल वारासिवनी लेकर आए। सिविल अस्पताल में चिकित्सकों ने अनीश खैरो का परीक्षण किया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद अस्पताल की तहरीर के माध्यम से थाना वारासिवनी पुलिस को घटना की सूचना दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची और आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की। शव को सुरक्षित रूप से शव विच्छेदन गृह के फ्रीजर में रखवाया गया है। जिसका २८ अक्टूबर की सुबह पोस्टमार्टम किया जाएगा।

भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति प्रतियोगिता में सांदीपनि विद्यालय के छात्र को मिली छात्रवृत्ति

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के द्वारा स्थापित श्रीकृष्ण पाथेय न्यास के तत्वावधान में आयोजित भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति प्रतियोगिता में सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी के कक्षा १२ वीं गणित संकाय के मेधावी छात्र गिरीश पारधी ने मध्य प्रदेश के ५१ एवं जिले में प्रथम आकर अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत के बल पर शानदार सफलता एवं उपलब्धि हासिल की है। जिन्हे छात्रवृत्ति राशि १ लाख मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के दिन प्राप्त होगी। यह प्रतियोगिता भारतीय ज्ञान परंपरा महर्षि सांदीपनि आश्रम की शिक्षा तथा भगवान श्रीकृष्ण की १४ विद्याओं और ६४ कलाओं के प्रचार प्रसार व विद्यार्थियों

की सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने के उद्देश्य से निःशुल्क ऑनलाइन आयोजित की गई थी। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए छात्र गिरीश पारधी ने छात्रवृत्ति चयन सूची में जिले में प्रथम स्थान बनाया है। जिन्हें यह छात्रवृत्ति मध्य प्रदेश स्थापना दिवस १ नवंबर २०२६ को प्रदान की जाएगी। छात्र की इस विशेष उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कक्षा शिक्षिका श्रीमती अर्चना कानतोडे ने कहा कि गिरीश शुरू से ही अध्ययनशील और अनुशासित छात्र रहे हैं। भारतीय संस्कृति और अकादमिक क्षेत्र में उनकी यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है। छात्र की उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन, अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक मोहित डहेरिया, विद्यालय के प्राचार्य हुमराज पटले एवं समस्त शिक्षकों ने छात्र गिरीश पारधी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्राचार्य श्री पटले ने कहा कि शिक्षकों के सही मार्गदर्शन, अभिभावकों के सहयोग और छात्र के अनवरत प्रयास से ही ऐसी अभिनव उपलब्धि संभव हो पाई है एवं शासन की मनसा अनुरूप सांदीपनि विद्यालय में अब श्री कृष्ण के संस्कार, ज्ञान, सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने का अनुशासन से परिपोषित ज्ञान से संस्कारी छात्रों का निर्माण का उद्देश्य अब पूर्ण हो रहा है।

सर्पदंश से छात्रा जिज्ञासा की मौत

चंदन नदी किनारे हुआ अंतिम संस्कार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम नोनसा में सर्पदंश से कक्षा 11वीं की छात्रा जिज्ञासा टेम्भरे की मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। 26 अक्टूबर को खेत से घर लौटते समय नाग सांप के काटने से जिज्ञासा की मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद उसका शव गांव पहुंचा। 27 अक्टूबर को चंदन नदी के किनारे गमगीन माहौल में जिज्ञासा के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान ग्राम नोनसा सहित आसपास के करीब एक दर्जन गांवों के ग्रामीण, रिश्तेदार और परिवारजन मौजूद रहे।

खेत से लौटते समय हुआ था हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिज्ञासा टेम्भरे शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आरंभा में कक्षा 11वीं की छात्रा थी। 26 अक्टूबर को अवकाश होने के कारण वह अपने माता-पिता के साथ खेत गई थी। खेत से घर लौटते समय अचानक एक नाग सांप उसके दाहिने पैर में लिपट गया और उसने पैर में तीन-चार जगह काट लिया। घटना के बाद घबराए माता-पिता उसे तत्काल खैरलांजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

विद्यालय में अवकाश-शोकसभा आयोजित

छात्रा की असामयिक मृत्यु की खबर मिलते ही शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आरंभा में शोक का माहौल छा गया। विद्यालय में अवकाश घोषित कर दिया गया। इसके बाद विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं जिज्ञासा के अंतिम संस्कार में शामिल होने ग्राम नोनसा पहुंचे। विद्यालय में शोकसभा आयोजित कर दिवंगत छात्रा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उसकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

परिवार की इकलौती बेटी थी जिज्ञासा

जिज्ञासा अपने माता-पिता की इकलौती बेटी थी। उसका एक छोटा भाई है, जो कक्षा 10वीं में अध्ययनरत है। उसके माता-पिता खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। बेटी की अचानक हुई मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं, इस घटना के बाद ग्राम नोनसा में भी मातम पसरा हुआ है।

भागवत पुराण आयोजन में भी लिया था हिस्सा

जानकारी के अनुसार ग्राम नोनसा में 11 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक भागवत पुराण का आयोजन किया गया था। इस धार्मिक आयोजन में जिज्ञासा ने उत्साहपूर्वक भाग लिया था और अपना सहयोग भी प्रदान किया था। धार्मिक आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल रही जिज्ञासा की अचानक मौत से ग्रामीणों को गहरा दुख पहुंचा है। हंसती-खेलती छात्रा के असमय चले जाने से गांव में हर आंख नम है।

तेंदुए के बाद बाघ के शिकार ने खोली वन विभाग की पोल

अब जिम्मेदार अफसरों को थमाया गया कारण बताओं नोटिस, करंट लगाकर बाघ को मारने के बाद जलाया था शव, 4 पैर काटकर नाखून और खाल निकाली, 6 आरोपी जेल में

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में वन्यजीवों की सुरक्षा और वन विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। लामता परियोजना मंडल के परियोजना परिक्षेत्र उकवा के बीट हिर्री में नर तेंदुए और सियार का शव मिलने के बाद अब वर्ष 2024 में बाघ के शिकार का मामला भी चर्चा में आ गया है। बाघ को करंट लगाकर मारने, शव जलाने और उसके चारों पैर काटकर नाखून व खाल निकालने के गंभीर मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार कर 24 अक्टूबर को जेल भेजा गया था। अब इस प्रकरण में वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं।जिसके चलते विभाग द्वारा सम्बधित जिम्मेदारो को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है।

विभाग ने इन्हें थमाया नोटिस, मांगा जवाब

इस पूरे मामले में मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, लामता परियोजना मंडल के संभागीय प्रबंधक सुंदरम निवेदन एम. ने परियोजना परिक्षेत्र अधिकारी अजय कामड़े, डिप्टी रेंजर चुरन मड़ावी और बीटगार्ड अमर सिंह पंद्रे को नोटिस जारी कर 3 दिन के भीतर जवाब मांगा है। अधिकारियों से पूछा गया है कि गश्त में लापरवाही हुई या नहीं और यदि हुई, तो बाघ की मौत किन परिस्थितियों में हुई। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की बात कही गई है।

करंट से बाघ की मौत, सबूत मिटाने के लिए जलाया था शव

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाघ को करंट लगाकर मारा गया था। करंट से उसका पूरा शरीर जल गया था और दांत बाहर आ गए थे। आरोपियों ने टॉंगिया से उसके चारों पैर काटकर नाखून और खाल निकाल लिए थे। घटना के बाद 23 अक्टूबर को बाघ के शव को हरे-भरे सागौन प्लांटेशन के बीच जला दिया गया।सवाल यह उठ रहा है कि वन्यजीव के शव को खुले और सुरक्षित स्थान पर जलाने के बजाय प्लांटेशन के भीतर क्यों जलाया गया और घटना की जानकारी व निगरानी व्यवस्था कितनी प्रभावी थी।

कैमरा लगाकर छोड़ा गया था शव, नहीं हुई कार्रवाई

मामले में यह भी सामने आया है कि वर्ष 2024 में लामता परियोजना परिक्षेत्र में बाघ के अवशेष मिलने के बाद वन विभाग ने उन्हें देखा था। अगले दिन कैमरा लगाकर शव को वहीं छोड़ दिया गया। इसके बाद शरीर के कुछ ही अवशेष बचे थे। उस समय जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई नहीं होने की बात सामने आई है। क्षेत्र में अन्य वन्यप्राणियों की मौत के मामलों में भी कार्रवाई नहीं होने के आरोप लगाए जाते रहे हैं।

6आरोपी जेल में, अब अधिकारियों से जवाब तलब

वन विभाग ने 6 आरोपियों को 24 अक्टूबर को हिरासत में लेकर जेल भेजने की कार्रवाई की थी। अब विभागीय स्तर पर अधिकारियों को नोटिस जारी किए जाने के बाद यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जांच में किसकी जिम्मेदारी तय होती है और क्या कार्रवाई केवल निचले स्तर तक सीमित रहती है या लापरवाही सामने आने पर अन्य जिम्मेदारों पर भी कार्रवाई होती है।ज्ञात हो की वन विभाग हर वर्ष अक्टूबर में वन्यजीव सप्ताह मनाकर वन एवं वन्यप्राणियों के संरक्षण का संदेश देता है। ऐसे में बाघ जैसे संरक्षित वन्यजीव के शिकार और शव जलाने की घटना ने संरक्षण के दावों तथा मैदानी निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी-सुंदरम

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान,लामता परियोजना मंडल बालाघाट संभागीय प्रबंधक सुंदरम निवेदन एम,ने मीडिया कर्मियों को बताया कि तेंदुए की मौत के बाद रेंजर, डिप्टी रेंजर और बीटगार्ड को नोटिस जारी किया गया है। उनसे पूछा गया है कि गश्त ठीक से होती है या नहीं और यदि होती है, तो तेंदुए की मौत कैसे हुई। तीन दिन के भीतर जवाब देने को कहा गया है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

चौकीदार की आवश्यकता है
शादी के भवन के लिए चौकीदार, परिवार सहित रहने वाले को प्राथमिकता दी जावेगी
8966935382, 9301240270

आंचलिक छतीसगढ़ी प्रोग्राम
बम के गोला
आकर्षक झांकी के साथ दामाद बाबू राजनांदगांव एवं राधिका बंजारी दुर्ग के द्वारा अनुपम प्रस्तुती
8085493332, 7440787959

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

35 साल से गांव में बसे, फिर भी जमीन के पट्टे से वंचित ग्रामीण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बैहर तहसील अंतर्गत ग्राम नवलपुर (खलौंडी) में पिछले करीब 35 वर्षों से निवास कर रहे ग्रामीण आज भी अपनी काबिज भूमि के पट्टे के लिए इंतजार कर रहे हैं। लंबे समय से गांव में रहने के बावजूद भूमि का पट्टा जारी नहीं होने से उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जमीन का वैध पट्टा नहीं होने के कारण वे अपनी भूमि पर पक्का मकान नहीं बना पा रहे हैं और न ही शासन की विभिन्न आवासीय योजनाओं का लाभ ले पा रहे हैं। इसी समस्या को लेकर 27 अक्टूबर को आयोजित जनसुनवाई में गांव के दर्जनों ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे और कलेक्टर के समक्ष अपनी परेशानी रखते हुए भूमि का पट्टा प्रदान करने की मांग की। ग्रामीण नेतराम टेकाम और अमरू मरकाम ने बताया कि वे कई वर्षों से गांव में रहकर जीवनयापन कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद आज तक उन्हें काबिज भूमि का पट्टा नहीं मिला है। उनका कहना है कि वर्षों से निवास करने के बाद भी भूमि संबंधी दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें अपने परिवार के लिए पक्का आवास बनाने में दिक्कत हो रही है। वहीं, पट्टा नहीं होने से वे शासन की आवासीय योजनाओं का लाभ लेने से भी वंचित हैं। ग्रामीणों के अनुसार, इस समस्या के चलते परिवारों को असुविधाओं के बीच जीवन गुजारना पड़ रहा है और लंबे समय से वे पट्टा मिलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए काबिज भूमि के दस्तावेजों की जांच कराई जाए और नियमानुसार पात्र हितग्राहियों को भूमि के पट्टे जारी किए जाएं। उन्होंने जल्द निराकरण की मांग करते हुए कहा कि वर्षों से गांव में निवास करने के बाद भी भूमि का अधिकार नहीं मिलना उनके लिए बड़ी परेशानी बना हुआ है। अब देखना होगा कि ग्रामीणों की इस मांग पर प्रशासन क्या कार्रवाई करता है और पात्रता एवं नियमानुसार जांच के बाद उन्हें पट्टा उपलब्ध कराने की दिशा में कब तक कदम उठाए जाते हैं।

शिक्षक की मांग लेकर स्कूल छोड़ जनसुनवाई पहुंचे नौनिहाल, गुलवा स्कूल की शिक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

किरनापुर के गुलवा स्कूल में वर्षों से एक ही शिक्षिका के भरोसे पढ़ाई का आरोप, पोर्टल पर दो शिक्षकों के नाम दर्ज होने के बावजूद दूसरे शिक्षक के स्कूल नहीं पहुंचने की शिकायत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हर बच्चे को शिक्षा से जोड़ने और सरकारी स्कूलों में बेहतर शैक्षणिक व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए शासन की ओर से लगातार योजनाएं संचालित की जा रही हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं की कमी के चलते विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को अपनी समस्याएं लेकर जिला मुख्यालय तक पहुंचना पड़ रहा है। इसका एक उदाहरण 27 अक्टूबर को आयोजित जनसुनवाई में देखने को मिला, जहां किरनापुर क्षेत्र के गुलवा स्कूल के एक दर्जन से अधिक बच्चे अपने अभिभावकों के साथ पढ़ाई छोड़कर शिकायत करने पहुंचे। बच्चों और अभिभावकों की मांग थी कि स्कूल में पर्याप्त शिक्षक की व्यवस्था की जाए, ताकि उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो। अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल में कई वर्षों से मात्र एक शिक्षिका ही बच्चों को पढ़ाने के साथ अन्य शैक्षणिक जिम्मेदारियां संभाल रही हैं, जबकि पोर्टल पर दो शिक्षकों की पदस्थापना दर्शाई जा रही है। उनका कहना है कि दूसरे शिक्षक लंबे समय से स्कूल नहीं पहुंच रहे हैं, जिसके कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई का पूरा भार एक ही शिक्षिका पर है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब सरकारी रिकॉर्ड में शिक्षक दर्ज हैं, तो फिर स्कूल में नियमित अध्यापन की व्यवस्था सुनिश्चित क्यों नहीं हो पा रही है। अभिभावकों के अनुसार, गुलवा स्कूल में 30 से अधिक विद्यार्थियों के अध्ययनरत होने के बावजूद एक ही शिक्षिका के भरोसे शैक्षणिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने इस समस्या को लेकर पहले भी कई बार शिकायतें कीं, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। लगातार परेशानी झेल रहे अभिभावकों ने आखिरकार बच्चों के साथ जिला मुख्यालय पहुंचकर जनसुनवाई में अपनी बात रखने का निर्णय लिया। अभिभावक दिनेश कुमार सहित अन्य अभिभावको ने मांग की कि पोर्टल पर जिस दूसरे शिक्षक का नाम दर्ज है, यदि वह लंबे समय से स्कूल में उपस्थित नहीं हो रहा है, तो इस स्थिति की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए और स्कूल में नवीन शिक्षक की पदस्थापना की जाए। उनका कहना है कि बच्चों को नियमित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलना जरूरी है तथा शिक्षकों की कमी के कारण उनकी पढ़ाई का नुकसान नहीं होना चाहिए। ग्रामीणों ने यह भी सवाल उठाया कि यदि शिकायतों के बाद भी व्यवस्था में सुधार नहीं होता, तो आखिर वे अपनी समस्या के समाधान के लिए कहां जाएं। जनसुनवाई के दौरान स्कूल के बच्चों और अभिभावकों के पहुंचने पर एक और स्थिति सामने आई। आरोप है कि शिक्षा विभाग के कुछ अधिकारी उन्हें कलेक्ट्रेट परिसर में ही रोकने लगे और आवेदन लेने की प्रक्रिया करने लगे, जबकि बच्चे अपनी समस्या सीधे कलेक्टर के सामने रखना चाहते थे। बाद में मीडिया के हस्तक्षेप के बाद कुछ बच्चों को जनसुनवाई में अपनी बात रखने का अवसर मिला। यह दृश्य कई सवाल छोड़ गया कि आखिर पढ़ाई से जुड़ी समस्या को लेकर जिला मुख्यालय पहुंचे बच्चों को अपनी बात रखने के लिए भी इंतजार और मशक्कत क्यों करनी पड़ रही है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम में संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आना भी आवश्यक है, लेकिन बच्चों और अभिभावकों की शिकायत को गंभीरता से सुनकर उसका समाधान करना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। स्कूल में शिक्षक की उपलब्धता से जुड़ी समस्या का निराकरण विभागीय रिकॉर्ड और वास्तविक उपस्थिति की जांच के बाद किया जा सकता है। गुलवा स्कूल का मामला जिले की सरकारी शिक्षा व्यवस्था में शिक्षकों की उपलब्धता और शिकायतों के निराकरण की प्रक्रिया पर सवाल खड़े करता है। एक ओर शासन बच्चों को स्कूल तक लाने और शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के प्रयास कर रहा है, वहीं दूसरी ओर यदि किसी स्कूल में वर्षों से एक ही शिक्षिका के भरोसे पढ़ाई चलने की शिकायत सामने आती है, तो संबंधित विभाग की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। बच्चों को अपनी पढ़ाई छोड़कर शिक्षक की मांग करने जनसुनवाई तक आना पड़े, यह स्थिति समस्या की गंभीरता को दर्शाती है। अब अभिभावकों की मांग है कि शिक्षा विभाग गुलवा स्कूल की वास्तविक स्थिति की जांच करे, पोर्टल पर दर्ज शिक्षकों की जानकारी और उनकी उपस्थिति का मिलान करे तथा जरूरत के अनुसार नवीन शिक्षक की पदस्थापना सुनिश्चित करे। इससे न केवल बच्चों की पढ़ाई नियमित हो सकेगी, बल्कि ग्रामीणों का सरकारी शिक्षा व्यवस्था पर भरोसा भी मजबूत होगा।

सेवा संकल्प अभियान- विद्यार्थियों को महिला सुरक्षा

यातायात नियमों और साइबर अपराधों से बचाव की दी जानकारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत बालाघाट पुलिस द्वारा विद्यार्थियों को महिला सुरक्षा, यातायात नियमों और साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 'जन सुरक्षा@युवा सृजन संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। 27 अक्टूबर को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में उच्च शिक्षा विभाग और पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। साथ ही उन्हें कोतवाली थाने का भ्रमण कराकर पुलिस की कार्यप्रणाली से भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक बालाघाट के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में रेडक्रॉस, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के सहयोग से आयोजित किया गया।महिला सुरक्षा के संबंध में महिला थाना प्रभारी निरीक्षक किरण वरकड़े ने छात्र-छात्राओं को आवश्यक सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को सतर्क रहने तथा आपातकालीन परिस्थितियों में उपलब्ध हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। यातायात जागरूकता सत्र में यातायात थाना प्रभारी रक्षित निरीक्षक योगेंद्र सिंह मरावी ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा और दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने यातायात नियमों का पालन करने तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने की अपील की। वहीं, साइबर सुरक्षा के संबंध में उपनिरीक्षक शत्रुघ्न पटेल ने ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग, पासवर्ड एवं व्यक्तिगत जानकारी की गोपनीयता बनाए रखने और संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधियों से सतर्क रहने के बारे में बताया। विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव के उपायों और उपलब्ध हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को कोतवाली थाना बालाघाट का भ्रमण कराया गया। इस दौरान उन्हें थाने की कार्यप्रणाली, पुलिस व्यवस्था और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की भूमिका से परिचित कराया गया। इससे विद्यार्थियों को पुलिस के कामकाज को नजदीक से समझने का अवसर मिला। बालाघाट पुलिस द्वारा सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से शैक्षणिक संस्थानों और ग्राम स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान का उद्देश्य बच्चों, युवाओं और आमजन को सुरक्षा संबंधी जानकारी प्रदान करना, पुलिस और नागरिकों के बीच संवाद को मजबूत करना तथा युवाओं को जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना है।

बुदबुदा में रेत खनन के खिलाफ ग्रामीणों का मोर्चा, लीज निरस्त करने कलेक्टर से लगाई गुहार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के ग्राम बुदबुदा में चिन्हित रेत घाट से उत्खनन की अनुमति दिए जाने का मामला अब तूल पकड़ने लगा है। रेत खनन के विरोध में गांव के लगभग आधा सैकड़ा ग्रामीण 27 अक्टूबर को जिला मुख्यालय पहुंचे और जनसुनवाई में कलेक्टर के नाम आवेदन सौंपकर रेत उत्खनन पर रोक लगाने तथा खदान की लीज निरस्त करने की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि इस वर्ष ग्राम पंचायत की सहमति और एनओसी लिए बिना ही गांव के रेत घाट से खनन की अनुमति दे दी गई है। उनका कहना है कि यदि गांव में रेत उत्खनन शुरू हुआ तो आने वाले समय में पेयजल संकट गहरा सकता है, भूजल स्तर नीचे जा सकता है और रहवासी क्षेत्र के साथ गांव में बने पुल पर भी प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। इसी को लेकर ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। गांव के सरपंच और ग्रामीण युवक उपल राहागडाले सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि वे अपने गांव के रेत घाट से खनन नहीं चाहते, क्योंकि इससे गांव के प्राकृतिक संसाधनों और स्थानीय जनजीवन पर असर पड़ सकता है। ग्रामीणों के मुताबिक, करीब दस वर्ष पहले भी गांव के रेत घाट को खनन के लिए दिया गया था, लेकिन उस समय ग्रामीणों ने विरोध दर्ज कराते हुए अनुमति निरस्त करवा दी थी। अब एक बार फिर रेत उत्खनन की अनुमति दिए जाने की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों में नाराजगी है। उनका कहना है कि इस बार भी अनुमति देने से पहले ग्राम पंचायत या ग्रामीणों से सहमति नहीं ली गई। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि मौके पर रेत कारोबार से जुड़े कुछ लोग खनन की अनुमति के संबंध में दस्तावेज नहीं दिखा पा रहे हैं। हालांकि, अनुमति की वैधानिक स्थिति और एनओसी से संबंधित दावों की प्रशासनिक पुष्टि होना बाकी है। जनसुनवाई में आवेदन सौंपकर ग्रामीणों ने मांग की कि बुदबुदा रेत घाट से उत्खनन तत्काल रोका जाए और यदि अनुमति जारी की गई है तो नियमानुसार जांच कर उसे निरस्त किया जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि उनकी मांग पर कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे और गांव से रेत का परिवहन नहीं होने देंगे। अब इस मामले में प्रशासन की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। ग्रामीणों की आपत्तियों, रेत खनन की अनुमति, ग्राम पंचायत की सहमति और पर्यावरणीय प्रभाव से जुड़े पहलुओं की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

किसान सम्मान निधि के नाम पर कथित वसूली करने वाले अधिकारी को कारण बताओ नोटिस

किरनापुर के ई-गवर्नेंस सहायक प्रबंधक रामशंकर पटेल पर कार्रवाई की तैयारी, किसानों से 4 हजार और 1700 लेने की शिकायत जांच में सही मिली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पद्मेश न्यूज और बालाघाट एक्सप्रेस अखबार की खबर का असर एक बार फिर देखने को मिला है।जहां खबर का संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन ने किरनापुर तहसील के सहायक प्रबंधक ई-गवर्नेंस रामशंकर पटेल को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। किसानों से राशि मांगने और फोन-पे के माध्यम से भुगतान लिए जाने की शिकायत जांच में सही पाए जाने के बाद कलेक्टर आदित्य सिंह ने संबंधित अधिकारी से दो दिन के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर एकपक्षीय अनुशासनात्मक कार्रवाई किए जाने की चेतावनी दी गई है।ज्ञात हो कि अधिकारी पर किसानो ने सम्मान निधि के नाम पर कथित वसूली का आरोप लगाया था।इस खबर को प्रमुखता से प्रसारित करने के बाद, कलेक्टर द्वारा अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है।

खबर प्रकाशन के बाद हरकत में आया प्रशासन

किसान सम्मान निधि का लाभ दिलाने के नाम पर किसानों से राशि मांगे जाने की शिकायत ने सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर सवाल खड़े किए थे। इस मामले को एक दिन पूर्व ही पद्मेश न्यूज़ और बालाघाट एक्सप्रेस ने प्रमुखता से उठाया था। इसके बाद प्रशासन ने मामले का संज्ञान लेते हुए शिकायत की जांच कराई। प्रशासन के अनुसार, जांच में शिकायत सही पाए जाने पर संबंधित सहायक प्रबंधक को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है। इसे किसानों की शिकायत पर प्रशासनिक कार्रवाई की महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

बालाघाट खबर का असर एक्सप्रेस

क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम नेवारा निवासी किसान किशोर कुमार मिशरेकर और ग्राम कुंडे निवासी महेंद्र मरावी ने सहायक प्रबंधक रामशंकर पटेल के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि किसान सम्मान निधि का लाभ दिलाने के नाम पर किशोर कुमार मिशरेकर से 4 हजार रुपये और महेंद्र मरावी से 1700 रुपये की मांग की गई तथा यह राशि फोन-पे के माध्यम से दी गई।शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जांच कराई गई। जांच में शिकायत सही पाए जाने के बाद कलेक्टर आदित्य सिंह ने कारण बताओ नोटिस जारी कर संबंधित अधिकारी से पूछा है कि उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए।

दो दिनो में मांगा जवाब, कार्यवाही की दी चेतावनी

खबर के प्रकाशन के बाद,मामले का संज्ञान लेते हुए प्रशासन ने रामशंकर पटेल को दो दिन के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।जिसमे स्पष्ट किया गया है कि यदी निर्धारित समय-सीमा में संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो उनके विरुद्ध एकपक्षीय कार्रवाई की जाएगी। अब सबकी निगाहें संबंधित अधिकारी के जवाब और प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हैं।

सरकारी योजनाओं के नाम पर वसूली पर उठे सवाल

किसान सम्मान निधि योजना किसानों को आर्थिक सहायता देने के उद्देश्य से संचालित की जाती है। ऐसे में योजना का लाभ दिलाने के नाम पर कथित रूप से राशि लिए जाने का मामला गंभीर है। किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ सहजता से मिलना चाहिए, न कि इसके लिए उन्हें अतिरिक्त राशि देने की परेशानी उठानी पड़े।पद्मेश न्यूज़ और बालाघाट एक्सप्रेस की खबर के बाद हुई इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया है।अब देखना यह दिलचस्प रहेगा कि सम्बधित द्वारा जारी नोटिस का जवाब कब और क्या दिया जाता है।वही अब सबकी निगाहें नोटिस के जवाब के बाद प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई है।

किसानों के पंजीयन में देरी पर किसान कांग्रेस का हल्ला बोल

हजारों किसानों का पंजीयन लंबित होने का दावा, भूरू पटेल के नेतृत्व में अपर कलेक्टर को सौंपा राज्यपाल के नाम ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में किसानों के पंजीयन और एग्रीस्टैक आईडी की प्रक्रिया में हो रही देरी को लेकर किसान कांग्रेस ने आवाज बुलंद की है। हजारों किसानों का पंजीयन लंबित होने का दावा करते हुए किसान कांग्रेस ने प्रशासन से जल्द प्रक्रिया पूरी कराने की मांग की है। मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष भूरू पटेल के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने अपर कलेक्टर को महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की।किसान कांग्रेस का कहना है कि एग्रीस्टैक आईडी पूर्ण नहीं होने और पटवारियों की हड़ताल के कारण पंजीयन कार्य प्रभावित हुआ है। इससे किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी हो सकती है। खेती की बढ़ती लागत और अन्य चुनौतियों से जूझ रहे किसानों के लिए पंजीयन में देरी एक नई समस्या बन रही है। संगठन ने मांग की कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए लंबित पंजीयन जल्द पूरा कराए। किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण कर पंजीयन प्रक्रिया में तेजी लाई जाए, ताकि जिले के सभी पात्र किसानों को समय पर सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

इन मांगों को पूरा करने की लगाई गुहार

किसान कांग्रेस ने जिले के शेष किसानों का पंजीयन अभियान चलाकर पूरा कराने, एग्रीस्टैक आईडी के लिए विशेष शिविर लगाने, पटवारियों की हड़ताल से प्रभावित कार्यों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने तथा पंजीयन की प्रगति की नियमित समीक्षा करने की मांग की।इसके अलावा किसानों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए जिला स्तर पर हेल्प डेस्क या सहायता केंद्र स्थापित करने और यह सुनिश्चित करने की मांग की गई कि कोई भी पात्र किसान पंजीयन की समय-सीमा के कारण सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।ज्ञापन सौंपने के दौरान किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष भूरू पटेल, बालाघाट शहर के पूर्व शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रहीम खान, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव जुगल शर्मा, हंसलाल रंगगिरे, ब्लॉक अध्यक्ष धनीराम डेके, किसान कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष एवं संयोजक अंजन दास सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पंजीयन के लिए चलाए विशेष अभियान- भूरु पटेल

किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष भूरू पटेल ने कहा कि किसानों का पंजीयन समय पर पूरा कराना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। पंजीयन में देरी के कारण किसी भी पात्र किसान को सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने शेष किसानों के पंजीयन के लिए विशेष अभियान चलाने, एग्रीस्टैक आईडी बनाने के लिए शिविर लगाने और पटवारियों की हड़ताल से प्रभावित कार्यों को पूरा करने वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की।

रहीम खान और जुगल शर्मा ने भी उठाया किसानों का मुद्दा

बालाघाट शहर के पूर्व शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रहीम खान ने कहा कि पंजीयन जैसी आवश्यक प्रक्रिया में देरी होने से किसानों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। प्रशासन को किसानों की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण करते हुए सरल व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।वहीं, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव जुगल शर्मा ने कहा कि किसानों के हितों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। पंजीयन में आ रही तकनीकी और प्रशासनिक बाधाओं को प्राथमिकता से दूर कर संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित किया जाए, ताकि पात्र किसानों को योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी न हो।

व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण शिविर संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया (भारतीय बौद्ध महासभा) द्वारा वारासिवनी स्थित तक्षशीला वाचनालय में व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता, लक्ष्य निर्धारण और जीवन में आने वाली कठिनाइयों से निपटने के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया गया।संस्था के राष्ट्रीय सचिव बी.एच. गायकवाड ने कहा कि व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास आदर्श मानव बनाने की शुरुआत है। वहीं, राष्ट्रीय सचिव बी.एम. कांबले ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में नेतृत्व के गुण होते हैं, जिन्हें पहचानकर विकसित करना चाहिए। संस्था के मध्यप्रदेश राज्य शाखा अध्यक्ष डॉ. चरनदास ढेंगरे ने कहा कि प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से संस्था के उद्देश्यों की पूर्ति के साथ आदर्श समाज का निर्माण संभव है।कार्यक्रम की अध्यक्षता वारासिवनी तहसील अध्यक्ष आर.डी. बंसोड ने की। इस दौरान वर्षावास प्रवचनमाला का समापन भी हुआ। शिविर के अंतिम सत्र में तहसील महामंत्री पद पर धर्मेंद्र कुमार घोडेश्वार तथा कोषाध्यक्ष पद पर उत्तमदास मेश्राम की नियुक्ति पर अतिथियों ने उनका सम्मान किया। कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारी और धम्म उपासक-उपासिकाएं उपस्थित रहे। अंत में भोजनदान एवं समापन गाथा के साथ शिविर का समापन किया गया।

प्रतिमा विसर्जन के साथ भव्यतापूर्वक संपन्न हुआ माँ सरस्वती महोत्सव

ईनामी कूपन का खुला पिटारा, 71 भाग्यशाली भक्तों को मिले आकर्षक पुरस्कार

एआर म्यूजिक बैंड का हुआ आयोजन, मनमोहक झांकियों के साथ नम आंखों से दी गई माँ वीणा वादिनी को विदाई

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय में आयोजित होने वाला माँ सरस्वती महोत्सव न केवल बालाघाट जिले, बल्कि संपूर्ण महाकौशल क्षेत्र में अपनी अनूठी संस्कृति, भव्य आयोजनों और मनमोहक झांकियों के लिए विशेष पहचान रखता है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष महोत्सव का 34 वां वर्ष बड़े ही भक्तिभाव, हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। महोत्सव के अंतिम चरणों में हुए कार्यक्रमों ने नगरवासियों का मन मोह लिया। वहीं माँ सरस्वती महोत्सव के समापन के एक दिन पूर्व 26 अक्टूबर को रात 9 बजे पारदर्शी तरीके से बहुप्रतीक्षित कूपन ड्रा का पिटारा खोला गया और एआर म्यूजिक बैंड कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कूपन ड्रा के दौरान निकले परिणामों में माँ सरस्वती के 71 भाग्यशाली भक्तों पर इनामों की वर्षा हुई। जिसमें प्रथम ईनाम कूपन क्रमांक 125378 को टीव्हीएस मोटरसाइकिल, द्वितीय ईनाम कूपन क्रमांक 136335 को इलेक्ट्रिक स्कूटर डीएल, तृतीय पुरस्कार कूपन क्रमांक 144535 को इलेक्ट्रीक स्कूटर एसएल, चतुर्थ पुरस्कार कुपन क्रमांक 159508 को फ्रीज, पांचवा पुरस्कार कूपन क्रमांक 145767 को वाशिंग मशीन प्राप्त हुआ है। इसी तरह 66 ईनामों का कूपन ड्रा हुआ है जिन्हे भी माँ सरस्वती का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। साथ ही एआर म्यूजिक बैंड ग्रुप के कलाकारों के द्वारा एक से बढ़कर एक फिल्मी एवं देवी गीतों की प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया।

भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ प्रतिमा विसर्जन

महोत्सव के अंतिम दिन 27 अक्टूबर की शाम 6 बजे माँ सरस्वती प्रांगण से डीजे की धुनों, आतिशबाजी और आकर्षक झांकियों के साथ माँ वीणा वादिनी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। नगर भ्रमण के दौरान जगह-जगह पुष्पवर्षा कर इस विसर्जन यात्रा का स्वागत किया गया और श्रध्दालुओं ने माँ वीणा वादिनी का पूजन-अर्चन कर प्रसाद प्राप्त किया। यह शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए लालबर्रा, मानपुर, बकोड़ा से मिरेगांव वैनगंगा बड़ी नहर पहुंची। यहां पूरी श्रध्दा और विधि-विधान के साथ आरती संपन्न हुई, जिसके पश्चात नम आंखों से माँ सरस्वती की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। अंत में प्रसाद का वितरण कर इस ऐतिहासिक 34 वें माँ सरस्वती महोत्सव का सफलतापूर्वक समापन किया गया।

इन कूपन नंबरों में माँ भगवती का प्राप्त हुआ आशीर्वाद

आपको बता दें कि नगर मुख्यालय स्थित सरस्वती ग्राउंड में माँ सरस्वती महोत्सव का गत 15 अक्टूबर को वीणा वादिनी माँ सरस्वती जी की प्रतिमा स्थापना के साथ आगाज हुआ था। जिसके पश्चात प्रतिदिन भक्तिभाव से श्रध्दालुओं के द्वारा पूजन-अर्चन कर पुण्य लाभ अर्जित किये। साथ ही जिले सहित पूरे महाकौशल क्षेत्र में ख्यातिप्राप्त, ऐतिहासिक रूप से मनाया जाने वाला माँ सरस्वती महोत्सव इस वर्ष हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। जिसके लिए माता का भव्य दरबार सजाया गया था जो श्रध्दालुओं के लिये विशेष आकर्षण का केन्द्र रहा। वहीं इस माँ सरस्वती महोत्सव के अवसर पर ईनामी कूपन ड्रा भी रखा गया था, जिसमें 71 पुरस्कार रखे गये थे। वहीं 26 अक्टूबर की रात में पुरी पारदर्शिता के साथ सरदार पटेल यूनिवर्सिटी के कुलपति दिवाकर सिंह सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में कूपन ड्रा खोला गया और 71 भाग्यशाली भक्तजनों को माँ भगवती का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। जिसमें प्रथम ईनाम कूपन क्रमांक 125378 को टीव्हीएस मोटरसाइकिल, द्वितीय ईनाम कूपन क्रमांक 136335 को इलेक्ट्रिक स्कूटर डीएल, तृतीय पुरस्कार कूपन क्रमांक 144535 को इलेक्ट्रीक स्कूटर एसएल, चतुर्थ पुरस्कार कुपन क्रमांक 159508 को फ्रीज, पांचवा पुरस्कार कूपन क्रमांक 145767 को वाशिंग मशीन प्राप्त हुआ है। इसी तरह अन्य भाग्यशाली भक्तों को माँ भगवती का आशिर्वाद प्राप्त हुए है जिन्हे कुपन ड्रा का पिटारा के तहत अनेक ईनाम फसे है वे समिति से संपर्क कर अपना ईनाम प्राप्त कर सकते है। माँ सरस्वती महोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि माँ सरस्वती महोत्सव का 34 वें वर्ष सफलतम पूर्ण हुआ और महोत्सव के दौरान प्रतिदिन विविध सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। साथ ही उपहार कुपन ड्रा भी रखा गया था जिसका ईनामी कूपन ड्रा का पिटारा 26 अक्टूबर को रात में खोला गया। जिसमें 71 ईनाम रखे गये थे और कूपन ड्रा में 71 भाग्यशाली भक्तों को मातारानी का आशिर्वाद प्राप्त हुए है। इस 13 दिवसीय आयोजन में माँ सरस्वती महोत्सव समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं श्रध्दालुओं का सराहनीय योगदान रहा।

इस महोत्सव की अपनी एक विशेष छवि और गरिमा बनी हुई है - दिवाकर

सरदार पटेल यूनिवर्सिटी के कुलपति दिवाकर सिंह ने कहा कि माँ सरस्वती महोत्सव की अपनी एक विशेष छवि और गरिमा बनी हुई है। जिसे सभी मिलकर कायम रखे हुए हैं। क्योंकि इस आयोजन को तैयार करने में पिछली पीढ़ियों का अहम योगदान रहा हैं और खुशी की बात है कि अब दूसरी पीढ़ी के युवा साथियों और बच्चों ने इस पूरे कार्यक्रम की कमान संभाल ली है। श्री दिवाकर ने युवाओं की सराहना करते हुए कहा कि नई पीढ़ी उसी गरिमा और निष्ठा के साथ इस परंपरा को आगे बढ़ा रही है। भाषण के अंत में उन्होंने युवा साथियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सत्य को कहने के लिए किसी शपथ की जरूरत नहीं होती, नदियों को बहने के लिए किसी पथ की जरूरत नहीं होती, जमाने में बढ़ते हैं जो अपने बुलंद इरादों से, उन्हें आगे बढ़ने के लिए किसी रथ की जरूरत नहीं होती। यह भव्य महोत्सव निरंतर आगे इसी तरह बढ़ते रहे यही कामना माँ भगवती से करते है। कार्यक्रम को समाजसेवी रवि अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, ज्ञानचंद शर्मा, पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन समिति संरक्षक कैलाश अग्रवाल, अधि. मनोज शर्मा ने किया।

औल्याकन्हार में मंडई-मेला समिति की हुई बैठक

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत औल्याकन्हार में ग्राम स्थित सभामंच में गत दिवस मंडई-मेला की तैयारी हेतु ग्रामीणजनों की बैठक संपन्न हुई। आयोजित बैठक में ग्राम की सांस्कृतिक परंपरा, सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे को सशक्त बनाने के उद्देश्य से इस वर्ष चौदस मंडई मेले का भव्य आयोजन किया जायेगा। आगामी 23 नवंबर को आयोजित होने वाले इस एक दिवसीय दिन-रात मंडई मेले की तैयारी, कौन से कार्यक्रम आयोजित करना है सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई और सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि दिन-रात की मंडई के अवसर पर छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। चर्चा में मंडई मेला समिति के अध्यक्ष धनेन्द्र पटले ने बताया कि ग्राम औल्याकंहार में अनेक वर्षों से परंपरागत रूप से मंडई मेले का आयोजन होता आ रहा है। पूर्व में यह आयोजन प्रत्येक वर्ष चौथी मंडई को किया जाता था। लेकिन पिछले वर्ष सर्व समाज की सामूहिक बैठक में आपसी सहमति से आगामी वर्षों में चौदस मंडई आयोजित करने का निर्णय लिया गया था। इसी निर्णय के परिपालन में गत दिवस आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से इस वर्ष 23 नवंबर को चौदस मंडई मेले का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। आगे बताया कि ग्रामीणों के सहयोग से इस वर्ष चौदस मंडई का भव्य आयोजन किया जा रहा है। मेले में छत्तीसगढ़ अंचल का आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तावित है, जिसमें छत्तीसगढ़ के सुप्रसिध्द कलाकार अपनी शानदार प्रस्तुतियां देंगे। इस बार आयोजन की तिथि में संशोधन किया गया है, जबकि मेले का पारंपरिक स्वरूप बरकरार रहेगा। श्री पटले ने बताया कि सर्व समाज की सामूहिक बैठक में एक दिवसीय दिन-रात मंडई मेले कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु पिछले वर्ष जो समिति का गठन किया गया था। वहीं समिति के पदाधिकारी ही कार्य को सम्पादित करवाने का निर्णय लिया गया है। इस अवसर पर ओ.पी.बिसेन सरपंच प्रतिनिधि, धनेन्द्र पटले अध्यक्ष मंडई मेला समिति, मुकेश चौहान (उपाध्यक्ष), राकेश नागेश्वर, संदीप गुनेश्वर (वार्ड पंच), सुरेश नागेश्वर, शरद धानेश्वर, मो.सुलेमान खांन, महेंद्र चौहान, मनोज नागेश्वर, शिवप्रसाद राणा, दुर्गेश यादव, कृष्णा सहारे, प्रमेन्द्र उर्फ गोलु नागेश्वर, सुनील बिसेन, संतोष सोनवाने, अरूण बिसेन, शीलू ब्रम्हें, कमल मेश्राम, दीपक यादव, तपेश रंगारें, शांतनु भारद्वाज, राहुल ब्रम्हें, राजकुमार यादव, मंगल सहारे, संतोष नागेश्वर, विजय नागेश्वर और दीपक वराड़ें सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

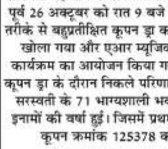

नेवरगांव वा. शास. हायर सेकेण्डरी की छात्रा तृप्ति पटले ने राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लोक शिक्षण संचालनालय म.प्र. के तत्वाधान में जिला मुख्यालय स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में गत 23 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक 70 वीं राज्य स्तरीय शालेय योगासन प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरगांव वा. की ओर से दो बालिकाओं ने सहभागिता की थी। जिसमें कक्षा 10 वीं की छात्रा कु. तृप्ति पिता विजय पटले ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) अपने नाम किया। उनकी इस शानदार उपलब्धि के आधार पर राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता के लिए उनका चयन हुआ है। आगामी समय में राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता में छात्रा कु. तृप्ति पटले मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस तरह से ग्रामीण क्षेत्र की ग्राम पंचायत टेकाड़ी लो. के अंतर्गत आने वाले ग्राम खोलटोला निवासी छात्रा तृप्ति पटले का राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता के लिए चयन होने पर स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं क्षेत्रीयजनों ने शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है। वहीं छात्रा का राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन होने पर विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों और क्षेत्र में हर्ष व्याप्त है।

गोल्ड मेडल जीतकर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में करेंगी मध्यप्रदेश का नेतृत्व

आपको बता दे कि लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देशानुसार गत 23 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक बालाघाट स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 10 संभागों से कुल 360 प्रतिभागियों ने भाग लेकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। वहीं 10 संभागों से पहुंचे 360 प्रतिभागियों के बीच से ही जिनका योगासन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है उनका राष्ट्रीय स्तर के लिए उन्हे चयनित किया गया है। जिसमें लालबर्रा जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत टेकाड़ी लो. के ग्राम खोलटोला निवासी एवं नेवरगांव वा. स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा 10 वीं की छात्रा कु. तृप्ति पटले ने इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) जीतकर विद्यालय एवं जिले का नाम गौरवांवित किया है। जिससे विद्यालय परिवार, छात्र-छात्राओं एवं क्षेत्रीयजनों में हर्ष की लहर व्याप्त है। छात्रा कु. तृप्ति पटले की इस शानदार उपलब्धि के आधार पर राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता के लिए उनका चयन हुआ है, जहां वह मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। चर्चा में विद्यालय के खेल शिक्षक मनेष शेंडे ने बताया कि इस राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में प्रदेश के 10 संभागों से कुल 360 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। विद्यालय से 17 वर्ष आयु वर्ग में कु. तृप्ति पटले तथा 19 वर्ष आयु वर्ग में कु. सुहानी हरिद्वाज शामिल हुई थी। जिसमें कु. तृप्ति पटले ने ट्रेडिशनर योगा (पारंपरिक योगासन) में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर गोल्ड मेडल जीता और बालाघाट जिले से एकमात्र प्रतिभागी के रूप में राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होने का गौरव प्राप्त किया। जबकि कु. सुहानी हरिद्वाज ने आर्टिस्टिक पेयर (कलात्मक योगासन) में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। आगे शेंडे ने बताया कि कु. तृप्ति पटले के राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन होने पर विद्यालय परिवार और क्षेत्रवासियों में अत्यधिक हर्ष व्याप्त है। छात्रा कु. तृप्ति पटले ने बताया कि राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में मेरा राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन हुआ है, बहुत अच्छा लग रहा है। इस सफलता में मेरे परिवार, स्कूल और सभी शिक्षकों का बहुत बड़ा सहयोग रहा है। मैं सभी से कहना चाहूंगी कि योग को अपने जीवन में अपनाये, योग न केवल एक बेहतरीन खेल और अनुशासन है, बल्कि यह हमारे शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत लाभदायक है।

इन्होने दी छात्रा को शुभकामनाएं

छात्रा कु. तृप्ति पटले की इस उपलब्धि पर पालक-शिक्षक संघ अध्यक्ष विष्णुसिंह पारधी, जनपद पंचायत सभापति युलेन्द्र भगत, टेकाड़ी (लो.) सरपंच श्रीमती तिरजा झनकलाल बिसेन, जनपद सदस्य श्रीमती ममता राउत है, नेवरगांव वा. सरपंच श्रीमती डिलेश्वरी प्रमोद हनवत, विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती उषा देशमुख, शिक्षक बीएल पटले, यंकेश मिश्रा, सीआर नखाते, रमेशकुमार धुर्वे, बीके मेहरा, श्रीमती वंदना पालीवाल, श्रीमती धीपा मर्सकोले, श्रीमती रीना लिल्हारे, श्रीमती खिलासन भगत, आरिफ खान, प्रशांत मेश्राम, लुपेंद्रकुमार देशमुख, श्रीमती गीतेश्वरी टेम्भरे, श्रीमती लक्ष्मी विष्णु पटले, जयदीप जोशी, मनेश शेंडे, कपिलकुमार उके, सुश्री दिव्या जोशी, लेखापाल किशोर पाल, लिपिक रविकुमार कावड़े, भृत्य शैलेंद्र वासनिक, श्रीमती पुष्पकला भलावे एवं बिरजलाल भगत सहित अन्य ने हर्ष व्यक्त कर शुभकामनाएं प्रेषित की है।

बदलीनुमा मौसम ने बढ़ाई किसानों की धड़कने

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। इन दिनों क्षेत्र के अन्नदाता दोहरी चुनौती का सामना कर रहे हैं। एक तरफ खेतों में हल्फी प्रजाति की धान की फसल पूरी तरह पककर तैयार है और कटाई का काम युध्द स्तर पर चल रहा है। तो दूसरी तरफ अचानक छाये बादलों और करवट लेते मौसम ने किसानों की नींद उड़ा दी है। आसमान में मंडरा रहे बादलों को देखकर किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा सकती हैं। मंगलवार को सुबह से ही अचानक मौसम परिवर्तन होने से दिनभर बदलीनुमा मौसम बना रहा। वहीं लालबर्रा क्षेत्र में हल्की प्रजाति की धान पककर तैयार हो चुकी है, जिसकी कटाई युध्द स्तर पर किसानों के द्वारा की जा रही है। लेकिन अचानक मौसम परिवर्तन होने एवं बारिश होती है तो कट चुकी फसल गीली हो सकती है, जिससे किसानों को काफी नुकसान होने की संभावना बनी हुई है, इसलिए अब बारिश नही होना चाहिए, मौसम साफ रहना चाहिए। लेकिन मौसम विभाग के अनुसार जिले में बारिश होने की संभावना व्यक्त की गई हैं जिससे किसान काफी चिंतित नजर आ रहे है। अगर बारिश होती है तो किसानों की मेहनत पर पानी फिर सकता है, जिससे उन्हे आर्थिक परेशानियों से जुझना पड़ेगा।

फसल कटाई और मौसम की आंख-मिचौली, मेहनत पर पानी फिरने का डर

लालबर्रा क्षेत्र में बड़ी संख्या में किसानों ने खरीफ सीजन में धान की फसल लगाये है। वहीं किसानों का पूरा साल भर का परिश्रम इस समय खेतों में लहलहा रही और पक चुकी धान की बालियों में समाया हुआ है। मौसम के मिजाज को भांपते हुए किसानों ने कट चुकी अपनी फसलों को समेटने में युध्द स्तर पर जुट गये है। कटाई में जुटे मजदूरों की व्यस्तता से ग्रामीण इलाकों में पूरी तरह कटाई का माहौल बना हुआ है। हर कोई चाहता है कि बारिश या तेज हवा चलने से पहले उसकी फसल सुरक्षित घर या खलिहान तक पहुंच जाये। वहीं क्षेत्रीय किसानों ने बताया कि इस बार धान की फसल बहुत अच्छी हुई है, जिससे हमें अच्छी पैदावार की उम्मीद थी। लेकिन अचानक मौसम परिवर्तन होने एवं बदलीनुमा मौसम ने हमारी रातों की नींद उड़ा दी है। अगर समय रहते जो पककर तैयार हो चुकी है उस फसल की कटाई कर उसे सुरक्षित नही किया गया और बारिश हो गई तो पूरी मेहनत पर पानी फिर जायेगा। जबकि जिस समय फसल को पानी की आवश्यकता थी उस समय बारिश नही हुई और पिछले कई दिनों से बिना रूके अपने खेतों में काम कर रहे हैं, ताकि किसी भी अनहोनी से पहले उपज को सुरक्षित किया जा सके।

मौसम विभाग की हल्की सी भी चेतावनी किसानों के दिलों की धड़कनें बढ़ाने के लिए काफी साबित हो रही है। वहीं मौसम में हो रहे इस बदलाव को देखते हुए कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। जिन खेतों में धान पूरी तरह पक चुका है, वहां बिना किसी देरी के कटाई का कार्य पूरा करें। कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों या ढके हुए परिसरों में रखें ताकि अचानक होने वाली बारिश से नुकसान से बचा जा सके। साथ ही क्षेत्रीय किसान मौसम पूर्वानुमान पर नजर बनाये रखें और उसी के अनुसार अपने कृषि कार्यों की रूपरेखा तैयार करेगें। फिलहाल अन्नदाता आसमान की तरफ टकटकी लगाये बादलों के बीच अपनी फसल बचाने की इस जंग में पूरी शिद्दत से जुटे हुए हैं। हर किसी की यही प्रार्थना है कि मौसम मेहरबान रहे और उनकी साल भर की मेहनत सुरक्षित उनके घरों तक पहुंच सके।

आठ सूत्रीय मांगों को लेकर विद्यार्थियों ने महाविद्यालय के मुख्य गेट पर की तालाबंदी

मूलभूत सुविधाओं परीक्षा परिणाम और छात्रवृत्ति की समस्याओं को लेकर जताया आक्रोश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय में विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर विद्यार्थियों ने महाविद्यालय के मुख्य गेट पर तालाबंदी कर धरना प्रदर्शन किया। लंबे समय से समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन करने के बावजूद व्यवस्था में सुधार नहीं होने से नाराज विद्यार्थियों ने महाविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विद्यार्थियों ने आठ सूत्रीय मांगों का ज्ञापन प्राचार्य एस एस गेड़ाम को सौंपते हुए समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की।

यह हैं मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार शंकर साव पटेल शासकीय महाविद्यालय वारासिवनी ही नहीं आसपास के क्षेत्र में एक बड़ा महाविद्यालय है। जहां दूर दराज से बड़ी संख्या में विद्यार्थी पब्लिक ट्रांसपोर्ट के माध्यम से शिक्षा अध्ययन करने के लिए आते हैं। ऐसे में इन विद्यार्थियों को बीते लंबे समय से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उन्हें काफी दिक्कतो का सामना करना पड़ रहा है तो वहीं कई बार आर्थिक भार भी ट्रांसपोर्ट का उन पर पड़ता नजर आ रहा है। ऐसे में महाविद्यालय में मूलभूत सुविधा साफ सफाई पंखे समय पर कक्षाओं का संचालन शुद्ध पानी जैसी विभिन्न समस्याओं को लेकर आवेदन और आंदोलन भी किया गया। परंतु व्यवस्था में सुधार नही होने से आक्रोशित विद्यार्थियों के द्वारा २७ अक्टूबर को महाविद्यालय का मुख्य गेट में तालाबंदी कर धरने पर बैठकर महाविद्यालय प्रशासन हाय हाय सहित अनेक प्रकार के नारे लगाए गए। जहां बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे तो वहीं विद्यार्थी एवं स्टाफ बाहर खड़ा रहा। यह धरना प्रदर्शन करीब १ घंटे चला महाविद्यालय प्राचार्य एस एस गेड़ाम महाविद्यालय स्टाफ के साथ पहुंचे। जिन्हे विद्यार्थियों के द्वारा ज्ञापन देकर विभिन्न विषयों पर चर्चा कर सुधार करने मांग की गई।

विद्यार्थियों ने ज्ञापन में यह रखी मांग

विद्यार्थियों के द्वारा महाविद्यालय प्राचार्य एस एस गेड़ाम से विस्तृत रूप से विभिन्न मांगो पर चर्चा की गई। वहीं पूर्व में दिए गए आश्वासन पर जवाब लेने के उपरांत ज्ञापन दिया गया कि पिछले लंबे समय से छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय में डब्लू एच प्री प्रमोटेड जैसी समस्याओं का सामना बार बार करना पड़ रहा है। क्लियर रिजल्ट को लेकर कॉलेज प्रशासन एवं विश्वविद्यालय से समाधान नहीं होने से छात्र बहुत ज्यादा परेशान है। महाविद्यालय में ओबीसी एसटी एससी छात्र छात्राओं को छात्रवृत्ति समय पर प्राप्त नहीं हो रही है, शिक्षकों के व्यवहार में सुधार नहीं आ रहा है, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नहीं है, शौचालय एवं कक्षाओं के नियमित साफ सफाई नहीं की जा रही है, महाविद्यालय में सीसीटीवी कैमरे लगवाए गया है वह चालू नहीं है, कक्षाओं का प्रतिदिन समय अनुसार संचालन नहीं हो रहा है, नवीन पाठ्यक्रम की पुस्तक लाइब्रेरी में नहीं है एवं लाइब्रेरी में बैठने की व्यवस्था ठीक नहीं है। साथ ही कई प्रकार की अनियमितता बरती जा रही है जिससे विद्यार्थियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है ,इस पर प्राचार्य के द्वारा जल्द सुधार करने और व्यवस्था बनाने का आश्वासन विद्यार्थियों को दिया गया। वहीं महाविद्यालय में जन भागीदारी से काम कर रहे कर्मचारियों के द्वारा सही तरीके से कार्य नहीं किया जाने उनका पुलिस वेरिफिकेशन करवाने की चर्चा की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

कालेज प्रबंधन के द्वारा विद्यार्थीयों की कोई सुध नही लेता है-सुमेन्द्र बंसोड़

सुमेन्द्र बंसोड़ ने बताया कि कॉलेज प्रशासन को आंदोलन के माध्यम से हमारे द्वारा बताया है कि एसटी एससी ओबीसी के छात्रों की समय पर छात्रवृत्ति नहीं आ रही है। शिक्षकों का व्यवहार ठीक नहीं है शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नहीं है ,शौचालय एवं कक्षाओं में साफ सफाई नहीं है सीसीटीवी का लगाए हैं वह बंद है जैसी तमाम विषय पर ज्ञापन दिया गया है। वहीं विद्यार्थियों को परीक्षा में पूरक भी बहुत आ रही है जबकि कई महाविद्यालय है पर वारासिवनी महाविद्यालय में यह समस्या ज्यादा है इनमें सुधार होना चाहिए।

कई बार धरना आंदोलन किया फिर भी मूलभूत सुविधा की कमी है-अभिनय डोंगरे

अभिनय डोंगरे ने बताया की महाविद्यालय में कई प्रकार की अनियमित और मूलभूत सुविधा की कमी थी जिसको लेकर कई बार आवेदन दिया गया। पर हर बार आश्वासन दिया उस पर कोई समाधान नहीं किया गया था। इसके तहत विद्यार्थियों के द्वारा तालाबंदी कर आक्रोश व्यक्ति किया गया है । फिल्टर में कॉकरोच वाला पानी पीना पड़ता है शौचालय में गुटके के पाउच पड़े रहते हैं। बहुत ज्यादा गंदगी है परिसर में बनी हुई है गर्मी के लिए पंखे नहीं लगे हैं । ऐसी कई प्रकार की समस्या है इसके समाधान के लिए हमें यह आंदोलन करना पड़ रहा है।

मां अंजनी पुत्र सेवादल समिति की अनूठी पहल पर भजन संध्या आज

किशन भगत और रूद्रकांत ठाकुर देंगे अपनी शानदार प्रस्तुति

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के श्री राम मंदिर में मां अंजनी पुत्र सेवादल समिति के तत्वावधान में धार्मिक आयोजनों की एक अनूठी परंपरा निरंतर आगे बढ़ रही है। भगवान श्री हनुमान जी के प्रति अटूट श्रद्धा,भक्ति,तपस्या और समर्पण के साथ समिति के युवा वर्षों से इस परंपरा को साकार करने में जुटे हुए हैं। महाराज श्री का चोला धारण करने की परंपरा हो या शरद पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होने वाली भव्य भजन संध्या,दोनों ही आयोजन नगर में धार्मिक आस्था और भक्ति का विशेष वातावरण निर्मित करते हैं। वर्ष २०२३ से पहले श्री राम मंदिर में दशहरा पर्व के अवसर पर इस बात को लेकर चर्चा होती थीं कि पानीपत की तर्ज पर बजरंगबली का मुकुट धारण कर महाराज श्री का स्वरूप कौन धारण करेगा। इसी विषय को लेकर मां अंजनी पुत्र सेवादल समिति के युवाओं ने तत्कालीन कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल के समक्ष अपनी बात रखी और इस धार्मिक आयोजन की पूरी रूपरेखा विस्तार से बताई। कार्यक्रम की विशेषता और उसकी धार्मिक महत्ता को समझते हुए प्रदीप जायसवाल ने इस पहल में सहयोग करने की सहमती दी। यह परंपरा सामान्य नहीं थी बल्कि इसके लिए कठिन साधना जप तप श्रद्धा भक्ति और पूर्ण समर्पण की आवश्यकता थी।

मां अंजनी पुत्र सेवादल समिति के तत्वावधान में शरद पूर्णिमा के अवसर पर भव्य धार्मिक भजन संध्या का आयोजन भी किया जाता है। इस आयोजन में सुप्रसिद्ध भजन गायकों की प्रस्तुतियां श्रद्धालुओं को भक्तिरस में भावविभोर व सराबोर करती हैं। वर्ष २०२४ में रसराज महाराज ने अपनी भक्तिमय प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भावविभोर किया था। वहीं वर्ष २०२५ में बहन अदिश्रा एवं अनुष्का भटनागर ने अपनी भजन गायकी से वारासिवनी वासियों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। इसी कड़ी में इस वर्ष २८ अक्टूबर को नगर के रानी अवंतीबाई स्टेडियम में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर उज्जैन के सुप्रसिद्ध भजन गायक किशन भगत और बरघाट के देवी जागरण के मशहूर गायक रुद्रकांत ठाकुर अपनी भक्तिमय प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भक्ति के रंग में सराबोर करेंगे।

पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने आमजन से की कार्यक्रम में शामिल होने की अपील

पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने वारासिवनी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र सहित समस्त ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र की आमजनता से अपील की है कि वें २८ अक्टूबर की रात्रि ९ बजे रानी अवंतीबाई स्टेडियम वारासिवनी पहुंचकर इस भव्य धार्मिक भजन संध्या में सहभागी बनें और सुप्रसिद्ध भजन गायक किशन भगत और रूद्रकांत ठाकुर की भक्तिमय प्रस्तुतियों का आनंद लें।

वाल्मिकी समाज ने धूमधाम से मनाई महर्षि वाल्मीकि जयंती

मंदिर में हवन पूजन महाआरती विशाल भंडारे भजन संध्या का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड क्रमांक ९ स्थित संत शिरोमणि महर्षि वाल्मीकि मंदिर में संत शिरोमणि महर्षि वाल्मीकि समाज के तत्वावधान में महर्षि वाल्मीकि जयंती हर्षोल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर मंदिर में दिनभर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। पूजा अर्चना हवन,पूजन महाआरती भजन संध्या और विशाल भंडारे में बड़ी संख्या में समाजबंधुओं एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता कर धर्मलाभ अर्जित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह से ही मंदिर में पूजा अर्चना के साथ हुआ। महर्षि वाल्मीकि के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए वाल्मीकि समाज के स्वजातीय बंधु मंदिर पहुंचे और विधि विधान से पूजन कर सुख समृद्धि एवं समाज की खुशहाली की कामना की। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही तथा धार्मिक वातावरण के बीच जयंती उत्सव की तैयारियां संपन्न हुईं। इसके बाद दोपहर २ बजे से हवन,पूजन का कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। पंडित द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान से पूजा संपन्न कराई गई। हवन में आहुतियां अर्पित कर श्रद्धालुओं ने भगवान से परिवार समाज और क्षेत्र की सुख शांति एवं समृद्धि की कामना की। हवन पूजन के पश्चात महाआरती की गई जिसमें उपस्थित समाजबंधुओं ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता की। इसके बाद मंदिर में भजन कीर्तन का दौर चला और पूरा परिसर भक्तिमय हो गया। महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर शाम को भगवान महर्षि वाल्मीकि की विशेष पूजा अर्चना की गई। इसके पश्चात भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें श्रीराम मानस मंडल के सदस्यों ने भगवान श्रीराम, मां जगदंबा सहित अन्य देवी देवताओं की आराधना से जुड़े सुंदर एवं मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों की मधुर धुनों से मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा और श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आए। भजन संध्या के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने भजनों का आनंद लिया। कई श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते और नृत्य करते दिखाई दिए। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर प्रसादी ग्रहण किया और धर्मलाभ अर्जित किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक डॉक्टर योगेंद्र निर्मल, विधायक विवेक पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि ने उपस्थित होकर महर्षि वाल्मीकि का आशीर्वाद ग्रहण कर नगर सहित क्षेत्र के सुख समृद्धि की कामना की गयी। समाज के सदस्यों ने बताया कि प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी महर्षि वाल्मीकि जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। जयंती के अवसर पर सुबह पूजा अर्चना दोपहर में हवन पूजन शाम को विशेष आरती एवं भजन संध्या और इसके पश्चात भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को स्मरण करना और उनके विचारों को समाज के बीच प्रसारित करना रहा। संत शिरोमणि महर्षि वाल्मीकि वाल्मीकि समाज के सर्वोच्च आदर्श पूजनीय गुरु और महान पथप्रदर्शक हैं। उनका जीवन और उनकी शिक्षाएं समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणास्रोत हैं। महर्षि वाल्मीकि ने अपने व्यक्तित्व, ज्ञान और रचनाओं के माध्यम से मानवता को सदाचार कर्तव्यनिष्ठा और आदर्श जीवन का संदेश दिया। उनके जीवन से यह प्रेरणा मिलती है कि व्यक्ति की पहचान उसके कर्म,आचरण और विचारों से होती है। महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को आत्मसात कर समाज में शिक्षाए सद्भाव समानता और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा दिया जा सकता है। उनकी जयंती केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि उनके विचारों और जीवन दर्शन को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का भी महत्वपूर्ण अवसर है।

गुड़रूघाट में धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस समारोह में शामिल हुए विधायक गौरव सिंह पारधी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम गुड़रूघाट स्थित स्टेडियम ग्राउंड में बौद्ध सर्कल समिति के तत्वावधान में धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस समारोह आयोजित किया गया। समारोह में धम्म देशना के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता और जनसेवा से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में कटंगी विधानसभा क्षेत्र के विधायक गौरव सिंह पारधी शामिल हुए। विधायक गौरव सिंह पारधी ने समारोह में विश्व विख्यात पूज्य भिक्षुणी साक्य धम्मदीना के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा उनके विचारों और संदेशों को सुना। उन्होंने उपस्थित समाजजनों एवं सेवक सेविकाओं से भेंट कर उनका अभिनंदन किया और धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने भगवान बुद्ध की शिक्षाओं में निहित मानवता, समानता, करुणा और सामाजिक सद्भाव के महत्व को रेखांकित किया। समारोह में भगवान बुद्ध की शिक्षाओं, मानवता, करुणा,समानता और सामाजिक सद्भाव के महत्व पर प्रकाश डाला गया। पूज्य भिक्षुणी साक्य धम्मदीना की धम्म देशना के माध्यम से उपस्थित लोगों को धम्म के विचारों और जीवन मूल्यों से परिचित होने का अवसर मिला। कार्यक्रम में शिक्षा एवं सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रक्तदान कार्यक्रम, नि:शुल्क चिकित्सा जांच शिविर, संविधान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, प्रतिभा सम्मान समारोह तथा पुस्तकालय उद्घाटन जैसे आयोजन भी किए गए। इस अवसर पर डॉ.गोविंद कोडवानी, तरुण वसंत देशभ्रतार, इशांत नंदागौली,दिलीप उके, सतीश रंगारी, पंजाबराव मेश्राम,प्रकाश उके,आलोक पाटील,दिनेश नागदेवे सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि,सामाजिक कार्यकर्ता और बौद्ध सर्कल समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

महकेपार में मानव धर्म के सामूहिक हवन एवं कोजागिरी कार्यक्रम सम्पन्न

बाबा जुमदेव की शिक्षाओं से मानव जागृति व्यसनमुक्ति और सामाजिक सद्भाव का दिया संदेश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। तिरोड़ी। ग्राम महकेपार स्थित परमात्मा एक सेवक मंडल शाखा के सांस्कृतिक भवन में मानव धर्म का भव्य सामूहिक हवन एवं कोजागिरी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने परमात्मा एक सेवक मंडल के पदाधिकारियों, मार्गदर्शकों एवं सेवक सेविकाओं से भेंट कर उनका अभिनंदन किया और सभी को कार्यक्रम की शुभकामनाएं दीं। महान त्यागी बाबा जुमदेव की प्रेरणा एवं शिक्षाओं के अनुरूप आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य मानव जागृति, धर्मरक्षा, सामाजिक विकास, व्यसनमुक्ति तथा अंधविश्वास से दूर रहकर मानवता और सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश देना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक हवन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात मानव धर्म की शिक्षाओं पर मार्गदर्शन एवं विचार विमर्श किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में सेवक सेविकाओं और श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम के अंतर्गत महाप्रसादी की व्यवस्था भी की गई। विधायक गौरव सिंह पारधी ने संबोधित करते हुए समाज में सेवा, संस्कार, सद्भाव और नैतिक मूल्यों को मजबूत बनाने में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण हैं जो लोगों को मानवता आपसी सहयोग और सामाजिक एकता की प्रेरणा देते हैं। बाबा जुमदेव की शिक्षाओं के माध्यम से लोगों को व्यसनमुक्त जीवन अपनाने, सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने और एक दूसरे के प्रति सहयोग एवं सम्मान की भावना रखने का संदेश मिलता है। कार्यक्रम में कठीराम पडारे,राजू भोयर ,प्रकाशजी निबार्ते ,धनपाल पंचभाई ,प्रकाश सोनवाने,योगेश सोनवाने,श्रीमती प्रियंका परते,युवचंद सोनवाने,विनोद पंचभाई, महेश चूर्वे,गोटेश्वर वाघमारे,धनंजय सोनुसार, संजीवजी डोंगरवार ,दीपेंद्र वाघमारे, कैलाशजी सेंदरे,परसराम लान्छे,लक्ष्मीचंद लाडे ,धनपाल पंचभाई सहित सामाजिक कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जंगल पर हक आदिवासियों का, हुकूमत किसकी?

जंगल आदिवासियों का है, लेकिन जंगल के भविष्य का फैसला कौन करता है—ग्राम सभा या सरकारी महकमे? पीढ़ियों से जंगल के साथ जीने वाले समुदायों को अपने पारंपरिक अधिकार साबित करने के लिए आज भी दफ्तरों के चक्कर क्यों लगाने पड़ते हैं? वन अधिकार अधिनियम, 2006 ने ग्राम सभा को अधिकारों की पहचान और सामुदायिक वन संसाधनों के प्रबंधन में केंद्रीय भूमिका दी। फिर भी सवाल है कि क्या ग्राम सभा को अधिकार देना केवल कानून की औपचारिकता है, जबकि वास्तविक नियंत्रण सरकारी फाइलों और अधिकारियों के हाथों में बना हुआ है? 26 अक्टूबर 2026 को श्रीनगर में आयोजित वन अधिकार अधिनियम के तीसरे क्षेत्रीय समीक्षा सम्मेलन के बीच ये सवाल विशेष रूप से प्रासंगिक हैं। लाखों दावों का निपटारा हुआ, लाखों परिवारों को अधिकार-पत्र मिले, लेकिन बड़ी संख्या में दावे लंबित हैं और अनेक खारिज भी किए जा चुके हैं। इससे बड़ा सवाल यह है कि जिन परिवारों को अधिकार-पत्र मिल गए, क्या उन्हें अपनी जमीन और जंगल के बारे में फैसले लेने की वास्तविक स्वतंत्रता मिली? या कागज पर अधिकार देकर उन निर्णयों से दूर रखा जा रहा है, जो उनकी आजीविका और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य तय करते हैं? जंगल केवल पेड़ों, पहाड़ियों और वन्यजीवों का संसार नहीं है। वह आदिवासी समाज की संस्कृति, पहचान, आजीविका और सामुदायिक जीवन का आधार है। महुआ, बांस और दूसरी लघु वनोपज, जलस्रोत, चरागाह तथा पारंपरिक रास्ते उनकी जीवन-पद्धति से जुड़े हैं। लंबे समय तक वन संरक्षण की नीतियों में इन समुदायों के पारंपरिक अधिकारों को पर्याप्त मान्यता नहीं मिली। वन अधिकार अधिनियम ऐतिहासिक अन्याय दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम था। लेकिन कानून की मंशा और जमीन पर उसके क्रियान्वयन के बीच की दूरी आज भी बनी हुई है। श्रीनगर सम्मेलन से पहले 10 सितंबर को बेंगलुरु और 9 अक्टूबर को कोलकाता में क्षेत्रीय समीक्षा बैठकें हुई थीं। सम्मेलन में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, 31 अगस्त 2026 तक देशभर में लगभग 54.01 लाख वन अधिकार दावे प्राप्त हुए थे। इनमें से 43.56 लाख, यानी 80.64 प्रतिशत दावों का निपटारा किया गया था। लगभग 238 लाख एकड़ भूमि पर 25.42 लाख अधिकार-पत्र वितरित किए गए। इसके बावजूद 10.45 लाख दावे लंबित थे और 18.13 लाख दावे खारिज किए जा चुके थे। इन आंकड़ों को केवल प्रशासनिक उपलब्धि के रूप में देखना अधूरा होगा। दावा निपटाने और अधिकार सुनिश्चित करने में अंतर है। किसी दावे की अस्वीकृति के पीछे एक परिवार की जमीन, आजीविका और पीढ़ियों से जुड़े उसके संबंधों की मान्यता का प्रश्न हो सकता है। इसलिए हर खारिज दावे के कारणों की जांच, स्पष्ट लिखित आदेश और अपील का प्रभावी अवसर जरूरी है। ग्राम सभा के प्रस्तावों, स्थानीय साक्ष्यों और परंपरागत उपयोग के प्रमाणों को कितना महत्व दिया गया, इसकी भी समीक्षा होनी चाहिए। पारदर्शिता के बिना निपटारे के आंकड़े सरकारी फाइलों की उपलब्धि बनकर रह सकते हैं। वन अधिकार अधिनियम में ग्राम सभा महज आवेदन जमा कराने वाली संस्था नहीं है। वह व्यक्तिगत और सामुदायिक अधिकारों की पहचान की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण आधार है। सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण, उपयोग और प्रबंधन में भी उसकी भूमिका निर्णायक होनी चाहिए। स्थानीय समुदाय अपने जंगल, जलस्रोत, चरागाह और वनोपज के बारे में पीढ़ियों का अनुभव रखते हैं।

पेट्रोल के वैश्विक संकट के बीच भारत का मास्टरस्ट्रोक!

वैश्विक स्तरपर भारत की ऊर्जा सुरक्षा के इतिहास में 26 अक्टूबर 2026 एक महत्वपूर्ण तारीख के रूप में सामने आया है।केंद्र सरकार ने केंद्रीय मोटर वाहन नियम,1989 में संशोधन करके 100 प्रतिशत तक एथेनॉल वाले ई100 ईंधन पर चलने वाले वाहनों के लिए नियामकीय रास्ता साफ कर दिया है।सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना में ई100 को ई 85 के साथ वाहन उत्सर्जन और परीक्षण संबंधी नियमों में शामिल किया गया है। इसका अर्थ है कि वाहन निर्माता अब निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुसार ई100 और अन्य उच्च एथेनॉल मिश्रणों पर चलने वाले फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों का परीक्षण, प्रमाणन और बाजार में प्रवेश करने की प्रक्रिया आगे बढ़ा सकते हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि,यह फैसला ऐसे समय आया है,जब पश्चिम एशिया में संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर अनिश्चितताएं भारत सहित अनेक देशों के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं। हालांकि, यह कहना सही नहीं होगा कि दुनिया में तेल की भारी किल्लत होना निश्चित है। वास्तविक स्थिति संघर्ष की अवधि, तेल उत्पादक देशों की आपूर्ति, समुद्री परिवहन मार्गों और अंतरराष्ट्रीय बाजार की परिस्थितियों पर निर्भर करेगी। लेकिन एक बात स्पष्ट है,जो देशअपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए एक ही प्रमुख आयातित ईंधन पर निर्भर रहते हैं,वे अंतरराष्ट्रीय संकटों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं।इसी चुनौती के बीच एथेनॉल भारत के लिए केवल वैकल्पिक ईंधन नहीं,बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता, कृषि आधारित उद्योग और परिवहन क्षेत्र में तकनीकी बदलाव का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है। साथियों बात अगर हम ई 20 से ई 100 तकआखिर क्या बदल गया? इसको समझने की करें तो,भारत में पेट्रोल के साथ एथेनॉल मिलाने की व्यवस्था पहले से लागू है। ई 20 पेट्रोल में लगभग 20 प्रतिशत एथेनॉल और 80 प्रतिशत पेट्रोल होता है। भारत ने 2025 में पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य निर्धारित समय से पहले हासिल कर लिया था। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की जानकारी के अनुसार,एथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2024-25 में औसत मिश्रण करीब 19.24 प्रतिशत तक पहुंच गया था और 2025-26 में 20 प्रतिशत का स्तरहासिल किया गया। अब ई 100 की व्यवस्था इस दिशा में अगला कदम है।ई 100 का अर्थ लगभग शुद्ध एथेनॉल ईंधन है, जबकि ई 85 में लगभग 85 प्रतिशत एथेनॉल और शेष मुख्यत: पेट्रोल होता है।इन ईंधनों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए फ्लेक्स-फ्यूल वाहन अलग-अलग एथेनॉल-पेट्रोल मिश्रणों पर चलने के लिए डिजाइन किए जाते हैं। यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना जरूरी है। सरकार की नई अधिसूचना का अर्थ यह नहीं है कि भारत की सभी पेट्रोल कारें अब ई 100 पर चल सकती हैं या पेट्रोल पंपों पर ई 100 हर जगह उपलब्ध हो गया है।फिलहाल यह बदलाव उच्च एथेनॉल मिश्रणों के लिए वाहनों के नियामकीय परीक्षण और प्रमाणन ढांचे को स्पष्ट करता है। ईंधन की व्यापक उपलब्धता और नए वाहनों का व्यावसायिक विस्तार अलगअलग चरणहैं। साथियों बात अगर हम भारत को एथेनॉल से होने वाले चार सबसे बड़े फायदों को समझने की करें तो पहला फायदा- कच्चे तेल के आयात और विदेशी मुद्रा पर दबाव कम करना-भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। जब पेट्रोल में घरेलू स्तर पर उत्पादित एथेनॉल मिलाया जाता है,तो समान मात्रा में पेट्रोल तैयार करने के लिए आवश्यक जीवाश्म ईंधन की जरूरत घट सकती है। इससे तेल आयात बिल और विदेशी मुद्रा पर दबाव कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि वास्तविक बचत एथेनॉल की मात्रा, उत्पादन लागत और अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों पर निर्भर करेगी।गन्ना, मक्का और निर्धारित मानकों के अनुरूप अतिरिक्त या अनुपयोगी अनाज एथेनॉल उत्पादन के प्रमुख स्रोत हैं। इससे किसानों को कृषि उपज के लिए अतिरिक्त बाजार मिल सकता है।चीनी मिलों, डिस्टिलरी परिवहन और भंडारण उद्योगों में निवेश तथा रोजगार के अवसर भी बढ़ सकते हैं। लेकिन किसानों को वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब उचित खरीद मूल्य, समय पर भुगतान और टिकाऊ कृषि व्यवस्था सुनिश्चित हो।तीसरा फायदा- प्रदूषण और जीवाश्म कार्बन उत्सर्जन घटाने की संभावना-एथेनॉल में ऑक्सीजन की मौजूदगी दहन को प्रभावित करती है और उपयुक्त इंजन में कुछ प्रदूषकों, विशेषकर कार्बन मोनोऑक्साइड, के उत्सर्जन में कमी संभव है। लेकिन सभी प्रदूषक हर परिस्थिति में समान रूप से नहीं घटते। कुल पर्यावरणीय लाभ का आकलन एथेनॉल के उत्पादन, कृषि, परिवहन और इंजन से निकलने वाले उत्सर्जन को मिलाकर करना चाहिए।चौथा फायदा- ऊर्जा सुरक्षा और वैकल्पिक ईंधन का मजबूत नेटवर्क-यदि पेट्रोल की आपूर्ति या अंतरराष्ट्रीय कीमतों में बड़ा व्यवधान आता है,तो घरेलू एथेनॉल उत्पादन एक अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध करा सकता है। इससे ऊर्जा के स्रोतों में विविधता आएगी और भारत को केवल आयातित कच्चे तेल पर निर्भर रहने के बजाय घरेलू कृषि तथा जैव-ईंधन उद्योग की क्षमता का उपयोग करने का अवसर मिलेगा। हालांकि, एथेनॉल स्वयं भी कृषि उपज, पानी, बिजली, परिवहन और उत्पादन क्षमता पर निर्भर करता है।इन चारों लाभों का सबसे बड़ा महत्व यह है कि एथेनॉल नीति ऊर्जा, कृषि, उद्योग और पर्यावरण को एक साथ जोड़ती है।भारत सरकार के अनुसार, 2013-14 में पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण लगभग 1.5 प्रतिशत था, जो 2025-26 में 20 प्रतिशत तक पहुंच गया। इस विस्तार के साथ घरेलू उत्पादन क्षमता भी बढ़ी है। साथियों बात अगर हम क्या ई 100 से पेट्रोल का विकल्प पूरी तरह तैयार हो जाएगा? इसको समझने की करें तोइसका उत्तर है,अभी नहीं, लेकिन भारत ने एकमहत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया है। ई100 का उपयोग तभी व्यापक स्तर पर संभव होगा,जब पर्याप्त प्रमाणित वाहन, भरोसेमंद ईंधन आपूर्ति,उपयुक्त पेट्रोल पंप, प्रतिस्पर्धी कीमत और उपभोक्ताओं के लिए सुविधा जनक रखरखाव उपलब्ध हों।एथेनॉल की ऊर्जा मात्रा प्रति लीटर पेट्रोल से कम होती है। इसलिए समान दूरी तय करने के लिए ई 100 पर चलने वाले वाहन को सामान्य पेट्रोल कार की तुलना में अधिक ईंधन की जरूरत पड़ सकती है। इसका अर्थ है कि कम कीमत वाला एथेनॉल भी हर परिस्थिति में कम यात्रा-लागत की गारंटी नहीं देता। असली तुलना प्रति किलोमीटर खर्च के आधार पर होनी चाहिए।इसी तरह, ई 100 को केवल सामान्य पेट्रोल में अधिक एथेनॉल मिला देने की प्रक्रिया समझना भी गलत होगा। इसके लिए उपयुक्त ईंधन गुणवत्ता,मानक,भंडारण और वाहन की तकनीकी अनुकूलता सटीकता से आवश्यक है। साथियों बात अगर हम फ्लेक्स-फ्यूल कारें कैसे काम करेंगी और मौजूदा वाहनों का क्या होगा? इसको समझने की करें तो,फ्लेक्स-फ्यूल वाहन यानी फ्लेक्स- फ्यूल व्हीकल ऐसे वाहन होते हैं, जिनका इंजन और ईंधन तंत्र पेट्रोल तथा अलग-अलग अनुपात वाले एथेनॉल -पेट्रोल मिश्रणों के अनुरूप बनाया जाता है। इनमें विशेष सेंसर, इलेक्ट्रॉनिक इंजन कंट्रोल यूनिट,अनुकूल ईंधन इंजेक्टर, ईंधन पंप और एथेनॉल के अनुकूल सामग्री का इस्तेमाल किया जा सकता है। सेंसर ईंधन में एथेनॉल का अनुपात पहचानने में मदद करता है और इंजन नियंत्रण प्रणाली उसी के अनुसार दहन को समायोजित करती है।सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ई 20 के लिए प्रमाणित सामान्य कार को ई85 या ई100 के लिए स्वत: उपयुक्त नहीं माना जा सकता। ज्यादा एथेनॉल वाले ईंधन का उपयोग तभी करना चाहिए, जब वाहन निर्माता ने उस विशिष्ट मॉडल को उसके लिए प्रमाणित किया हो। अन्यथा ईंधन प्रणाली, सील, पाइप, इंजन के संचालन और टिकाऊपन से संबंधित समस्याएं पैदा हो सकती हैं। मौजूदा वाहन मालिकों को केवल इस सरकारी फैसले के कारण अपनी गाड़ी बदलने या उसमें कोई संशोधन कराने की जरूरत नहीं है। साथियों बात हम ऑटोमोबाइल कंपनियों के लिए खुला नया बाजार इसको समझने की करें तो,भारत में फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक अब केवल प्रयोगशालाओं और प्रोटोटाइप तक सीमित नहीं है। जून 2026 में मारुति सुजुकी ने वेगॉन फ्लेक्स फ्यूल पेश की,जो उच्च एथेनॉल मिश्रणों के लिए विकसित की गई है।कंपनी कीजानकारी के अनुसार, यह वाहन ई 20 से ई 100 तक के मिश्रणों के अनुकूल बनाया गया है। हालांकि, इसके वास्तविक उपयोग में संबंधित वाहन का आधिकारिक प्रमाणन और लागू ईंधन मानक महत्वपूर्ण हैं। इस बदलाव से टोयोटा, टाटा मोटर्स और हुंडई जैसी कंपनियों के लिए भी नए उत्पाद विकसित करने का अवसर पैदा होता है। हालांकि प्रत्येक कंपनी के नए मॉडल की लॉन्च तारीख, कीमत और निजी ग्राहकों के लिए उपलब्धता अलग-अलग होगी। सभी कंपनियों के ई 100 मॉडल जल्द लॉन्च होने का दावा करना अभी उचित नहीं है।निर्माताओं को नए इंजन, ईंधन प्रणाली,परीक्षण, उत्सर्जन प्रमाणन और बिक्री के बाद की सेवा पर निवेश करना होगा। शुरुआत में फ्लेक्स-फ्यूल वाहन सामान्य पेट्रोल मॉडलों से महंगे हो सकते हैं, क्योंकि इनके लिए अतिरिक्त तकनीकी बदलाव आवश्यक हैं। बड़े पैमाने पर उत्पादन, बेहतर आपूर्ति श्रृंखला और बढ़ती मांग से लागत में कमी आने की संभावना है। साथियों बात अगर हम क्या ई100 कारों का रखरखाव महंगा होगा? इसको समझने की करें तो,इसका निश्चित उत्तर किसी एक मॉडल की तकनीकी जानकारी के बिना नहीं दिया जा सकता। एथेनॉल की प्रकृति के कारण ठंडे मौसम में इंजन स्टार्ट करने, ईंधन की गुणवत्ता, नमी,ईंधन प्रणाली की सामग्री और लंबे समय तक वाहन खड़ा रहने जैसी परिस्थितियों पर विशेष ध्यान देना पड़ सकता है। इसी कारण फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों में विशेष इंजेक्टर, पंप, सेंसर और इंजन नियंत्रण प्रणाली की जरूरत हो सकती है।वाहन मालिकों के लिए सबसे व्यावहारिक तरीका होगा कि वे निर्माता के सर्विस शेड्यूल का पालन करें और केवल निर्धारित ईंधन का उपयोग करें। वारंटी की शर्तें, सर्विस सेंटर की उपलब्धता और स्पेयर पार्ट्स की लागत भी वाहन खरीदने से पहले जांचनी चाहिए। एथेनॉल से चलने वाली प्रत्येक कार का रखरखाव महंगा ही होगा,ऐसा कहना भी सही नहीं है; वास्तविक खर्च वाहन की बनावट और उपयोग पर निर्भर करेगा।माइलेज भी एक अहम मुद्दा है।एथेनॉल में प्रति लीटर ऊर्जा पेट्रोल से कम होती है,इसलिए ई100 पर चलने वाले वाहन में प्रति लीटर दूरी कम हो सकती है। इसीलिए ग्राहकों को केवल ईंधन की प्रति लीटर कीमत नहीं, बल्कि प्रति किलोमीटर खर्च, सर्विस लागत और वाहन की शुरुआती कीमत को एक साथ सटीकता से देखना चाहिए। साथियों बात अगर हम एथेनॉल उत्पादन और उपलब्धता क्या भारत तैयार है? इसको समझने की करें तो भारत ने एथेनॉल उत्पादन में उल्लेखनीय विस्तार किया है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

पाकिस्तान की पैरवी से कश्मीर का भला कैसे होगा

-कांतिलाल मांडोत

जम्मू-कश्मीर की राजनीति में फारूक अब्दुल्ला लंबे समय से प्रभावशाली चेहरा रहे हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और तीन बार जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री रह चुके फारूक अब्दुल्ला के राजनीतिक बयानों का असर केवल प्रदेश तक सीमित नहीं रहता, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति और भारत-पाकिस्तान संबंधों पर भी पड़ता है। उनके बेटे उमर अब्दुल्ला इस समय जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री हैं। ऐसे में फारूक अब्दुल्ला का हर बयान राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हो जाता है। हाल ही में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कश्मीर का मुद्दा उठाता है, इसलिए कश्मीर के लोग बचे हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली से न्याय की उम्मीद नहीं है और दुनिया के दबाव के कारण दिल्ली चुप है। उनके इस बयान ने एक बार फिर राष्ट्रीय हितों, कश्मीर की पहचान और पाकिस्तान की भूमिका को लेकर बहस छेड़ दी है।

सवाल यह है कि पाकिस्तान द्वारा कश्मीर का मुद्दा उठाने से कश्मीर के लोगों का अस्तित्व कैसे सुरक्षित रहता है? क्या पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय बयानबाजी कश्मीरियों की सुरक्षा, रोजगार, शिक्षा और विकास की गारंटी है? पाकिस्तान दशकों से कश्मीर का मुद्दा उठाता रहा है, लेकिन सीमा पार आतंकवाद, घुसपैठ और हिंसा की घटनाओं ने जम्मू-कश्मीर के सामाजिक ताने-बाने को गहरी चोट पहुंचाई है। ऐसे में पाकिस्तान की पैरवी को कश्मीरियों के बचे रहने का आधार बताना तर्कसंगत नहीं लगता। फारूक अब्दुल्ला को स्पष्ट करना चाहिए कि उनके बयान का वास्तविक आशय क्या है और वे किस आधार पर पाकिस्तान की भूमिका को इतना महत्वपूर्ण मानते हैं।

फारूक अब्दुल्ला के विवादित बयान कोई नई बात नहीं हैं। नवंबर 2017 में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को लेकर उन्होंने कहा था कि वह पाकिस्तान के पास है और युद्ध करने से भी स्थिति नहीं बदलेगी। इसी दौरान उन्होंने पाकिस्तान की सैन्य क्षमता और उसके परमाणु हथियारों का उल्लेख करते हुए भी बयान दिया था। इन टिप्पणियों पर देशभर में राजनीतिक विवाद हुआ। आलोचकों ने आरोप लगाया कि ऐसे बयान पाकिस्तान के पक्ष को मजबूती देते हैं। दूसरी ओर, फारूक अब्दुल्ला ने अपने रुख को वास्तविक परिस्थितियों को स्वीकार करने और युद्ध के बजाय शांति का रास्ता अपनाने की जरूरत से जोड़कर प्रस्तुत किया। यहां यह समझना जरूरी है कि शांति की वकालत करना और पाकिस्तान के दावों को स्वीकार करने का संकेत देना दो अलग-अलग बातें हैं।

जुलाई 2017 में कश्मीर विवाद के समाधान के लिए अमेरिका और चीन जैसे देशों की भूमिका पर चर्चा करने संबंधी उनके बयान ने भी राजनीतिक बहस को जन्म दिया था। भारत का आधिकारिक रुख रहा है कि जम्मू-कश्मीर से जुड़े मुद्दे भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय बातचीत से सुलझाए जाने चाहिए। ऐसे में तीसरे देशों की मध्यस्थता का सुझाव भारतीय कूटनीतिक नीति से अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। किसी भी लोकतंत्र में सरकार की विदेश नीति की आलोचना करना गलत नहीं है, लेकिन राष्ट्रीय संप्रभुता से जुड़े विषयों पर बयान देते समय तथ्यों और संवैधानिक स्थिति का ध्यान रखना आवश्यक है।

अप्रैल 2017 में कश्मीर में पत्थरबाजी करने वाले युवाओं को लेकर फारूक अब्दुल्ला के बयान भी विवाद का विषय बने थे। उन्होंने युवाओं की नाराजगी और उनकी शिकायतों को समझने की जरूरत पर जोर दिया था। निश्चित रूप से युवाओं की समस्याओं को सुनना और उनके भविष्य के लिए अवसर उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। बेरोजगारी, शिक्षा और राजनीतिक भागीदारी जैसे मुद्दों पर गंभीरता से काम होना चाहिए। लेकिन युवाओं की समस्याओं को समझने और हिंसक गतिविधियों को उचित ठहराने के बीच अंतर बनाए रखना भी जरूरी है। राजनीतिक नेतृत्व का दायित्व युवाओं को हिंसा से दूर करके लोकतांत्रिक रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है।

फारूक अब्दुल्ला ने हालिया बयान में कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने कभी भारतीय होने से इनकार नहीं किया और उनका भारत से जुड़ाव महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू तथा मौलाना आजाद के भारत से रहा है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि सत्ता के लिए हिंदू-मुसलमान को आमने-सामने किया गया। सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखना देश के प्रत्येक राजनीतिक दल की जिम्मेदारी है। लेकिन किसी भी नेता को धार्मिक आधार पर राजनीति के आरोप लगाने से पहले अपने राजनीतिक कार्यकाल और अपनी पार्टी की भूमिका पर भी आत्ममंथन करना चाहिए। कश्मीर की पहचान किसी एक धर्म, दल या नेता तक सीमित नहीं है। इसमें कश्मीरी पंडितों का विस्थापन, आतंकवाद से प्रभावित परिवारों की पीड़ा, सीमावर्ती नागरिकों की कठिनाइयां और सभी समुदायों की आकांक्षाएं शामिल हैं।

फारूक अब्दुल्ला के बयानों की आलोचना करते समय उनके राजनीतिक विचारों और उनके समुदाय के प्रति भावनाओं को एक ही नजरिये से देखना भी उचित नहीं होगा। किसी नेता की मंशा पर व्यक्तिगत टिप्पणी करने के बजाय उसके सार्वजनिक बयानों, नीतियों और उनके प्रभावों का तथ्यात्मक विश्लेषण होना चाहिए। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार सभी को है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषयों पर जिम्मेदार भाषा का प्रयोग भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जम्मू-कश्मीर की समस्याओं का समाधान केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से नहीं निकलेगा। केंद्र सरकार को नागरिकों की शिकायतों का निष्पक्ष समाधान करना चाहिए, रोजगार के अवसर बढ़ाने चाहिए और विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना चाहिए। प्रदेश के राजनीतिक नेतृत्व को भी जनता के प्रति अपनी जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, खेल और उद्यमिता से जोड़ना चाहिए, ताकि वे हिंसा तथा कट्टरता के प्रभाव से दूर रह सकें। आतंकवाद और सीमा पार से होने वाली हिंसा के खिलाफ कठोर कार्रवाई के साथ निर्दोष नागरिकों के अधिकारों की रक्षा भी सुनिश्चित होनी चाहिए।

फारूक अब्दुल्ला जैसे अनुभवी नेता से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने शब्दों के दूरगामी प्रभाव पर विचार करें। यदि उन्हें केंद्र सरकार की नीतियों से शिकायत है तो वे प्रमाणों और तथ्यों के साथ अपनी बात रखें। पाकिस्तान की भूमिका पर चर्चा करते समय उसके दावों के साथ उसके व्यवहार और कश्मीर के लोगों पर पड़े प्रभावों का भी निष्पक्ष आकलन होना चाहिए। पाकिस्तान कश्मीर का मुद्दा उठाता है, इसलिए कश्मीर के लोग बचे हुए हैं।इस दावे का औचित्य स्पष्ट करना उनकी जिम्मेदारी है।

भारत की एकता, संप्रभुता और जम्मू-कश्मीर के नागरिकों के अधिकार एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। कश्मीर का भविष्य किसी दूसरे देश की बयानबाजी से नहीं, बल्कि शांति, विकास, लोकतांत्रिक भागीदारी और जनता के विश्वास से मजबूत होगा। राजनीतिक नेतृत्व को ऐसी भाषा अपनानी चाहिए जो समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करे, न कि विवादों को और गहरा बनाए। कश्मीर को पाकिस्तान की पैरवी के सहारे देखने के बजाय भारतीय लोकतंत्र की मजबूती, नागरिकों के सम्मान और विकास के आधार पर आगे बढ़ाना ही स्थायी शांति का रास्ता है।

स्तरहीनता एवं विरोध की भाषा में उलझती कांग्रेस

लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष एक-दूसरे के विरोधी अवश्य होते हैं, लेकिन उनकी भाषा शत्रुता की नहीं, वैचारिक प्रतिस्पर्धा की होनी चाहिए। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र की शक्ति हैं, पर जब ये मतभेद व्यक्तिगत कटाक्ष, पारिवारिक टिप्पणियों और अपमानजनक शब्दों में बदलने लगते हैं, तब राजनीति का स्तर गिरता है और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा प्रभावित होती है। भारतीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति कांग्रेस के अनेक नेताओं की आक्रामक टिप्पणियों और अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पटना में दिए गए विवादास्पद बयान ने एक बार फिर भाषाई मर्यादा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। 25 अक्टूबर 2026 को पटना में बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में खड़गे की एक टिप्पणी राजनीतिक विवाद का कारण बन गई। कार्यक्रम में उपस्थित एक व्यक्ति की टिप्पणी के जवाब में उन्होंने कहा, मोदी का बाप भी जाएगा। इस बयान की भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने तीखी आलोचना की। दूसरी ओर, कांग्रेस ने इस टिप्पणी को वैचारिक संदर्भ में समझाने का प्रयास किया। समाचारों के अनुसार संबंधित व्यक्ति ने भी बाद में कहा कि उसकी पूरी बात नहीं सुनी गई थी। इस घटनाक्रम के विभिन्न पक्ष अपनी-अपनी व्याख्या प्रस्तुत कर रहे हैं, लेकिन विवाद से अलग एक बुनियादी प्रश्न अपनी जगह कायम है-क्या देश के सर्वोच्च राजनीतिक पद पर आसीन व्यक्ति के प्रति विरोध जताने का यही तरीका होना चाहिए? खड़गे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और लंबे राजनीतिक अनुभव के साथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ऐसे व्यक्ति से सार्वजनिक मंच पर अधिक संयम और विवेक की अपेक्षा स्वाभाविक है। राजनीतिक सभा में कोई प्रतिकूल टिप्पणी हो जाए, तो उसका उत्तर तर्क, तथ्य और आत्मविश्वास से दिया जा सकता है। लेकिन जब जवाब व्यक्तिगत संबंधों और परिवार तक पहुंच जाए, तब मुद्दे की गंभीरता पीछे छूट जाती है और शब्दों का विवाद मुख्य समाचार बन जाता है। राजनीति में शब्द केवल वक्ता की तत्काल प्रतिक्रिया नहीं होते, वे उसकी सार्वजनिक जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक संस्कारों की भी परीक्षा लेते हैं। कांग्रेस की राजनीति में नरेंद्र मोदी को लेकर तीखे और विवादास्पद वक्तव्यों का इतिहास भी इस बहस को व्यापक संदर्भ देता है। वर्ष 2007 में सोनिया गांधी ने गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान मोदी के लिए 'मौत का सौदागर' शब्द का प्रयोग किया था। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में मणिशंकर अय्यर की 'चायवाला' संबंधी टिप्पणी ने भी बड़ा राजनीतिक विवाद पैदा किया। बाद के वर्षों में राहुल गांधी के 'चौकीदार चोर है' नारे ने राजनीतिक बहस को व्यक्तिगत आरोपों की दिशा में मोड़ा। इन बयानों के पीछे अपने-अपने राजनीतिक संदर्भ और वक्ताओं की दलीलें रही हैं, लेकिन इनका सार्वजनिक प्रभाव इस प्रश्न को सामने लाता है कि क्या किसी नेता की आलोचना उसके कामकाज तक सीमित रखी जा सकती है, अथवा उसे व्यक्तिगत उपहास का विषय बनाना आवश्यक समझा जाने लगा है? प्रियंका गांधी सहित कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी मोदी और उनकी सरकार के विरुद्ध कई अवसरों पर तीखे राजनीतिक हमले किए हैं। यह ध्यान रखना जरूरी है कि तीखी आलोचना अपने आप में अमर्यादित नहीं होती। सरकार की नीतियों, बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक सद्भाव, लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक निर्णयों पर कठोर सवाल उठाना विपक्ष का संवैधानिक दायित्व है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब नीतिगत असहमति को व्यक्तिगत अपमान से जोड़ दिया जाता है और तर्क के स्थान पर कटाक्ष को राजनीतिक प्रभाव का माध्यम बनाया जाने लगता है। किसी नेता के प्रत्येक बयान को एक ही श्रेणी में रखना उचित नहीं, लेकिन बार-बार होने वाले विवादों से राजनीतिक भाषा के स्तर पर विचार करने की आवश्यकता अवश्य पैदा होती है। यहां कांग्रेस के

सामने एक बड़ी चुनौती है। विपक्ष के रूप में उसकी सार्थकता इस बात से तय होगी कि वह जनता के जीवन से जुड़े प्रश्नों पर कितना प्रभावी विमर्श खड़ा करती है। किसानों की समस्याएं, युवाओं के रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक असमानता और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर ठोस विकल्प प्रस्तुत करना उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। यदि सार्वजनिक चर्चा बार-बार प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत टिप्पणियों तक सिमट जाती है, तो नीतिगत बहस पीछे छूटने का खतरा रहता है। इससे विपक्ष की आलोचना का वास्तविक आधार भी कमजोर पड़ सकता है। राजनीतिक विमर्श में मुद्दों की जगह व्यक्तियों को केंद्र में रख देने से लोकतंत्र को अपेक्षित लाभ नहीं मिलता। दूसरी ओर नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व और उनकी वैश्विक सक्रियता भारतीय राजनीति के महत्वपूर्ण पहलू हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उनकी विदेश यात्राएं, विभिन्न देशों के नेतृत्व के साथ संवाद, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की भागीदारी और आर्थिक एवं रणनीतिक साझेदारियों को आगे बढ़ाने के प्रयास देश की वैश्विक भूमिका से जुड़े हैं। उनके समर्थक इन गतिविधियों को भारत की प्रतिष्ठा और प्रभाव में वृद्धि के रूप में देखते हैं। साथ ही, किसी भी प्रधानमंत्री के कार्यकाल का निष्पक्ष आकलन केवल अंतरराष्ट्रीय छवि से नहीं, बल्कि घरेलू नीतियों, आर्थिक परिणामों, सामाजिक समावेशन और शासन के रिकॉर्ड से भी किया जाना चाहिए। लोकतंत्र की सुंदरता इसी में है कि नेतृत्व की उपलब्धियों का सम्मान हो और उसके निर्णयों की आलोचनात्मक समीक्षा भी संभव बनी रहे। यह भी विचारणीय है कि किसी नेता के विरुद्ध जितनी अधिक व्यक्तिगत और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल होता है, उतना ही उसके समर्थकों में प्रतिक्रिया की भावना पैदा हो सकती है। नरेंद्र मोदी के संदर्भ में कांग्रेस की आलोचना का राजनीतिक असर हमेशा एक जैसा रहा हो, ऐसा निष्कर्ष निकालना तथ्यों से परे होगा। चुनावी परिणाम अनेक कारणों से प्रभावित होते हैं-नेतृत्व, संगठन, स्थानीय मुद्दे, उम्मीदवार, गठबंधन और मतदाताओं की अपेक्षाएं। फिर भी, यह एक महत्वपूर्ण राजनीतिक जोखिम है कि यदि विपक्ष अपनी आलोचना को प्रमाण और नीतिगत विकल्पों के बजाय व्यक्तिगत टिप्पणियों पर आधारित करता है, तो वह अपनी बात जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का अवसर खो सकता है।

इसके विपरीत भाजपा को भी केवल विरोधियों के विवादास्पद बयानों पर प्रतिक्रिया देने के बजाय अपने कामकाज और नीतियों के आधार पर जनता के सामने जवाबदेह रहना चाहिए। राजनीति की भाषा समाज के व्यवहार को प्रभावित करती है। जब शीर्ष नेता सार्वजनिक मंचों पर संयम खोते हैं, तब उनके समर्थकों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच भी कटुता बढ़ने की आशंका रहती है। सोशल मीडिया इस प्रवृत्ति को और तेज कर देता है, जहां किसी बयान का छोटा-सा अंश पूरे विमर्श पर हावी हो सकता है। इसलिए नेताओं को बोलने से पहले शब्दों के सामाजिक प्रभाव और पद की गरिमा पर विचार करना चाहिए। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को अपमानित करना और उसके तर्क को पराजित करना दो अलग बातें हैं, लोकतंत्र में दूसरी बात अधिक महत्वपूर्ण है। अंतत: कांग्रेस हो या भाजपा, किसी भी दल की वास्तविक राजनीतिक शक्ति उसकी भाषा की आक्रामकता से नहीं, बल्कि उसके विचारों, नीतियों, जनसेवा और जनता के विश्वास से निर्धारित होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन आलोचना तथ्यों और तर्कों पर आधारित होनी चाहिए। इसी प्रकार कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे हों या सत्तापक्ष के अन्य नेता सभी से अपेक्षा है कि वे असहमति को अपमान में न बदलें। राजनीति में शब्दों की मर्यादा कोई औपचारिक शिष्टाचार नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है। सत्ता बदलेगी, नेता बदलेंगे और दलों की स्थितियां बदलेंगी, लेकिन सार्वजनिक जीवन में बोले गए शब्द लंबे समय तक समाज की स्मृति में रहते हैं। इसलिए राजनीति को कटुता की नहीं, संवाद की भाषा चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र में विचारों की विजय होनी चाहिए, व्यक्तिगत अपमान की नहीं।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। संयंत्रों की लेवाली से मंगलवार को तिलहनों में सोयाबीन बाजार चमक गये। सरसों व रायड़ा बना रहा। खाद्य तेलों में मजबूती रही। दलहनों में लेवाली निकलने से चना उछाल पर बना रहा। उड़द व मूंग में मजबूती आयी। किराना जिंसों में नारियल टिका रहा। शक्कर में लेवाली रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार सोयाबीन में लेवाली से भावों में जोरदार तेजी रही। सोयाबीन बाजार 7000-7200 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। खाद्य तेलों में बाजार सुर्ख पर रहे। दलहनों में चने में पूछपरख आने से उछाल रहा। उड़द व मूंग में बाजार सुर्ख रहे। उधर, किराना जिंसों में नारियल बाजार मजबूती पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 5380-5450, खोपरा गोला 380-425, खोपरा बूरा 3250-5850 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 225-250, सांगली 315-325, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, बाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3000-3300, मीडियम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 480-520, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1100-1200, सिंगापुरी 980-1050, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 750-890, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3400, (200) 3700, (250) 4500,

तेल- सींगदाना 1830-1850, मुम्बई 1840, राजकोट तेलिया 2850, सोया साल्वेंट 1370-1375, सोया रिफाइंड 1430-1435, कपास्या 1490, धूलिया 1495, कड़ी 1500,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1775-1800, मुम्बई पाम 1410, मुम्बई सोया 1480,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2490, देवास-उज्जैन 2490, खंडवा-बुरहानपुर 2475, अकोला 3350 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 9100, रायडा 8000-8200, सोयाबीन 7000-7200, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 7650-7700, विशाल 7500-7600, काबूली चना डॉलर 7200-8500, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट 8100-8300, मूंग पुराना बोल्ड 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 9100-9200, एवरेज 8900-9000, हल्की 8500-8600, महाराष्ट्र सफेद 9800-10000, महाराष्ट्र लाल 10000-10100, उड़द बेस्ट 9600-9800, उड़द गर्मी 9200-9600, ग्रेविटी क्लीन 10100-10200, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 290 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 195500, चाँदी (99) 195200, टंच 194600, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 143600,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 16 पैसे की बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं शुरुआती कारोबार में सात पैसे टूटकर 95.22 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, भू-राजनीतिक अनिश्चितता तथा अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले से पहले डॉलर के मजबूत होने के कारण घरेलू मुद्रा में उतार-चढ़ाव रहा। भारतीय मुद्रा में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप से कुछ सुधार दिखा, लेकिन घरेलू शेयर बाजार में कमजोर धारणा के बीच विदेशी पूंजी की निकासी के दबाव को वह झेल नहीं सकी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.17 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद नुकसान कम करते हुए 95.11 प्रति डॉलर तक पहुंचा। हालांकि, जल्द ही फिर टूटकर 95.22 प्रति डॉलर पर कारोबार करने लगा जो पिछले बंद भाव से सात पैसे कम है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 8.08 अंकों की गिरावट के साथ 73,598.67 अंकों पर बंद हुआ। जबकि 50 शेयरों पर आधारित एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स 3.45 अंक नीचे आकर 22,749.75 अंकों पर बंद हुआ। आज भारती एयरटेल, ट्रेंट, मारुति सुजुकी, पावर ग्रिड के शेयर जोरदार तेजी के साथ बंद हुए। जबकि, एसबीआई, एक्सिस बैंक, टीसीएस के शेयरों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। आज निफ्टी की 50 में से 25-25 कंपनियों के शेयर लाभ में जबकि इतने ही गिरावट पर बंद हुए। आज सेंसेक्स की 30 में से 17 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए जबकि शेष 12 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ नीचे आये हैं। में बंद

हुए और 1 कंपनी का शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 50 में से 25 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की सभी 25 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल के शेयर आज सबसे ज्यादा बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि एसबीआई का शेयर आज सबसे ज्यादा गिरावट के साथ बंद हुआ। इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर लगातार दूसरे दिन बिना किसी बदलाव के बंद हुए। सेंसेक्स की अन्य कंपनियों की बात करें तो आज अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, मारुति सुजुकी, पावर ग्रिड, एटरनल, बीईएल, टाटा स्टील, एनटीपीसी आदि शेयरा के शेयर बढ़त लेकर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर एक्सिस बैंक, टीसीएस, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार हल्की बढ़त पर शुरु हुआ। बाजार के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार सेंसेक्स 73400 और निफ्टी 22750 के ऊपर कारोबार कर रहे थे।

कमजोर मानसून का असर-रबी फसलों की बुवाई धीमी, गेहूं रकबा घटा

नई दिल्ली। एजेंसी। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार कमजोर दक्षिण-पश्चिम मानसून के कारण इस साल रबी फसलों की बुवाई धीमी गति से चल रही है। 23 अक्टूबर तक गेहूं का रकबा पिछले साल के मुकाबले 50 फीसदी से अधिक घटकर मात्र 11,000 हेक्टेयर रह गया है, जबकि पिछले वर्ष यह 27,000 हेक्टेयर था। इस स्थिति ने आगामी फसल उत्पादन पर चिंता बढ़ा दी है। प्रमुख रबी फसल गेहूं की बुवाई आम तौर पर अक्टूबर-नवंबर में होती है, लेकिन जून-सितंबर के दौरान 13 फीसदी कम मानसून वर्षा ने मिट्टी की नमी और जलाशयों के जलस्तर को बुरी तरह प्रभावित किया है। सिंचाई की आवश्यकता वाली इस फसल के लिए पानी की कमी से बुवाई में देरी, रकबे में कमी और अंततः पैदावार पर असर पड़ने की आशंका है। मंत्रालय ने 2026-27 के लिए 12.1 करोड़ टन गेहूं उत्पादन का लक्ष्य रखा है, जो पिछले साल के रिकॉर्ड उत्पादन से थोड़ा अधिक है। पंजाब और राजस्थान, जो देश के कुल गेहूं रकबे का लगभग 31 फीसदी हिस्सा हैं, क्रमशः 38 फीसदी और 22 फीसदी कम बारिश का सामना कर रहे हैं। इन क्षेत्रों में सिंचाई की कमी राष्ट्रीय स्तर पर गेहूं बुवाई को प्रभावित कर सकती है। इसके अतिरिक्त, वर्षा आधारित क्षेत्रों जैसे राजस्थान, मध्य प्रदेश और बुंदेलखंड में भी जोखिम बढ़ गया है। अन्य रबी फसलों में, धान, दलहन और तिलहन का रकबा भी पिछले साल की तुलना में कम दर्ज किया गया है, जबकि मोटे अनाज की बुवाई में मामूली वृद्धि हुई है। कुल रबी बुवाई 18.02 लाख हेक्टेयर रही, जो पिछले वर्ष के 28.26 लाख हेक्टेयर से काफी कम है।

जीएसटी नियमों में बदलाव की तैयारी, छोटे कारोबारियों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्र सरकार माल और सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली को सरल बनाने और कारोबारियों का बोझ कम करने के लिए बड़े सुधारों की तैयारी कर रही है। ये बदलाव चरणबद्ध तरीके से लागू होंगे, जिनका उद्देश्य टैक्स रिफंड में तेजी लाना, अनुपालन को आसान बनाना और पूरी कर प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाना है। विशेष रूप से छोटे व्यापारियों को इन सुधारों से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के एक सदस्य के अनुसार जिन सुधारों के लिए कानून में बदलाव की आवश्यकता नहीं है, उन्हें 1 नवंबर से चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। वहीं कानूनी संशोधनों वाले बदलावों के लिए 1 अप्रैल 2027 का लक्ष्य रखा गया है। 5 करोड़ रुपये से कम टर्नओवर वाले बी2सी (बिजनेस-टू-कंज्यूमर) आपूर्तिकर्ताओं के लिए अब साल में एक बार रिटर्न दाखिल करने और हर तीन महीने में टैक्स का भुगतान करने की नई व्यवस्था को मंजूरी मिली है। 5 करोड़ रुपये तक के टर्नओवर वाले छोटे कारोबारियों पर, जो देय तिथि वाले महीने में रिटर्न दाखिल करते हैं, देरी के बावजूद लेट फीस नहीं लगेगी। पात्र मामलों में रिफंड की स्वचालित मंजूरी की व्यवस्था लागू होगी, जिससे भविष्य के दावों में लगने वाला समय कम होगा। हालांकि, यह व्यवस्था लंबित पुराने मामलों पर लागू नहीं होगी। 1 अप्रैल 2027 से लागू होने वाले कानूनी संशोधनों में गिरफ्तारी से जुड़े कुछ प्रावधानों को हटाना, अभियोजन की सीमा को तर्कसंगत बनाना और ई-वे बिल के नियमों में बदलाव शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, कारण बताओ नोटिस जारी करने के लिए 10,000 रुपये की न्यूनतम सीमा प्रस्तावित है, जिससे छोटे मामलों में अनावश्यक कानूनी कार्रवाई से बचा जा सकेगा। सरकार फर्जी बिलों और गलत इनपुट टैक्स क्रेडिट के दावों को रोकने के लिए तकनीक आधारित जांच को भी मजबूत कर रही है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि 8 अक्टूबर 2026 को हुई 57वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक में टैक्स दरों में बदलाव पर चर्चा नहीं हुई। बैठक का मुख्य फोकस अनुपालन को आसान बनाना, आईटीसी से जुड़ी समस्याओं को कम करना।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन दूसरों की मदद करने, रिश्तों में सद्भाव बनाए रखने और सम्मान पाने का अवसर लेकर आया है। किसी जरूरतमंद के काम आकर आपको मन की शांति मिलेगी और लोगों के बीच आपकी अच्छी छवि भी बनेगी। मन में कुछ नया और बड़ा करने की इच्छा जागेगी, वहीं लंबे समय से अधूरे पड़े कामों को पूरा करने का मौका भी मिलेगा।

वृषभ- आज भाग्य आपका साथ दे सकता है और अचानक कोई अच्छी खबर आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है। यदि किसी करीबी के साथ मनमुटाव चल रहा है, तो बातचीत की पहल करने से रिश्तों में फिर से मिठास लौट सकती है। आपका चंचल और मनमौजी अंदाज दिन को खुशनुमा बनाएगा, लेकिन जरूरी फैसलों में गंभीरता बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक होगा।

मिथुन- आज का दिन भले ही सामान्य नजर आए, लेकिन सही फैसले लेने पर यह भविष्य के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। व्यापार करने वालों की मुलाकात किसी प्रभावशाली व्यक्ति से हो सकती है, जिससे आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे। हालांकि, आर्थिक मामलों में लापरवाही न करें।

कर्क- आज आपके सामने ऐसे अवसर आ सकते हैं, जो कामकाज में नई उपलब्धियों का रास्ता खोलेंगे। लंबे समय से अटकी हुई कोई व्यापारिक डील पूरी होने की संभावना है, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आगे की योजनाओं को गति मिलेगी। रचनात्मक कार्यों और डिजाइनिंग से जुड़े लोगों को कोई अच्छा अवसर मिल सकता है। व्यापार को नए तरीके से आगे बढ़ाने की आपकी कोशिशें भी सफल होती दिखाई दे रही हैं।

सिंह- आज आपकी नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास लोगों को प्रभावित करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी पहचान मजबूत हो सकती है और मेहनत के लिए सम्मान या प्रशंसा मिलने के संकेत हैं। संतान को करियर या नौकरी के सिलसिले में दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है, इसलिए उसके भविष्य से जुड़ी योजनाओं पर चर्चा हो सकती है। भाई-बहनों का सहयोग आपको भावनात्मक मजबूती देगा।

कन्या- आज कामकाज की व्यस्तता बनी रह सकती है, लेकिन सही योजना के साथ आगे बढ़ेंगे तो मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। छोटी-छोटी बातों में उलझने के बजाय अपने बड़े लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें। इससे समय और ऊर्जा दोनों का बेहतर उपयोग होगा। सेहत को लेकर लापरवाही न करें और अपनी दिनचर्या को संतुलित बनाए रखें। प्रेम जीवन में मधुरता बढ़ने की संभावना है। जो लोग सिंगल हैं, उनकी मुलाकात किसी खास व्यक्ति से हो सकती है।

तुला- आज दिन की शुरुआत थोड़ी धीमी हो सकती है, लेकिन धीरे-धीरे परिस्थितियां आपके अनुकूल होती नजर आएंगी। परिवार में चल रही किसी उलझन को बातचीत और आपसी समझ से सुलझाया जा सकता है। आपकी वाणी आज महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, इसलिए अपनी बात सोच-समझकर रखें। सही शब्द रिश्तों में मिठास बढ़ा सकते हैं और गलतफहमी को दूर करने में मदद कर सकते हैं।

वृश्चिक- आज आपको धैर्य और संयम के साथ परिस्थितियों का सामना करना होगा। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से बचें, क्योंकि शांत रहकर लिया गया फैसला अधिक लाभदायक साबित होगा। किसी जरूरतमंद की सहायता करने का अवसर मिलेगा, जिससे मन को संतुष्टि मिलेगी। यात्रा के दौरान कोई ऐसी महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो आने वाले समय में आपके काम आए।

धनु- आज आपके भीतर कुछ नया सीखने और जीवन में बड़ा बदलाव लाने की प्रेरणा जाग सकती है। लंबी दूरी की यात्रा की योजना बन सकती है, जो आपको नए अनुभव और नए लोगों से जुड़ने का अवसर देगी। कार्यक्षेत्र में अपनी क्षमताओं को निखारने और आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं।

मकर- आज आर्थिक मामलों में सावधानी और योजनाबद्ध तरीके से चलना आपके लिए बेहद जरूरी होगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें और किसी भी बड़े फैसले को जल्दबाजी में लेने से बचें। माता-पिता का आशीर्वाद किसी लंबे समय से रुके हुए काम को पूरा कराने में मदद कर सकता है। हालांकि, कुछ लोग आपके काम में बाधा डालने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए अपनी योजनाओं को हर किसी के सामने जाहिर न करें।

कुंभ- आज आपके मन में कुछ ऐसे नए और रचनात्मक विचार आ सकते हैं, जो भविष्य में सफलता की नींव बनेंगे। नौकरी हो या व्यापार, आपकी अलग सोच आपको दूसरों के बीच खास पहचान दिला सकती है। कार्यक्षेत्र में अपने विचारों को सही तरीके से प्रस्तुत करें, क्योंकि आपके सुझावों की सराहना हो सकती है। प्रमोशन या नई जिम्मेदारी को लेकर भी सकारात्मक चर्चा होने की संभावना है।

मीन- आज नौकरी और करियर से जुड़े मामलों में नई उम्मीदें जाग सकती हैं। रोजगार की तलाश कर रहे लोगों को कोई अच्छा अवसर मिलने की संभावना है, जिससे भविष्य को लेकर उत्साह बढ़ेगा। लंबे समय से अटके कामों में भी धीरे-धीरे प्रगति दिखाई दे सकती है। कार्यक्षेत्र में दूसरों के साथ तालमेल बनाकर चलेंगे तो टीमवर्क के जरिए बड़े लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी। हालांकि, कुछ लोग आपकी राह में रुकावट डालने की कोशिश कर सकते हैं।

शब्दजाल- 8433

शब्दजाल में मनोज बाजपेयी की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

अ	श	मु	फ	रे	ब	हो	प	न	र	त
क्स	क्रि	पिं	ना	द	म	जा	जा	गो	घा	छ
न	के	ज	हे	लि	इं	ना	न	व	टि	दि
बी	ट	र	न	क्षा	ब	त	क	ले	ज	ल
च	दा	त	प	ने	तो	हे	का	शो	ब	प
ब	त	त	स	ज	स	ए	व	म	वॅ	र
द	प	शू	न	त्या	व	ह	अ	शो	प्ला	म
क	र	क	ल	र	ह	भा	र	चो	आ	त
र	व	त	म	ए	भी	क	क	अ	न	ले
जू	वे	दा	त	र	क	ता	ण	र	ह	या
मुं	ब	र्ल	न	आ	प	म	क	पु	स्त	र

अक्स, फरेब, इंतकाम, पिंजर, सत्या, शूल, जुबेदा, दिल पर मत ले यार, घात, ज़ागो

शब्दजाल - 8432 का हल

फिल्म वर्ग पहेली - 7367

बायें से दायें:-

१. सलमान, अयशा की 'बैठा नीली झील किनारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
६. गोविंदा, रीना, रम्भा की 'तूने मुझे बुलाया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जब भी ये दिल उदास' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. 'आज नाचूं ऐसे' गीत वाली आशा पारेख, सुनील दत्त की फिल्म-२
९. फिल्म 'कसक' की नायिका कौन थी-३
१२. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, परवीन की 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
१८. हिंदी फिल्मों का पहला 'ही-मैन' किसे कहा जाता है-४
२०. 'हुस्न सलाम' में नायिका कौन-२
२१. फिल्म 'अंश' में नायिका कौन थी-२
२२. अजय देवगन, ट्विंकल की 'मेरे सोने में तेरा' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'दर्दे दिल दर्दे जिगर' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'चाइना टाउन' के संगीतकार कौन-२
२६. 'कभी खुशी कभी गम' में अमिताभ की पत्नी की भूमिका किसने की है-२
२७. 'फूल और काँटे' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२८. 'नी मैं यार मनाना नी' गीत वाली राकेश, राखी, शर्मिला की फिल्म-२
३०. राजकुमार, राजेश, माला की 'गुस्सा इतना हसीन' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'मोरे मोहल्ले में इश्क' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'मनोरंजन' में शम्मी व संजीव कुमार के साथ नायिका कौन थी-३
३४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. फिरोज खान, जीनत की 'हम तुम्हें चाहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कभी-कभी' में ऋषि की नायिका -३
४. 'बंदिश' में जैकी की नायिका-२
५. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ऐसे मिली निगाहें' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१०. 'मोहे छेड़ो ना' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हर्षा, सोनाली की फिल्म-३
१३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'मय से मीना से न' गीतवाली फिल्म-४
१५. 'कसम से तेरी आँखें' गीतवाली फिल्म-४
१६. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१८. अमिताभ, विनोद, सायरा को 'तुम भी चलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'फूल माँगू ना बहार' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
२३. 'उधर से जो तुमको मिले फुरसत' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'देखो देखो जी, ये है मेरी' गीत वाली गोविंदा, सोना की फिल्म-३
२७. रंजन, चित्रा, जयश्री की 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तदबीर से बिगड़ी हुई' गीतवाली फिल्म-२
३१. गोविंदा, जूही की 'आ जाना बस' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'माई हम इश बोलिंग' गीतवाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7366

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

28 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2026 वर्ष का 301 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु शरद।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) पक्ष कृष्ण
तिथि तृतीया 01.07 बजे रात्र को समाप्त। नक्षत्र कृत्तिका 13.26 बजे को समाप्त। योग व्यतीपात 07.19 बजे तदनन्तर वरीयान 03.41 बजे रात्र को समाप्त। करण वणिज 14.37 बजे तदनन्तर विष्टि 01.07 बजे रात्र को समाप्त। चन्द्रायु 17.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 13° 03'
सूर्य दक्षिणायन कलि अहर्गण 1872876
जूलियन दिन 2461341.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल तारीख 16
विशेष अद्भुत नहीं।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.35 ब.से
चंद्र	वृष में	धनु	09.51 बजे से
मंगल	कर्क में	मकर	11.56 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	13.43 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	15.16 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	16.46 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.26 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.24 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.38 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		सिंह	02.54 बजे से
		कन्या	03.06 बजे से
		तुला	05.17 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	06.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभाव श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः महानता के लक्षण

एक बालक नित्य विद्यालय पढ़ने जाता था। घर में उसकी माता थी। माँ अपने बेटे पर प्राण न्यौछावर किए रहती थी, उसकी हर माँग पूरी करने में आनंद का अनुभव करती। पुत्र भी पढ़ने-लिखने में बड़ा तेज और परिश्रमी था। खेल के समय खेलता, लेकिन पढ़ने के समय का ध्यान रखता। एक दिन दरवाजे पर किसी ने - 'माई! ओ माई!' पुकारते हुए आवाज लगाई तो बालक हाथ में पुस्तक पकड़े हुए द्वार पर गया, देखा कि एक फटेहाल बुढ़िया काँपते हाथ फैलाए खड़ी थी। उसने कहा, 'बेटा! कुछ भीख दे दे।' बुढ़िया के मुँह से बेटा सुनकर वह भावुक हो गया और माँ से आकर कहने लगा, 'माँ! एक बेचारी गरीब माँ मुझे बेटा कहकर कुछ माँग रही है।' उस समय घर में कुछ खाने की चीज थी नहीं, इसलिए माँ ने कहा, 'बेटा! रोटी-भात तो कुछ बचा नहीं है, चाहे तो चावल दे दो।' पर बालक ने हठ करते हुए कहा - 'माँ! चावल से क्या होगा? तुम जो अपने हाथ में सोने का कंगन पहने हो, वही दे दो न उस बेचारी को। मैं जब बड़ा होकर कमाऊँगा तो तुम्हें दो कंगन बनवा दूँगा।' माँ ने बालक का मन रखने के लिए सच में ही सोने का अपना वह कंगन कलाई से उतारा और कहा, 'लो, दे दो।' बालक खुशी-खुशी वह कंगन उस भिखारिन को दे आया। भिखारिन को तो मानो एक खजाना ही मिल गया। कंगन बेचकर उसने परिवार के बच्चों के लिए अनाज, कपड़े आदि जुटा लिए। उसका पति अंधा था। उधर वह बालक पढ़-लिखकर बड़ा विद्वान हुआ, काफी नाम कमाया। एक दिन वह माँ से बोला, 'माँ! तुम अपने हाथ का नाप दे दो, मैं कंगन बनवा दूँ।' उसे बचपन का अपना वचन याद था। पर माता ने कहा, 'उसकी चिंता छोड़। मैं इतनी बूढ़ी हो गई हूँ कि अब मुझे कंगन शोभा नहीं देंगे। हाँ, कलकत्ते के तमाम गरीब बालक विद्यालय और चिकित्सा के लिए मारे-मारे फिरते हैं, उनके लिए तू एक विद्यालय और एक चिकित्सालय खुलवा दे जहाँ निशुल्क पढ़ाई और चिकित्सा की व्यवस्था हो।' माँ के उस पुत्र का नाम ईश्वरचंद्र विद्यासागर।

सूडोकू नवताल- 7676

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7675 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 8891

बाएँ से दाएँ

1. सिंह, शेर-3
6. कृषि पैदावार-3
7. कमल सरोवर-5
8. बारीक-3
10. जरा, थोड़ा-2
12. बाराणसी-4
15. टूटना, तड़कना-4
17. शराब, मदिरा-2
19. बुद्धि, मति-3
21. सेवा,, चाकरी, देखभाल-5
23. कर्म, भाग्य-3
24. यज्ञ, होम-3

ऊपर से नीचे

2. आक्रमणकारी-5
3. समा, माहौल-3
4. आर्द्रता, नमी-3
5. चट्टान (अंग्रेजी-2)
6. अंतर, फर्क-3
9. षष्ठीपूर्ति, 60 वर्ष पूरे होना-3
11. नशा, खुमार-2
13. नरम, मुलायम-3
14. एक जैसा, समान-2
16. सार-संभाल-2,3
18. अनाथ, बेसहारा-3
19. खालिस, शुद्ध-3
20. फालिज, पक्षाघात-3
22. क्रोध, खीज, गुस्सा-2

शब्द पहेली -8890 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

15 दिन से खराब पड़ा ट्रांसफार्मर 100 एकड़ खेतों की सिंचाई प्रभावित

देवलगांव के किसानों ने की 25 केवी की जगह 63 केवी का ट्रांसफार्मर लगाने की मांग

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम पंचायत देवलगांव में करीब 100 एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई से जुड़ा 25 केवी क्षमता का विद्युत ट्रांसफार्मर पिछले 15 दिनों से खराब पड़ा है। ठानेन्द्र ठाकरे के खेत के सामने लगे इस ट्रांसफार्मर के बंद होने से किसानों के विद्युत पंप नहीं चल पा रहे हैं और खेतों की सिंचाई प्रभावित हो रही है। बाघ नहर से पर्याप्त पानी नहीं मिलने के कारण क्षेत्र के किसान पहले ही विद्युत पंपों के भरोसे खेती करते हैं। ऐसे में ट्रांसफार्मर खराब होने से खेतों में खड़ी फसलों को समय पर पानी देने की चिंता किसानों को सता रही है। ग्रामीणों ने कारंजा विद्युत विभाग के कनिष्ठ अभियंता और विधायक राजकुमार करहि से मिलकर समस्या से अवगत कराते हुए 25 केवी के स्थान पर 63 केवी क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है।

नहर के अंतिम छोर की समस्या, विद्युत पंपों के भरोसे किसानों की खेती

किसानों के अनुसार देवलगांव में सिंचाई की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। बाघ नहर से होने वाली सिंचाई व्यवस्था में ग्राम सिंगोला का क्षेत्र अंतिम छोर पर होने के कारण देवलगांव के किसानों को आवश्यकता के अनुरूप नहर का पानी नहीं मिल पाता। ऐसे में किसानों को अपनी कृषि भूमि की सिंचाई के लिए विद्युत पंपों पर निर्भर रहना पड़ता है। ठानेन्द्र ठाकरे के खेत के सामने लगे ट्रांसफार्मर से मिलने वाली बिजली के माध्यम से करीब 100 एकड़ कृषि भूमि में सिंचाई होती है। किसानों का कहना है कि फसल तैयार करने के लिए समय पर पानी मिलना जरूरी है और ट्रांसफार्मर खराब रहने से सिंचाई का पूरा क्रम प्रभावित हो जाता है। लंबे समय तक यही स्थिति रही तो इसका सीधा असर फसलों पर पड़ सकता है और किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

बढ़ चुका सिंचाई का दायरा, 25 केवी से फिर खड़ी होगी समस्या

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पहले की तुलना में विद्युत पंपों से सिंचाई का दायरा काफी बढ़ चुका है। वर्तमान जरूरत

के हिसाब से 25 केवी क्षमता का ट्रांसफार्मर पर्याप्त नहीं रह गया है और अधिक भार के कारण इसके बार-बार खराब होने की समस्या सामने आती है। किसानों का कहना है कि यदि खराब ट्रांसफार्मर के स्थान पर दोबारा 25 केवी का ही ट्रांसफार्मर लगाया गया तो कुछ समय बाद फिर वही समस्या खड़ी होने की आशंका बनी रहेगी। इसलिए किसानों ने विद्युत विभाग से केवल खराब ट्रांसफार्मर बदलने के बजाय 63 केवी क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाकर समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है।

कनिष्ठ अभियंता और विधायक के सामने किसानों ने रखी समस्या

ट्रांसफार्मर की समस्या को लेकर ठानेन्द्र ठाकरे, देवराम बागड़े, चितरंजन बागड़े, कृष्ण गोपाल बागड़े, गुलाब बागड़े, गणेश राऊत, रामेश्वर भेलावे, खेमचंद बागड़कर, चैतराम ठाकरे, मुन्नीलाल ठाकरे, सुकचंद बागड़े, मुन्ना बागड़े, रूपचंद बागड़े, देवचंद चौधरी, लालचंद बागड़े, कृष्ण कुमार वाहने, बालक मेश्राम, जैनेन्द्र ठाकरे, सोहन बागड़े, तिजेश्वर टेंभरे, सुखराम टेंभरे, एवन बागड़े, यशराज बागड़े, राजकुमार चौरे, हौशलाल बागड़े, दानिकराम बागड़े और खुशलाल बागड़े सहित किसानों ने कारंजा विद्युत विभाग के कनिष्ठ अभियंता से मिलकर स्थिति से अवगत कराया। किसानों ने विधायक राजकुमार करहि के समक्ष भी समस्या रखते हुए 63 केवी क्षमता का ट्रांसफार्मर लगवाने के लिए आवश्यक पहल करने की मांग की है।

पूर्व विधायक रमेश भटेरे की अनुशंसा पर खनिज मद से मिला था ट्रांसफार्मर

उल्लेखनीय है कि किसानों की सिंचाई सुविधा के लिए उक्त ट्रांसफार्मर पूर्व विधायक रमेश भटेरे की अनुशंसा पर खनिज विभाग द्वारा खनिज मद से प्रदान किया गया था। ट्रांसफार्मर लगने के बाद क्षेत्र के किसानों को विद्युत पंपों के माध्यम से खेतों की सिंचाई करने में सुविधा मिली। अब सिंचाई का दायरा बढ़ने के साथ 25 केवी क्षमता का ट्रांसफार्मर बार-बार खराब होने से किसानों को परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि नहर से पर्याप्त पानी नहीं मिलने की स्थिति में विद्युत पंप ही उनकी खेती का प्रमुख सहारा हैं। इसलिए वर्तमान आवश्यकता को देखते हुए 63 केवी क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाया जाना जरूरी है, ताकि करीब 100 एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई सुचारु हो सके और किसानों को बार-बार उत्पन्न होने वाली विद्युत समस्या से स्थायी राहत मिल सके।

परम्परानुसार कल मनाया जाएगा करवा चौथ

पति की लंबी उम्र और सुखी दांपत्य जीवन की कामना के साथ महिलाएं रखेंगी व्रत

पद्मेश न्यूज। लांजी। पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी दांपत्य जीवन की कामना के साथ

सुहागिन महिलाएं गुरुवार, 29 अक्टूबर को करवा चौथ का व्रत रखेंगी। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर मनाया जाने वाला यह पर्व भारतीय संस्कृति में प्रेम, विश्वास, समर्पण और पारिवारिक सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाएगा। करवा चौथ को लेकर महिलाओं में उत्साह बना हुआ है। इस अवसर पर महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सज-संवरकर पूजा-अर्चना करती हैं और चंद्रमा के दर्शन के बाद व्रत का पारण करती हैं। करवा चौथ के दिन व्रत रखने वाली महिलाएं सुबह सूर्योदय से पहले उठकर सरगी ग्रहण करती हैं। इसके बाद महिलाएं परंपरा के अनुसार दिनभर निर्जला व्रत रखकर पति की दीर्घायु और परिवार की खुशहाली की कामना करती हैं। शाम को महिलाएं एकत्रित होकर भगवान शिव, माता पार्वती, भगवान गणेश और करवा माता की पूजा करती हैं तथा करवा चौथ की व्रत कथा सुनती हैं।

चंद्र दर्शन के बाद होगा व्रत का पारण

करवा चौथ की पूजा में करवा, दीपक, रोली, अक्षत, पुष्प और मिठाई सहित पूजन सामग्री का उपयोग किया जाता है। रात में चंद्रमा के उदय होने पर महिलाएं चंद्र दर्शन कर अर्घ्य अर्पित करती हैं। इसके बाद पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए व्रत का पारण किया जाता है। 29 अक्टूबर को चतुर्थी तिथि पर चंद्रोदय लगभग रात 8–16 बजे बताया गया है।

परंपरा और आधुनिकता का संगम

लांजी क्षेत्र में भी करवा चौथ को लेकर महिलाओं में उत्साह बना हुआ है। समय के साथ करवा चौथ का पर्व धार्मिक आस्था के साथ पारिवारिक मेल-मिलाप और आपसी प्रेम की अभिव्यक्ति का अवसर भी बन गया है। महिलाएं व्रत की तैयारियों के तहत मेहंदी लगवाती हैं, पूजा की थाली सजाती हैं और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पर्व मनाती हैं। कई परिवारों में पति-पत्नी एक-दूसरे के प्रति सम्मान, विश्वास और साथ निभाने के संकल्प को भी इस पर्व से जोड़कर देखते हैं।

कोचेवाही के गुलाबचंद लोधी को पीएचडी उपाधि

परिवार के चार सदस्य पीएचडी उपाधिधारक

पद्मेश न्यूज। लांजी। कृषक परिवार में जन्म और गांव की पाठशाला से शुरू हुआ शिक्षा का सफर जब पीएचडी की उपाधि तक पहुंचा तो इसके साथ समाज के लिए कुछ करने का संकल्प भी लगातार मजबूत होता गया। डॉ. गुलाबचंद लोधी ने शिक्षा को केवल अपनी उपलब्धियों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि जनजातीय समाज के अध्ययन, शैक्षणिक संस्थानों के विकास, स्वास्थ्य जागरूकता, रक्तदान और जैविक खेती से जोड़कर सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाया। छिंदवाड़ा और बालाघाट के गोंड जनजातीय समाज की लोक संस्कृति पर शिक्षा के प्रभाव को अपने शोध का विषय बनाकर उन्होंने ग्रामीण और जनजातीय जीवन से अपने जुड़ाव को अकादमिक अध्ययन का आधार भी बनाया। डॉ. लोधी की प्रारंभिक शिक्षा ग्राम कोचेवाही और माध्यमिक शिक्षा सुनारकोड़ी में हुई। उन्होंने हाई स्कूल की पढ़ाई जगन्नाथ जायसवाल विद्यालय, लांजी तथा उच्चतर माध्यमिक शिक्षा पांढुर्णा, छिंदवाड़ा से पूरी की। इसके बाद पीजी कॉलेज, छिंदवाड़ा से स्नातक एवं स्नातकोत्तर तथा अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा से शिक्षा में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने आईएसबीएम विश्वविद्यालय, कोसमी, रायपुर से शिक्षा विषय में पीएचडी की उपाधि हासिल की। उनका शोध विषय ‡जनजातीय लोक संस्कृति पर शिक्षा के प्रभाव का समाजशास्त्रीय अध्ययन (मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा और बालाघाट के गोंड जनजाति के संबंध में)‡ रहा, जिसमें शिक्षा के कारण जनजातीय समाज की लोक संस्कृति और सामाजिक जीवन में आए बदलावों का अध्ययन किया गया। शिक्षा के विस्तार की

दिशा में भी उनकी सक्रिय भूमिका रही है। छिंदवाड़ा में वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी के नाम पर शिक्षा, नर्सिंग एवं सहायक चिकित्सा शिक्षा संस्थानों की स्थापना में उन्होंने योगदान दिया। वहीं लांजी में श्री लक्ष्मीकांता तकनीकी महाविद्यालय और भारत माता विद्यालय के संचालन में भी उनकी भूमिका रही है।

जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य की अलख, रक्तदान के लिए युवाओं को जोड़ा

शिक्षा के साथ डॉ. लोधी ने सामाजिक सेवा को भी अपने कार्यों का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया। मेधा लिपि 24 फाउंडेशन के माध्यम से जनजातीय समाज के बीच लगातार स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के उद्देश्य से छिंदवाड़ा में युवाओं के सहयोग से 'ब्लड आर्मी' यानी 'रक्त सेना' के माध्यम से रक्तदान के प्रति जनचेतना बढ़ाने और रक्तदाताओं को जरूरतमंदों से जोड़ने की पहल की गई है। अपनी माटी और पर्यावरण के प्रति लगाव ने उन्हें खेती में नवाचार के लिए भी प्रेरित किया। लांजी क्षेत्र के कालीमाटी-नीमटोला मार्ग स्थित श्री अन्नपूर्णा कृषि फार्म में आधुनिक कृषि पद्धतियों के साथ जैविक खेती को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। यहां घुइया (अरबी), सुरन-जिमीकंद और आलू के उत्पादन पर विशेष जोर है। इसके माध्यम से पर्यावरण के अनुकूल खेती और किसानों के बीच जैविक कृषि के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास भी किया जा रहा है।

एक ही परिवार में चार पीएचडी, शिक्षा की मजबूत परंपरा बनी प्रेरणा

डॉ. गुलाबचंद लोधी की उपलब्धि के साथ उनके परिवार की शैक्षणिक परंपरा भी उल्लेखनीय है। उनके बड़े भाई डॉ. लक्ष्मीचंद ने वर्ष 1987 में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की थी और वे लांजी क्षेत्र में इस उपलब्धि को हासिल करने वाले शुरुआती लोगों में रहे। वे प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, छिंदवाड़ा के प्राचार्य पद से सेवानिवृत्त होने के साथ राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा में अधिष्ठाता तथा मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल के क्षेत्रीय निदेशक के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। छोटे भाई डॉ. ताराचंद और उनकी पत्नी डॉ. पुष्पा रानी भी पीएचडी उपाधिधारक हैं। डॉ. गुलाबचंद लोधी के पीएचडी करने के बाद अब परिवार में चार सदस्य यह उच्च शैक्षणिक उपाधि हासिल कर चुके हैं। पिता श्री भैयाराम और माता श्रीमती अन्नपूर्णा देवी से मिले संस्कारों को आगे बढ़ाते हुए परिवार ने शिक्षा को विशेष महत्व दिया है। उनकी पत्नी श्रीमती राजश्री पटेल मध्यप्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत हैं। बड़ी बेटी लिपि चंद ने मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल से सिविल अभियांत्रिकी के संरचना अभिकल्पन विषय में प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है, जबकि छोटी बेटी मेधा चंद दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हैं।

कृषि यंत्रों की सब्सिडी के लिए आवेदन प्रक्रिया बनी किसानों की परेशानी

डीडी बनवाने से लेकर ऑनलाइन आवेदन तक जूझते रहे किसान

पद्मेश न्यूज। लांजी। एक ओर सरकार वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मना रही है, वहीं दूसरी ओर किसानों को कृषि यंत्रों पर सब्सिडी पाने के लिए जटिल आवेदन प्रक्रिया से गुजरना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि आवेदन करने के लिए किसानों को बैंक से डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) बनवाने से लेकर ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करने तक कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लांजी के किसान गोरेलाल बसोने को कृषि यंत्रों पर सब्सिडी के लिए आवेदन करने में ऐसी ही दिक्कतों से जूझना पड़ा। आवेदन की अंतिम तिथि पर वे डीडी बनवाने के लिए भारतीय स्टेट बैंक पहुंचे, लेकिन प्रिंटर खराब होने के कारण वहां डीडी नहीं बन सका। इसके बाद उन्हें दूसरे बैंक से शाम करीब 5 बजे डीडी बनवाना पड़ा।

ऑनलाइन सेंटरों पर उपलब्ध नहीं है जरूरी सॉफ्टवेयर

आवेदन प्रक्रिया में एक और बड़ी समस्या आधार कार्ड आधारित मार्फो (स्फ्ठ्ठ्न) सॉफ्टवेयर की है। किसानों को आवेदन के लिए इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से अंगूठे का निशान देकर सत्यापन कराना पड़ता है। लेकिन किसान का कहना है कि लांजी क्षेत्र के ऑनलाइन सेंटरों पर यह सॉफ्टवेयर उपलब्ध नहीं होने से किसानों को आवेदन करने में परेशानी होती है। ऐसे में तकनीकी प्रक्रिया पूरी करने के लिए किसानों को इधर-उधर भटकना पड़ता है।

कृषि एसडीओ ने समझी किसान की परेशानी

इन मुश्किलों के बीच कृषि विभाग के लांजी एसडीओ ने किसान की परेशानी को समझते हुए मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया। आवेदन की अंतिम तिथि होने के बावजूद वे शाम 7 बजे तक कार्यालय में बैठे रहे और किसान गोरेलाल बसोने के आवेदन को अंतिम रूप देने में मदद की। उनकी इस पहल से किसान को राहत मिली।

किसानों का कहना है कि जब सरकार कृषि यंत्रों पर सब्सिडी देकर खेती को आधुनिक बनाने और किसानों की आय बढ़ाने का प्रयास कर रही है, तो आवेदन प्रक्रिया भी सरल और सुविधाजनक होनी चाहिए। डीडी बनवाने में बैंक की तकनीकी परेशानी और ऑनलाइन आवेदन के लिए जरूरी सॉफ्टवेयर की अनुपलब्धता किसानों के लिए अतिरिक्त बाधा बन रही है।

सरकार और किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के कृषि अभियांत्रिकी संचालनालय, भोपाल को इस समस्या पर तत्काल ध्यान देना चाहिए। अन्य विभागों की तरह आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाया जाए, ताकि किसान किसी भी ऑनलाइन सेंटर या अपने स्तर पर आसानी से आवेदन कर सकें। किसानों को सब्सिडी का लाभ लेने के लिए तकनीकी उलझनों में न फंसना पड़े, बल्कि सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर और सहज तरीके से मिल सके।

नवोदय प्रवेश परीक्षा से पहले विद्यार्थियों को अभ्यास का अवसर

1 नवंबर को रानी अवंतीबाई पब्लिक स्कूल में प्रारंभिक परीक्षा

पद्मेश न्यूज। लांजी। जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे कक्षा पांचवीं के विद्यार्थियों को मुख्य परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र के स्वरूप और परीक्षा प्रक्रिया से परिचित कराने के उद्देश्य से रविवार, 1 नवंबर 2026 को सुबह 11 बजे वीरांगना रानी अवंतीबाई पब्लिक स्कूल, लांजी में प्रारंभिक अभ्यास परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसमें नवोदय प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के कक्षा पांचवीं के विद्यार्थी शामिल हो सकेंगे। प्रारंभिक परीक्षा आयोजित करने का उद्देश्य विद्यार्थियों को नवोदय प्रवेश परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों के स्वरूप से परिचित कराने के साथ परीक्षा के लिए अभ्यास का अवसर उपलब्ध कराना है। इससे विद्यार्थी मुख्य परीक्षा से पहले अपनी तैयारी का आकलन कर सकेंगे और परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र हल करने की प्रक्रिया को समझ सकेंगे। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार नवोदय प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन कर चुके कक्षा पांचवीं के विद्यार्थी इस प्रारंभिक परीक्षा में भाग ले सकते हैं। परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक विद्यार्थियों को अपना नाम, पिता का नाम, मोबाइल नंबर और विद्यालय का नाम दर्ज कराना होगा। विद्यालय के संचालक ने नवोदय प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले विद्यार्थियों से इस अभ्यास परीक्षा में शामिल होकर अपनी तैयारी को परखने का आग्रह किया है।

भानेगांव में सेवा संकल्प दिवस पर 319 मरीजों की जांच

लांजी। सेवा, समर्पण और जनकल्याण की भावना के साथ दिव्यांग जन कल्याण संघ, मध्य प्रदेश द्वारा 25 अक्टूबर को ग्राम पंचायत भवन भानेगांव में 'सेवा संकल्प दिवस' समारोह एवं निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के 319 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क उपचार एवं दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। वहीं, समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिए ग्राम पंचायत हिर्री की सरपंच विनीता राजेंद्र पारासर को संघ के सर्वोच्च सम्मान 'दिव्य रत्न पुरस्कार-2026' से सम्मानित किया गया। संघ की संरक्षक परमिला देवीचरण ठाकरे एवं लक्ष्मण दुर्गादास खुट्टानी के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद उपस्थित लोगों ने वंदे मातरम् और राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया।

समाज सेवा के लिए विनीता पारासर सम्मानित

समारोह में संघ के अध्यक्ष तन्मय जगदीश मिश्रा ने हिर्री की सरपंच विनीता राजेंद्र पारासर को समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'दिव्य रत्न पुरस्कार-2026' प्रदान किया। संघ द्वारा इस सम्मान की शुरुआत वर्ष 2022 में की गई थी। विनीता पारासर यह सम्मान प्राप्त करने वाली पांचवीं विभूति हैं।

छह विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दी सेवाएं

दिव्यांग जन कल्याण संघ, ग्राम भानेगांव और हॉप हार्ट हॉस्पिटल गोंदिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रमेश गायधने, मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. लोकेश चिरवतकर, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रियेश जायसवाल, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राकेश चोखलौंडे, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. स्वीटी नगपुरे चिखलौंडे तथा जनरल फिजिशियन डॉ. अविदास नंदू चौहारे ने सेवाएं दीं। विशेषज्ञों ने मरीजों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया तथा निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया।

अतिथियों की रही उपस्थिति

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मानवता मंदबुद्धि शाला, आमगांव (महाराष्ट्र) के संचालक प्रणय तावड़े उपस्थित रहे। विशेष अतिथियों में कॉमेडियन एवं यूट्यूबर

गोविंद बरघाटी, यशवंत भाऊ, स्वामी दुर्गाशंकर महाराज, समाज सेविका सत्यभामा अशोक बिसेन तथा जनपद पंचायत लांजी की महिला एवं बाल विकास सभापति प्रो. रेवाजी करहाटकर शामिल रहे। सम्मानित सरपंच विनीता पारासर भी कार्यक्रम में मौजूद रहीं।

संघ पदाधिकारियों ने संभाली जिम्मेदारी

आयोजन की सफलता में जगदीश मिश्रा का विशेष योगदान रहा। संघ के उपाध्यक्ष वीरेंद्र ठाकरे, सचिव रूपेश कुमार कुथे, कोषाध्यक्ष सुनीता बिसेन, संयुक्त सचिव अनीता उइके, शिकायत अधिकारी पारुल ठाकरे, सोशल मीडिया प्रचारक अंजली ठाकरे एवं आकाश ग्वालवंशी, सोशल मीडिया प्रभारी नरेश डोनारकर, राजकुमार बेंदरे और केशरीमल राहंगडाले सहित सदस्य प्रमिला पारधी, शीतल ठाकरे एवं निहारिका बेंदरे ने सहयोग दिया। कार्यक्रम के संयोजक भानेगांव के सरपंच राम ठाकरे रहे। सेवा संकल्प दिवस के माध्यम से संघ ने समाज सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और जरूरतमंदों तक चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने के अपने उद्देश्य को आगे बढ़ाया।

पीएम मोदी पर टिप्पणी से भड़का भाजपा का गुस्सा

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में गोंदिया में भाजपा कार्यकर्ताओं का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। प्रधानमंत्री के खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी और भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने जयस्तंभ चौक पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मल्लिकार्जुन खड़गे का पुतला फूंका।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष रोहित अग्रवाल की अगुवाई में गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के भाजपा एवं युवा मोर्चा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जयस्तंभ चौक पर एकत्र हुए। हाथों में नारे लिखी तख्तियां और जुबां पर आक्रोश लिए कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। देखते ही देखते पूरा जयस्तंभ चौक राजनीतिक विरोध के नारों से गूंज उठा। कार्यकर्ताओं ने खड़गे की टिप्पणी को प्रधानमंत्री पद की गरिमा के खिलाफ बताते हुए तीखा विरोध दर्ज कराया। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने मल्लिकार्जुन खड़गे के पुतले को बीच चौक पर आग के हवाले कर अपना विरोध जताया। इस दौरान 'नरेंद्र मोदी जिंदाबाद', 'कांग्रेस पार्टी हाय-हाय' जैसे नारों से माहौल गरमा गया। भाजयुमो जिलाध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ

अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह केवल एक राजनीतिक टिप्पणी का मामला नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री पद की गरिमा से जुड़ा विषय है। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारियों में जिला महामंत्री सुनील केलनका, दीपक कदम, छत्रपाल तुरकर, संजीव कुलकर्णी, विवेक मिश्रा, ऋषिकांत साहू, जिप सदस्य दीपा चन्द्रिकापुरे, आनंदा वाधिवा, नप उपाध्यक्ष संतोष पटले, सभी नगरसेवक सहित गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के सभी भाजपा पदाधिकारी व युवामोर्चा के जिला पदाधिकारीयों की उपस्थिति रही।

माफी की मांग पर भाजपा का अल्टीमेटम

भाजपा कार्यकर्ताओं ने मल्लिकार्जुन खड़गे से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री के खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर भाजपा एवं भाजयुमो चुप बैठने वाली नहीं है। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि कांग्रेस अध्यक्ष ने सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगी तो आंदोलन को और व्यापक एवं उग्र रूप दिया जाएगा।

तीन माह से पुलिस पाटिलों को मानधन नहीं

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। त्योहारों के मौसम में गोंदिया जिले के पुलिस पाटिलों का पिछले तीन माह का मानधन अटकने से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है. गणेशोत्सव, दुर्गोत्सव और दशहरा बिना मानधन के गुजर गए, अब दिवाली सामने है, लेकिन भुगतान नहीं होने से पुलिस पाटिलों के सामने त्योहार मनाने की चिंता सताने लगी है. संगठन ने अक्टूबर के अंत तक बकाया मानधन जारी कर दिवाली से पहले राहत देने की मांग की है.

गांव स्तर पर प्रशासन और पुलिस व्यवस्था के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में पुलिस पाटिल अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं. गांव में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, पुलिस व राजस्व विभाग को सहयोग देने और विभिन्न सरकारी कार्यों में समन्वय स्थापित करने की जिम्मेदारी उनके कंधों पर होती है. इसके बावजूद समय पर मानधन नहीं मिलने की समस्या बनी हुई है. मानधन में वृद्धि के बाद भी भुगतान में अनियमितता से उन्हें आर्थिक नियोजन करने में परेशानी हो रही है.

अन्य मांगें भी लंबित

पुलिस पाटिलों के रिक्त पदों का मुद्दा मानसून सत्र में उठाया गया था. लेकिन, भर्ती प्रक्रिया को लेकर अब तक ठोस कदम नहीं उठाए जाने का दावा संगठन ने किया है. इसके अलावा सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष करने, अनुग्रह अनुदान देने, मासिक पेंशन लागू करने, उपचार के लिए अस्पताल खर्च की व्यवस्था करने तथा पुलिस पाटिलों के वारिसों को पुलिस भर्ती में प्राथमिकता देने जैसी मांगें भी लंबित हैं. पुलिस पाटिल एसोसिएशन के पदाधिकारियों के अनुसार, इन मांगों पर निर्णय नहीं होने से उनकी समस्याएं कायम हैं.

बार-बार मांग, फिर भी भुगतान का इंतजार

जिले में कुल 740 पुलिस पाटिल कार्यरत हैं. संगठन की मांग है कि हर महीने के पहले सप्ताह में मानधन का भुगतान सुनिश्चित किया जाए. इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष बार-बार मांग रखे जाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने की बात कही जा रही है. अब तीन माह का बकाया मानधन मिलने की प्रतीक्षा कर रहे पुलिस पाटिलों की निगाहें प्रशासन के निर्णय पर टिकी हैं।

वाहन को बाईक की टक्कर, व्यक्ति घायल

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। तिरोड़ा थाने के तहत ग्राम मुंडीकोटा रोड़ पर खड़े टाटा एस वाहन को मोटरसाइकिल चालक ने पीछे से टक्कर मार दी. जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया. जानकारी के अनुसार, अज्ञात वाहन चालक ने टाटा एस चौपहिया वाहन रोड़ के बाजू में बंद कर रखी थी तथा कोई भी इंडीकेट चालू नहीं रखा था. इसी बीच आमगांव निवासी दिलीप माधोराव हजारे (57) ने अपनी मोटरसाइकिल से उसे पीछे से टक्कर मार दी. जिसमें वह गंभीर रुप से घायल हो गया. फिर्यादी चंद्रशेखर हजारे (44) की शिकायत पर तिरोड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक फौजदार विजय तिरपुडे कर रहे हैं.

ट्रक की टक्कर से वृद्ध की मौत

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। आमगांव थाने के तहत रिसामा निवासी शिवप्रसाद विसराम प्रजापति (68) को छोटा गोंदिया निवासी ट्रक चालक अश्विन बाबुलाल नेवारे (30) ने ट्रक लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए टक्कर मार दी. उसमें शिवप्रसाद की मौत हो गई. फिर्यादी पुरनलाल प्रजापति (43) की शिकायत पर आमगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस उपनिरीक्षक कथले कर रहे हैं.

आभूषण सहित नकद उड़ाया

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। दवनीवाड़ा थाने के तहत खलबंदा निवासी फिर्यादी प्रमिला गणेश कांबले (48) मजदूरी से धान काटने के लिए गई थी. इसी बीच अज्ञात व्यक्ति ने उनके घर में प्रवेश किया व बेडरूम के पेटी से 58 हजार रु. कीमत के सोने के आभूषण व 5 हजार रु. नकद ऐसा कुल 63 हजार रु. का माल चुरा लिया. फिर्यादी की शिकायत पर दवनीवाड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार गुलाब तुरकर कर रहे हैं.

नौकरी दिलाने के नाम पर 14.70 लाख की ठगी

छह आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। वन विभाग में क्लर्क की नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक व्यक्ति से 14 लाख 70 हजार रु. की धोखाधड़ी की गई. शिकायत के आधार पर शहर पुलिस ने छह आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

जानकारी के अनुसार, माताटोली निवासी फिर्यादी रोहित दिनेश भिवाडे (32) को आरोपियों ने वन विभाग में क्लर्क की नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया था. इसके लिए 15 लाख रु. में सौदा तय होने की बात कही गई है. फिर्यादी से 14 लाख 70 हजार रु. लेने के बाद आरोपियों ने उसे ई-मेल के माध्यम से जॉइनिंग लेटर और सर्विस बुक दी. साथ ही डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) भी लिया गया. नौकरी दिलाने के नाम पर रकम लेकर आर्थिक धोखाधड़ी किए जाने की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है. इस मामले में आमगांव निवासी सुरेंद्र टेंभरे (40), किकरीपार निवासी फलेंद्र हुकरे (24), करंजी निवासी देवेंद्र लांजेवार (26), भोपाल निवासी दिलीप तांबोली, संजू सर उर्फ विवेकसिंग सिसोदिया तथा बिहार के हाजीपुर निवासी सिंग सर उर्फ अभयराज पर मामला दर्ज किया गया है. जांच पुलिस उपनिरीक्षक चन्नावार कर रहे हैं.

1 किलो गांजा सहित आरोपी गिरफ्तार

शहर पुलिस की कार्रवाई - मोपेड समेत 1.50 लाख का माल जब्त

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। शहर में मादक पदार्थों की अवैध तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए शहर पुलिस ने 1 किलो 11 ग्राम गांजा जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है. आरोपी का नाम सिविल लाइन्स निवासी मोसीन उर्फ मोनू खान (29) बताया गया है. पुलिस ने गांजे और परिवहन में इस्तेमाल की गई मोपेड सहित कुल 1 लाख 50 हजार 550 रु. का माल जब्त किया है.

जानकारी के अनुसार, 26 अक्टूबर को अवैध धंधों के खिलाफ गश्त के दौरान गुप्त सूचना मिली कि एक व्यक्ति ग्रे रंग की मोपेड पर गांजा लेकर मिलन सभागृह से डबलींग कॉलोनी की ओर आने वाला है. सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने पंचों, फोटोग्राफर और आवश्यक सामग्री के साथ डबलींग मैदान परिसर में जाल बिछाया. इसी दौरान ग्रे रंग की मोपेड पर आते एक संदिग्ध को रोककर तलाशी ली गई. मोपेड की डिक्की में लाल रंग की प्लास्टिक थैली मिली. जांच करने पर उसमें हरे रंग के पत्तियों, फूलों और बीजों वाला गीला गांजा पाया गया. इसका वजन 1 किलो 11 ग्राम और उसकी कीमत 50 हजार 550 रु. बताई गई. गांजे के परिवहन में इस्तेमाल की गई 1 लाख रु. कीमत की ज्यूपिटर मोपेड क्र. एमएच 35- एयू 9242 जब्त की गई. इस मामले में आरोपी के खिलाफ शहर थाने में मामला दर्ज किया गया है. जांच महिला पुलिस उपनिरीक्षक प्रियंका बैस कर रही हैं. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे व उपविभागीय पुलिस अधिकारी दिनेशचंद्र शुक्ला के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक प्रवीण बोरकुटे के नेतृत्व में डीबी पथक के सहायक पुलिस निरीक्षक वैभव गेडाम, संदीप मडावी, महिला पुलिस उपनिरीक्षक प्रियंका बैस सहित पुलिसकर्मियों ने की.

आठ महीने से वन कर्मचारियों का वेतन बकाया

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। जंगलों की सुरक्षा, वन्यजीवों का संरक्षण, अवैध वृक्ष कटाई पर रोक और वन विभाग की विभिन्न जिम्मेदारियां निभाने वाले कर्मचारियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा होने की बात सामने आई है. वन कर्मचारियों का आठ महीने से वेतन बकाया होने, जबकि वनरक्षकों को पिछले तीन महीने से वेतन नहीं मिलने की जानकारी सामने आई है. इससे कर्मचारियों के परिवारों के सामने घरेलू खर्च, बच्चों की शिक्षा, कर्ज की किस्तें और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने की समस्या गंभीर हो गई है.

वन विभाग के कर्मचारी तेज धूप, बारिश और रात के समय भी अपनी ड्यूटी निभाते हैं. जंगलों में आग लगने की घटनाओं पर नियंत्रण, वन्यजीवों की सुरक्षा, अवैध शिकार रोकने तथा वन संपदा के संरक्षण के लिए उन्हें लगातार सतर्क रहना पड़ता है. इसके बावजूद यदि महीनों तक वेतन नहीं मिलता, तो कर्मचारियों और उनके परिवारों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है. वन कर्मचारियों के वेतन में देरी को लेकर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर सवाल उठाए जा रहे हैं. नागरिकों का कहना है कि जब मंत्रियों, विधायकों और सांसदों के वेतन तथा भत्तों का भुगतान समय पर होता है, तो जंगलों की सुरक्षा में दिन-रात जुटे कर्मचारियों को अपने वेतन के लिए महीनों तक इंतजार क्यों करना पड़ता है? कर्मचारियों का वेतन केवल आर्थिक मामला नहीं, बल्कि उनके सम्मान और परिवार के भरण-पोषण से भी जुड़ा हुआ है. ऐसे में वेतन भुगतान में देरी के कारणों को स्पष्ट करना और लंबित राशि का जल्द भुगतान करना आवश्यक है. वन कर्मचारियों के वेतन में देरी के पीछे निधि की कमी, तकनीकी समस्या या प्रशासनिक प्रक्रिया में बाधा जैसे कारण हैं या नहीं, इसकी स्पष्ट जानकारी सामने आनी चाहिए. संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को इस मामले में हस्तक्षेप कर कर्मचारियों को राहत दिलाने की मांग की जा रही है. जंगलों और वन्यजीवों की सुरक्षा करने वाले कर्मचारियों के परिवारों को भी आर्थिक सुरक्षा मिलना जरूरी है. इसलिए बकाया वेतन का जल्द भुगतान करने की अपेक्षा व्यक्त की जा रही है.

दिवाली से पहले वेतन देने का आश्वासन

इस संबंध में गोंदिया वन विभाग के उपवनसंरक्षक कार्यालय के अधिकारी पवन जोंग से विस्तृत जानकारी लेने पर उन्होंने बताया कि अन्य जिलों से गोंदिया जिले में स्थानांतरित होकर आए कुछ कर्मचारियों के वेतन तकनीकी समस्याओं के कारण रुके हुए थे. हालांकि, अब संबंधित प्रक्रिया पूरी कर ली गई है. उन्होंने आश्वासन दिया कि संबंधित कर्मचारियों का वेतन जल्द ही, दिवाली से पहले, जारी कर दिया जाएगा. अब कर्मचारियों को उम्मीद है कि विभाग अपने आश्वासन के अनुसार जल्द भुगतान कर उन्हें आर्थिक संकट से राहत देगा.

भूजल संकट के बीच आरओ प्लांटों में पानी की बर्बादी पर सवाल

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। जिले में लगातार गिरते भूजल स्तर और पानी के बढ़ते उपयोग को देखते हुए जल संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है. एक ओर नागरिकों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर जगह-जगह संचालित आरओ प्लांटों में पानी की खपत और उसके उपयोग पर निगरानी का सवाल उठ रहा है.

आरओ तकनीक से पानी शुद्ध करने की प्रक्रिया में कुछ पानी अपशिष्ट के रूप में निकलता है. यदि इस पानी का पुन: उपयोग नहीं किया जाता, तो बड़ी मात्रा में जल व्यर्थ हो सकता है. ऐसे में आरओ प्लांट संचालकों को जल संरक्षण के प्रति जिम्मेदार बनाना और नियमों का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है. जिले में भूजल स्तर बनाए रखना भविष्य की बड़ी चुनौती बन सकता है. प्रशासन को आरओ प्लांटों में पानी की खपत, भूजल के उपयोग और अपशिष्ट जल के निपटान की व्यवस्था की जांच करनी चाहिए. नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर

नियम अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए. स्वच्छ पेयजल और जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचना जरूरी है. ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पात्र नागरिकों को पर्याप्त व सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा कर कमियों को दूर किया जाना चाहिए. भूजल संरक्षण के लिए वर्षा जल संचयन, पानी का सीमित उपयोग और आरओ से निकलने वाले अपशिष्ट जल का पुन: इस्तेमाल बढ़ाना आवश्यक है. नागरिकों, आरओ प्लांट संचालकों और प्रशासन को मिलकर जल संरक्षण की दिशा में प्रयास करने होंगे. लगातार गिरते भूजल स्तर की चिंता के बीच सवाल उठता है कि जल संरक्षण के लिए प्रभावी कदम कब उठाए जाएंगे? प्रशासन को आरओ प्लांटों की नियमित निगरानी कर पानी की बर्बादी रोकने के उपाय करने चाहिए. आखिरकार, शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के साथ जलस्रोतों को सुरक्षित रखना भी जरूरी है. आज पानी बचाएंगे, तभी कल सुरक्षित रहेगा.

समता और बंधुता से समाज के विकास के लिए एकजुट हों - विधायक बडोले

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। गोरेगांव तहसील के ग्राम तुमसर (तेढ़ा) में धम्मचक्र प्रवर्तन दिन के अवसर पर आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम में विधायक इंजि. राजकुमार बडोले ने उपस्थित समाजबंधुओं से संवाद किया. उन्होंने समता, न्याय, बंधुता और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करते

हुए सामाजिक एकता मजबूत करने तथा समाज के विकास के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। बडोले ने कहा कि धम्मचक्र प्रवर्तन दिन महामानव डा. बाबासाहब आंबेडकर के समतामूलक विचारों और भगवान गौतम बुद्ध के शांति, करुणा व मानवता के संदेश को आत्मसात करने की प्रेरणा देता है. शिक्षा, जनजागृति और आपसी सहयोग के माध्यम से समाज को प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ाना आवश्यक है. इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से स्थानीय समस्याओं और गांव के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की. कार्यक्रम में पंचायत समिति उपसभापति रामेश्वर महारवाडे, भाजपा गोरेगांव के सचिव आनंद चौंद्रिकापुरे, महेंद्र पारधी, राजू साखरे, तुमसर के उपसरपंच विजय शहारे, पूर्व उपसरपंच अरविंद कोटंगले, पूर्व पंचायत समिति सदस्य धर्मशीला साखरे सहित अनेक गणमान्य नागरिक व ग्रामीण उपस्थित थे.

गोंदिया में 82 धान खरीदी केंद्रों पर रोक, 112 को मिली मंजूरी

धान जमा नहीं करने पर कार्रवाई - अब तक 550 किसानों ने कराया पंजीयन

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। खरीफ सीजन में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियों के बीच जिला मार्केटिंग फेडरेशन ने पहले चरण में जिले के 112 धान खरीदी केंद्रों को मंजूरी दी है. वहीं, शिकायतों, जांच लंबित होने और पिछले रबी सीजन का धान शासन के पास जमा नहीं करने वाले 82 केंद्रों को फिलहाल खरीदी की अनुमति नहीं दी गई है. इन केंद्रों को मंजूरी देने का निर्णय संबंधित शिकायतों की जांच पूरी होने और धान जमा किए जाने के बाद लिया जाएगा.

जिले में खरीफ और रबी सीजन के दौरान जिला मार्केटिंग फेडरेशन के कुल 194 केंद्रों के माध्यम से समर्थन मूल्य पर धान खरीदा जाता है. इन केंद्रों को जिलाधिकारी और जिला मार्केटिंग फेडरेशन की मंजूरी के बाद संबंधित सहकारी संस्थाएं संचालित करती हैं. पिछले खरीफ और रबी सीजन में कुछ केंद्रों पर अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई थीं. इसके अलावा, 30 से अधिक केंद्रों द्वारा दोनों सीजन में खरीदा गया धान अब तक शासन के

पास जमा नहीं किए जाने की जानकारी सामने आई है. इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन और मार्केटिंग फेडरेशन ने संबंधित केंद्रों को मंजूरी देने पर रोक लगाई है. अधिकारियों के अनुसार, धान जमा करने और शिकायतों की जांच पूरी होने के बाद ही इन केंद्रों को अनुमति देने पर निर्णय लिया जाएगा. फिलहाल मंजूर 112 केंद्रों पर किसानों के पंजीयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. अब तक 550 किसान धान बिक्री के लिए पंजीयन करा चुके हैं.

खरीदी के लक्ष्य का अब भी इंतजार

शासन ने सरकारी धान खरीदी केंद्रों पर बिक्री के लिए किसानों का पंजीयन शुरू करने के निर्देश दिए हैं. हालांकि, जिला मार्केटिंग फेडरेशन और आदिवासी विकास महामंडल को खरीफ सीजन में धान खरीदी का लक्ष्य अब तक प्राप्त नहीं हुआ है. ऐसे में इस बार जिले में समर्थन मूल्य पर कुल कितने क्विंटल धान की खरीदी होगी, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है.

प्रति हेक्टेयर 34.23 क्विंटल खरीदी की सीमा

शासन के निर्देशानुसार, इस वर्ष समर्थन मूल्य केंद्रों पर किसानों से प्रति हेक्टेयर 34.23 क्विंटल धान खरीदा जाएगा. इस सीमा से अधिक उत्पादन होने पर किसानों को अतिरिक्त धान निजी व्यापारियों को बेचने की नौबत आ सकती है. इसे लेकर किसानों में नाराजगी है. किसानों की मांग है कि सरकारी खरीदी की सीमा बढ़ाकर प्रति हेक्टेयर 40 क्विंटल की जाए, ताकि उन्हें अपनी उपज बेचने में परेशानी न हो।

गोंदिया में सतर्कता जागरूकता सप्ताह शुरू

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। केंद्रीय सतर्कता आयोग और महाराष्ट्र शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार भ्रष्टाचार निरोधक विभाग, गोंदिया की ओर से 26 अक्टूबर से 1 नवंबर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है. इस वर्ष सप्ताह की थीम 'समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा' रखी गई है.

इस दौरान जिले में नागरिकों को भ्रष्टाचार के प्रति जागरूक करने और प्रशासन में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, सरकारी कार्यालयों, स्कूलों और कॉलेजों में जनजागरण अभियान चलाया जाएगा. आउटर रिंग रोड स्थित मॉर्निंग वॉक पॉइंट पर पत्रक वितरित किए जाएंगे, वहीं चांदनी चौक स्थित हर्बल लाइफ हेल्थ क्लब में महिला जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होगा. इसके अलावा गांवों में जनसंपर्क, सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर व स्टीकर लगाने तथा सोशल मीडिया के माध्यम से भ्रष्टाचार विरोधी संदेश प्रसारित किए जाएंगे. भ्रष्टाचार निरोधक विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई लोकसेवक रिश्वत मांगता है या भ्रष्टाचार से संबंधित जानकारी है, तो निर्भय होकर विभाग से शिकायत करें और भ्रष्टाचार के उन्मूलन में सहयोग दें.

भैंसो को ले जा रहे ट्रक को पकड़ा

23.60 लाख रु. का माल जब्त - देवरी पुलिस की कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। देवरी-आमगांव मार्ग पर अवैध रूप से मवेशियों के परिवहन किए जाने की गोपनीय सूचना पर देवरी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक ट्रक पकड़ा. ट्रक में 12 भैंसों को ठूंसकर ले जाया जा रहा था. पुलिस ने मवेशियों और ट्रक सहित कुल 23 लाख 60 हजार रु. का माल जब्त किया है. मामले में छत्तीसगढ़ निवासी ट्रक चालक और मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.

जानकारी के अनुसार, 26 अक्टूबर को सुबह करीब 6.01 बजे लोहारा गांव के पास नाकाबंदी की गई थी. इस दौरान

आमगांव की ओर से देवरी आ रहे ट्रक क्र. सीजी 04 - पीके 3407 को रुकने का संकेत दिया गया. वाहन की जांच करने पर पीछे के हिस्से में 10 बड़ी काले रंग की भैंसें और दो बड़े नर मवेशी सहित कुल 12 मवेशी अमानवीय तरीके से ठूंसकर भरे हुए मिले. जांच में सामने आया कि मवेशियों को खड़े रहने के लिए पर्याप्त जगह नहीं दी गई थी. साथ ही चारा-पानी की व्यवस्था भी नहीं थी, जिससे उन्हें चोट और तकलीफ होने की आशंका थी. पंचों की मौजूदगी में की गई कार्रवाई के दौरान प्रत्येक मवेशी की कीमत 30 हजार रु. के हिसाब से कुल 3 लाख 60 हजार रु. आंकी गई. वहीं, ट्रक की कीमत 20 लाख रु. बताई गई. इस तरह पुलिस ने कुल 23 लाख 60 हजार रु. का माल जब्त किया. इस मामले में भिलाई के पाथरा निवासी ट्रक चालक आशिक मनहरण जोशी (24) व भिलाई के रिंगणी निवासी वाहन मालिक हिमांशू होरीलाल टंडन (20) के मामला दर्ज किया गया है. पुलिस ने जब्त किए गए सभी मवेशियों का पशु चिकित्सक से परीक्षण कराया. इसके बाद उन्हें निजी वाहन से गोशाला में पहुंचाया गया. जांच देवरी पुलिस कर रही है.

देवास-सागर के एसपी-कलेक्टर हटाए

दिलीप सागर, अंजू सिवनी की नई कलेक्टर होंगी

आदित्य देवास और संजीव सागर के नए एसपी; सिवनी में भी नई कलेक्टर

भोपाल। मध्यप्रदेश में जहरीली शराब से मौतों के मामलों के बीच राज्य सरकार ने तीन जिलों के कलेक्टर और दो जिलों के एसपी बदल दिए हैं। आदेश के मुताबिक, सागर कलेक्टर प्रतिभा पाल को मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम का प्रबंध संचालक बनाया है। देवास कलेक्टर ऋतुराज को सामान्य प्रशासन विभाग में उप सचिव पदस्थ किया है। वहीं, सिवनी कलेक्टर नेहा मीना को देवास भेजा गया है। दिलीप कुमार यादव सागर और अंजू अरुण कुमार सिवनी की नई कलेक्टर होंगी। यादव इससे पहले मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम में प्रबंध संचालक थे, जबकि अंजू अरुण कुमार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में उप सचिव थीं। सरकार ने देवास के एसपी पुनीत गहलोत और सागर के एसपी अनुराग सुजानिया को पुलिस मुख्यालय भोपाल में सहायक पुलिस महानिरीक्षक पदस्थ किया है। बालाघाट के एसपी आदित्य मिश्रा को देवास का नया एसपी बनाया गया है, जबकि संजीव कुमार सिन्हा सागर के नए एसपी होंगे। सिन्हा इससे पहले ग्वालियर में विशेष सशस्त्र बल की 14वीं वाहिनी में सेनानी थे। आदित्य मिश्रा के देवास जाने के बाद बालाघाट में नए एसपी की नियुक्ति होना बाकी है। सागर में सितंबर में जहरीली शराब कांड के बाद तत्कालीन एसपी अनुराग सुजानिया पर तत्काल कार्रवाई नहीं हुई थी। अब देवास में शराब से मौतों के मामलों के बीच दोनों जिलों के एसपी बदले गए हैं।

सोनार समाज की कोजागिरी आज

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। शहर स्थित संत नरहरी चौक में सुवर्णकार सोनार समाज की ओर से कोजागीरी का आयोजन किया गया है. 28 अक्टूबर को शाम 6 बजे से कार्यक्रम आयोजित है. इस कार्यक्रम में उपस्थिति की अपील आयोजकों ने किया है.

अभिषेक और वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी से भारतीय टीम ने तीसरे टी20 में न्यूजीलैंड को हराकर सीरीज जीती

वैलिंगटन। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के आतिशी शतक (113) रन और वैभव सूर्यवंशी (45) रन की धमाके दार पारी से भारतीय क्रिकेट टीम ने तीसरे टी20 में मेजबान न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने पांच मैचों की टी20 सीरीज 3-0 की अजेय बढ़त के साथ ही अपने नाम कर ली है। भारतीय टीम ने पहले और दूसरे दोनों ही टी20 चार-चार विकेट से जीते थे। वहीं तीसरे टी20 में भारतीय टीम ने एकतरफा जीत हासिल करते हुए मेजबान टीम को कोई मौका नहीं दिया। इस मैच में भारतीय टीम ने जीत के लिए मिले 199 रनों के लक्ष्य को 13.2 ओवर में ही केवल चार विकेट खोकर ही प्राप्त कर लिया। आज भारतीय टीम ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। कीवी खिलाड़ियों ने निर्धारित 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 198 रन

इसे बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने आक्रामक शुरुआत की। । अभिषेक ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ टी-20 पारी खेलते हुए केवल 35 गेंदों पर ही शतक लगा दिया। यह उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का चौथा शतक था। वहीं युवा वैभव ने दूसरे टी20 के खराब प्रदर्शन से उबरते हुए केवल 19 गेंदों पर 45 रनों की पारी खेलकर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। कीवी गेंदबाज अभिषेक और वैभव के सामने बेबस दिखे। इस मैच में भारतीय टीम ने दो बड़े विश्व रिकॉर्ड भी अपने नाम किए। टीम इंडिया ने महज 5 ओवर में 100 रन पूरे कर लिए, जो टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में किसी भी टीम द्वारा बनाये सबसे तेज 100 रन हैं। इसके अलावा, टीम इंडिया ने पावरप्ले में भी इतिहास रच दिया। भारतीय बल्लेबाजों ने शुरुआती 6 ओवरों में बिना कोई विकेट खोय 118 रन बना दिए। वहीं न्यूजीलैंड के गेंदबाज पूरी तरह से असफल रहे।

खराब रोशनी के कारण इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच पहला अधिकृत टेस्ट ड्रॉ हुआ

ऑकलैंड । खराब रोशनी के कारण भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच खेला गया पहला अन अधिकृत टेस्ट मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इससे भारत ए के हाथ से जीत फिसल गयी। मैच के अंतिम क्षणों में भारत ए को जीत के लिए केवल एक विकेट की जरुरत थी पर अंपायरों को खेल रोकना पड़ा। इस मैच में पहली पारी में पिछड़ने के बाद भी भारतीय टीम ने दूसरी पारी में जबरदस्त वापसी की।

मैच की शुरुआत इंडिया ए के लिए निराशाजनक रही थी, जब टीम अपनी पहली पारी में महज 113 रन पर सिमट गई थी। इसके जवाब में न्यूजीलैंड ए ने 317 रन बनाकर 204 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली। ऐसे में भारतीय टीम पर हार का खतरा मंडरा रहा था पर दूसरी पारी में भारतीय बल्लेबाजों ने जबरदस्त खेल दिखाया। सलामी बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने 199 रन बनाए। उन्हें साई सुदर्शन का बेहतरीन साथ मिला, जिन्होंने 91 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। मध्यक्रम में यश राठौड़ और वाशिंगटन सुंदर ने भी अर्धशतकीय पारियां खेलकर टीम के स्कोर को 516 रन तक पहुंचाया। इस विशाल स्कोर के दम पर इंडिया ए ने न्यूजीलैंड ए के सामने 313 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा।

वहीं दूसरी पारी में लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ए को भारतीय गेंदबाजों ने लगातार झटके दिए। आकिब नबी ने शुरुआत में ही तीन महत्वपूर्ण विकेट लेकर कीवी बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। देवदत्त पडिक्कल ने अपनी बेहतरीन बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजी में भी दो विकेट अपने नाम किए। अंशुल कंबोज, आकाश दीप सिंह, मुकेश चौधरी और वाशिंगटन सुंदर ने भी एक-एक विकेट लेकर न्यूजीलैंड ए को हार के करीब पहुंचा दिया। मेजबान टीम ने 187 रन बनाने में अपने 9 विकेट गंवा दिए थे, और भारतीय टीम ऐतिहासिक जीत से महज एक कदम दूर थी।

जीत इंडिया ए की मुट्ठी में लग रही थी, तभी खेल के आखिरी घंटे में खराब रोशनी के कारण अंपायरों को मैच रोकना पड़ा। काफी देर तक इंतजार करने के बाद भी रोशनी में सुधार नहीं हुआ और अंततः मैच को ड्रॉ घोषित कर दिया गया।

अपेक्षाओं के दबाव से प्रभवित हो रही वैभव की बल्लेबाजी

मुम्बई । 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर अपेक्षाओं का दबाव बढ़ता जा रहा है । इससे उनके प्रदर्शन पर भी प्रभाव पड़ सकता है। वैभव जितनी तेजी से आगे आये हैं। उससे उनसे काफी उममीदे जग गयी हैं। वहीं जब वह उम्मीदों के अनुसार रन नहीं बना पाते हैं तब उनपर इसका दबाव देखा जा सकता है। न्यूजीलैंड दौरे पर दूसरे टी20 मैच में वह रनों के लिए संघर्ष करते दिखे। वहीं जब वह असफल हुए तो उनपर सवाल उठने लगे। इसके अलावा पिछले कुछ समय में उनका प्रदर्शन पहले की तरह नहीं रहा है और वह संघर्ष करते दिखे हैं। वैभव जब अपने स्वाभाविक अंदाज में मैदान पर उतरते हैं, तो उनका आक्रामक बल्लेबाजी विपक्षी टीम पर तुरंत दबाव बना देता है। उनकी यह निडरता, कुछ अलग कर दिखाने का अंदाज और खेल के प्रति समर्पण उन्हें अन्य प्रतिभाओं से अलग बनाता है। वहीं आधुनिक क्रिकेट की तेजी से बदलती दुनिया में प्रसिद्धि, पैसा और लोकप्रियता जितनी रफ्तार से मिलती है, जिम्मेदारियों का बोझ भी उतनी ही तेजी से बढ़ जाता है। यह भारी भरकम बोझ और अपेक्षाओं का दबाव कई बार एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी के स्वाभाविक खेल पर बुरी तरह हावी हो जाता है, जिससे उनकी प्रतिभा दबने लगती है।यहीं कुछ वैभव के साथ हो रहा है। कम उम्र में ही उन्हें जो उपलब्धियां हासिल हुई हैं। उससे प्रशंसकों की उनसे उपेक्षा बढ़ गयी है। आईपीएल नीलामी में 1.1 करोड़ रुपये की बड़ी रकम मिलना, 440 गेंदों में 1,000 रन पूरे करने का गौरव, महज 11 गेंदों में विस्फोटक अर्धशतक जड़ना और एक सीजन में 72 छक्कों की आतिशबाजी उनके आक्रामक रुख और असाधारण क्षमता को दर्शाती है। इन शानदार उपलब्धियों ने उनसे उम्मीदों के आसमान छूने जैसी स्थिति पैदा कर दी है। परंतु यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि किसी भी खिलाड़ी की महानता का फैसला केवल कुछ रिकॉर्डों या आंकड़ों से नहीं होता। असली महानता उसके पूरे करियर की निरंतरता, उतार-चढ़ाव से उबरने और सबसे बढ़कर कठिन परिस्थितियों में शानदार वापसी करने की क्षमता से तय होती है।

आईपीएल सत्र से पहले सीएसके से अलग हुए हसी सहित पांच कोच

चेन्नई । आईपीएल फँचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने कहा है कि पांच प्रमख कोच उससे अलग हो गयी है। इसमें बल्लेबाजी कोच माइकल हसी भी शामिल हैं। सीएसके ने सोशल मीडिया हैंडल्स के जरिये ये घोषणा की है। इससे पहले टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग के उससे अलग हो गये थे। उनकी जगह अब पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान के पास मुख्य कोच की जिम्मेदारी है। ऐसे में सहयोगी स्टाफ भी उन्हीं के अनुसार होगा। गौरतब है कि ऑस्ट्रेलिया के हसी साल 2008 से ही सीएसके का हिस्सा हैं। सीएसके ने बल्लेबाजी कोच के तौर पर उनके योगदान की प्रशंसा की है। हसी के अलावा गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने भी टीम को अलविदा कहा है। साल 2018 से ही चेन्नई के की कोचिंग टीम में शामिल रहे सिमंस ने टीम की गेंदबाजी इकाई को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

अर्शदीप कर सकते हैं टेस्ट डेब्यू

कोच मोर्कल बोले, टेस्ट सीरीज के लिए वैकल्पिक गेंदबाजों को शामिल किया जाएगा

वैलिंगटन । भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कहा है कि टीम के व्यस्त अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर को देखते हुए न्यूजीलैंड दौरे पर गये गेंदबाजों को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम देने के लिए एक योजना बनायी गयी है। इसके तहत न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए अर्शदीप सिंह कुछ और वैकल्पिक गेंदबाजों को टीम में शामिल किया जाएगा। साथ ही कहा कि अर्शदीप को टेस्ट डेब्यू का भी अवसर मिल सकता है। इस प्रकार अन्य गेंदबाजों को अवसर भी मिल जाएगा और जो पहले से खेल रहे हैं उन्हें आराम मिल जाएगा। मोर्कल ने बताया, हम गेंदबाजों का एक ऐसा मजबूत समूह तैयार कर रहे हैं, जिन्हें हम व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए बैकअप के तौर पर रखना चाहेंगे।

वहीं सीमित ओवरों में प्रभवित करने वाले अर्शदीप ने अभी तक भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण नहीं किया है, लेकिन वे गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराने की अपनी क्षमता के कारण लाल गेंद क्रिकेट में एक मजबूत दावेदार बने हुए हैं। मोर्कल ने अर्शदीप की तारीफ करते हुए कहा, हमारे दिमाग में गेंदबाजों का एक अच्छा समूह है, जो हर तरह की परिस्थितियों में कारगर साबित हो सकता है और निश्चित रूप से अर्शदीप इसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वह एक ऐसा खिलाड़ी है जो हमेशा कड़ी मेहनत करता है और हर कसौटी पर खरा उतरता है, इसलिए अगर उसे लाल गेंद से गेंदबाजी करने की जरूरत पड़ी तो मुझे पूरा विश्वास है कि वह अच्छा प्रदर्शन करेगा।

भारत इस समय न्यूजीलैंड दौरे पर पांच टी20 मैचों की सीरीज खेल रहा है, जिसके बाद पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज होगी। इसके ठीक चार दिन बाद, 19 नवंबर से दो टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू होगी। तेज गेंदबाजों को कवर के तौर पर टीम में बनाए रखने का यह महत्वपूर्ण निर्णय दौरे से कई महीनों पहले तैयार की गई एक व्यापक कार्यभार प्रबंधन रणनीति का हिस्सा है। मोर्कल ने स्पष्ट किया, प्रत्येक गेंदबाज को पता है कि उनसे कार्यभार और गेंदबाजी के मामले में क्या अपेक्षा की जाती है। कुछ खिलाड़ी लाल गेंद की क्रिकेट की तैयारी के लिए भारत ए टीम की तरफ से भी खेल रहे हैं।उन्होंने यह भी जानकारी दी कि टेस्ट सीरीज से पहले गेंदबाजों को मैच अभ्यास के लिए एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैचों के दौरान रोटेट किया जाएगा, जिससे वे थकान के जोखिम के बिना धीरे-धीरे अपना कार्यभार बढ़ा सकें।

अंडर-19 महिला क्रिकेट में एक रन के लिए हुआ विवाद, बीसीसीआई तक पहुंचा मामला

नई दिल्ली। उत्तराखंड और झारखंड की अंडर-19 महिला क्रिकेट टीमों के बीच हुए एक मैच में विवाद हो गया है। ये विवाद एक रन को लेकर हुआ। यहां तक कि इस मामले की शिकायत भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) तक भी पहुंची है। इस मामले को लेकर झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन (जेसीए) का कहना है कि स्कोर के हिसाब-किताब में एक गंभीर गलती पायी गयी जिसके कारण उनकी टीम को हार के साथ ही टूर्नामेंट से भी बाहर होना पड़ा है।

इस मैच में उत्तराखंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में 134 रन बनाए। जवाब में, झारखंड की पूरी टीम 133 रन पर ही सिमट गई। आधिकारिक स्कोरकार्ड के अनुसार, झारखंड को मात्र एक रन के बेहद करीबी अंतर से हार मिली। इसी एक रन की हार ने झारखंड की टीम के टूर्नामेंट के आगे के सफर से बाहर कर दिया।

वहीं जेसीए ने अपनी शिकायत में दावा किया है कि यह मुकाबला असल में टाई होना चाहिए था, लेकिन एक स्कोरकीपर की गलती से मैच का परिणाम बदल गया। शिकायत में बताया गया कि मैच के 30वें ओवर की चौथी गेंद पर झारखंड का एक खिलाड़ी दूसरा रन भागते हुए रनआउट हो गया था। जेसीए की दलील है कि स्कोरकीपर ने रनआउट को तो स्कोरबोर्ड पर दर्ज कर लिया, लेकिन बल्लेबाजों द्वारा दौड़कर लिया गया पहला रन स्कोर में नहीं जोड़ा। यह एक रन ही जीत-हार का कारक बन गया।

मैदान पर लगे स्कोरबोर्ड के अनुसार, झारखंड को आखिरी गेंद पर जीत के लिए 2 रन की आवश्यकता थी, लेकिन उसके बल्लेबाज केवल एक रन ही बना पाए। खिलाड़ियों को लगा कि मैच टाई हो गया है और वे सुपर ओवर के लिए तैयार थे, लेकिन झारखंड के खेमे को उस वक्त गहरा धक्का लगा जब उन्हें एक रन से हारा हुआ घोषित किया गया। इस फैसले से स्तब्ध झारखंड की टीम के कुछ सदस्यों ने तत्काल स्कोरर के साथ जमकर बहस भी की, लेकिन मैच का परिणाम नहीं बदला गया।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार जेसीए के एक अधिकारी ने कहा कि , उसी एक रन को स्कोरबोर्ड में शामिल नहीं किया गया, जो सीधे तौर पर टीम की हार और टूर्नामेंट से बाहर होने का कारण बना।

पैन पैसिफिक ओपन टूर्नामेंट से वापसी करेगी ओसाका

टोक्यो। जापान की महिला स्टार टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका अगले सप्ताह यहां होने वाले पैन पैसिफिक ओपन टूर्नामेंट से कोर्ट पर वापसी करेंगी। ओसाका को उम्मीद है कि वह अभी भी बेहतर प्रदर्शन कर सकती है। वह अपने अभियान की शुरुआत ओसाका इटली की जैस्मिन पाओलिनी के खिलाफ करेंगी। इस प्रतियोगिता में दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी एलेना रिबाकिना और फिलीपींस की एलेक्स एला भी हिस्सा लेंगी। ओसका इस टूर्नामेंट में अपने घरेलू दर्शकों के बेहतर प्रदर्शन कर जीत हासिल करना चाहेंगी। अभी विश्व रैंकिंग में 19वें स्थान पर कायम ओसाका को भरोसा है कि वह बड़े खिताब जीतने की दौड़ में फिर शामिल हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि वह अपने पुराने स्तर से बहुत दूर हैं।

गौरतलब है कि ओसाका ने अपने करियर में 4 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। उन्होंने 2018 और 2020 में यूएस ओपन तथा 2019 और 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। उनकी आक्रामक खेल शैली और दबाव में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता ने उन्हें महिला टेनिस की प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल किया है।ओसाका ने माना है कि वह एक बार फिर अपने पुराने शानदार खेल के करीब पहुंच रही हैं, लेकिन उनके मन में अब भी टेनिस से संन्यास लेने के विचार आते रहते हैं। 4 ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुकीं ओसाका ने कहा कि कई बार वह अपने भविष्य के बारे में सोचती हैं और खुद से सवाल करती हैं कि आखिर वह कितने समय तक टेनिस खेलना जारी रखेंगी। उनकी वापसी के इस दौर में परिवार और बेटी की जरूरतें भी उनके फैसलों को प्रभावित कर सकती हैं।

ओसाका ने बेटी के जन्म के बाद टेनिस से करीब 15 महीने का ब्रेक लिया था। इसके बाद उन्होंने 2024 में दोबारा कोर्ट पर वापसी की। मां बनने के बाद पेशेवर टेनिस में लौटना उनके लिए एक नई चुनौती रहा है, क्योंकि अब उन्हें खेल के साथ परिवार की जिम्मेदारियों का भी ध्यान रखना पड़ता है।हालांकि, इस साल उनके प्रदर्शन में सुधार के संकेत मिले हैं। दुनिया की पूर्व नंबर 1 खिलाड़ी ओसाका विंबलडन के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका को हराकर सबको चौंका दिया था। इसके अलावा फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन में भी वह अंतिम 16 खिलाड़ियों में जगह बनाने में सफल रहीं थीं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज से तेज गेंदबाज नाहिद के बाहर होने से बांग्लादेश की मुश्किलें बढ़ीं

ढाका । बांग्लादेश क्रिकेट टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ इस माह के अंत में होने वाली टेस्ट सीरीज में प्रमुख तेज गेंदबाज नाहिद राणा के बिना ही उतरना होगा। इसका कारण है कि राणा कंधे में लगी चोट के कारण दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। इस चोट के कारण वह नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में भी शायद ही खेल पायें। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने उनकी चोट की सही स्थिति जानने के लिए दूसरे विशेषज्ञ की राय लेने के लिए विदेश भेजने का निर्णय लिया। ऑस्ट्रेलिया में हुई विस्तृत जांच में उनके लैब्रम में चोट की पुष्टि हुई। बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि राणा को ऑस्ट्रेलिया में इंजेक्शन दिया गया और उन्होंने चोट से उबरने के लिए अपना उपचार और अभ्यास कार्यक्रम शुरू कर दिया है।

वहीं उम्मीद जताई जा रही है कि नाहिद 30 अक्टूबर तक गेंदबाजी शुरू कर सकते हैं हालांकि उनकी मैदान में वापसी में अभी समय लग सकता है। गौरतलब है कि नाहिद राणा को वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए घोषित बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम में पहले ही जगह नहीं मिली थी, और अब उनके पूरी दो मैचों की सीरीज से बाहर रहने की आशंका लगभग तय मानी जा रही है। बांग्लादेश के लिए यह चिंता का विषय है, क्योंकि टीम को आने वाले समय में लगातार महत्वपूर्ण मुकाबले खेलने हैं।नाहिद पिछले कुछ महीनों से वह लगातार शारीरिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। जुलाई में जिम्बाब्वे दौरे के दौरान उन्हें मांसपेशियों में दूसरी श्रेणी का खिंचाव हुआ था, जिसके चलते वह ऑस्ट्रेलिया दौरे, एशियाई खेलों और अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में नहीं खेल पाए थे। इस चोट से उबरने की प्रक्रिया के दौरान, उन्हें कूल्हे के पास एक और चोट लग गई, जिसने उन्हें संयुक्त अरब अमीरात में अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के साथ हुई त्रिकोणीय सीरीज से भी बाहर रखा।बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज 28 अक्टूबर से शुरू होनी है। इसके तुरंत बाद, बांग्लादेश की टीम दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जाएगी, जहां उसे 15 नवंबर से शुरू होने वाले दौरे में दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने हैं। ऐसे में, टीम प्रबंधन की नजर नाहिद राणा की फिटनेस पर गंभीरता से बनी हुई है।

विराट से अधिक महंगे पानी के ब्रांड का सेवन करती हैं अभिनेत्री दिशा पाटनी !

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली अपनी फिटनेस के साथ ही लाइफ स्टाइल के लिए भी चर्चाओं में रहे हैं। ये भी कहा जाता है कि विराट जिस प्रीमियम गुणवत्ता वाले ब्रांड का पानी पीते हैं वह काफी महंगा है। यह मिनरल वाटर फ्रांस के आल्प्स क्षेत्र से आता है और बाजार में इसकी कीमत करीब 245 रुपये से लेकर 4,000 रुपये प्रति लीटर तक बताई जाती है।

वहीं एक रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी जिस प्रीमियम ब्रांड का पानी पीती हैं, उसकी एक बोतल की कीमत विराट जिस पानी को पीते हैं उससे भी कहीं अधिक है। इस खबर के सामने आने के बाद से सोशल मीडिया में हर जगह पर प्रीमियम पानी को लेकर खूब चर्चा हो रही है।

गौरतलब है कि जिम के बाहर या सार्वजनिक जगहों पर दिशा को एक खास डिजाइन वाली पानी की बोतल के साथ देखा जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पर चल रही अटकलों के मुताबिक, इस पानी के ब्रांड का नाम ब्लींग एच2ह स्पार्कलिंग वाटर ब्रांड से जोड़ा जा रहा है। यह एक ऐसा प्रीमियम ब्रांड है जो अपनी बेहद महंगी और आकर्षक पैकेजिंग के लिए जाना जाता है।

लंकाशायर ने एंडरसन का करार बढ़ाने से इंकार किया

लंदन । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन अपने पुराने क्लब लंकाशायर की ओर से 25 साल तक खेलने के बाद अलग होने जा रहे हैं। क्लब ने साल 2027 सत्र के लिए एंडरसन का करार बढ़ाने से इंकार कर दिया है। एंडरसन ने हालांकि कहा कि उन्होंने अभी तक खेल से संन्यास का फैसला नहीं किया है जिससे माना जा रहा है कि वह अभी खेल सकते हैं।

एंडरसन ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए लिखा कि वह बचपन से ही लंकाशायर का समर्थन करते आए हैं और इस क्लब के लिए 25 साल तक खेलना उनके लिए एक सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने साथ ही ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेलने को हमेशा ही अपने लिए विशेष बताया और कहा कि टीम की कप्तानी करते हुए उनके साथ कई प्रकार की यादें जुड़ी हैं। एंडरसन ने साफा किया कि क्लब से अलग होने उनके हाथ में होता, तो उनका यह सफर इस तरह खत्म नहीं होता। इसके बावजूद उन्होंने टीम के खिलाड़ियों और प्रशंसकों के अच्छे भविष्य की कामना की है।वहीं लंकाशायर क्लब ने अपने बयान में पुष्टि की कि मौजूदा अनुबंध समाप्त होने के साथ ही क्लब के लिए एंडरसन का खेल करियर भी समाप्त हो जाएगा। उन्हें 19 अक्टूबर को अमीरात ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर हुई एक बैठक में इस फैसले की जानकारी दी गई थी, जिसमें क्लब के आने वाले क्रिकेट निदेशक पॉल फारब्रेस और मुख्य कार्यकारी रिचर्ड केन्यन शामिल थे। पॉल फारब्रेस ने इस फैसले को क्लब में बड़े बदलाव की एक व्यापक योजना का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि लंकाशायर का लक्ष्य काउंटी चैंपियनशिप के दूसरे डिवीजन से बाहर निकलकर पहले डिवीजन में अपनी जगह बनाना और अगले 3 से 4 साल में खिताब जीतने की मजबूत दावेदारी पेश करना है। इसके लिए क्लब अपनी पुरुष टीम के साथ-साथ पूरे पेशेवर क्रिकेट ढांचे में भी व्यापक बदलाव कर रहा है। इसी योजना के तहत, 2027 सत्र के लिए एंडरसन का अनुबंध आगे नहीं बढ़ाने का फैसला लिया गया है।

गोवा में 16 दिसंबर को लगेगी करोड़ों की बोली

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 सत्र के लिए खिलाड़ियों की नीलामी इस साल के अंत में 16 दिसंबर को गोवा में होगी। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की घोषणा के बाद से ही क्रिकेट प्रेमी नीलामी को लेकर उत्साहित हैं। इस नीलामी से पहले, सभी आईपीएल फ्रेंचाइजी खिलाड़ियों को रिटेन करने की प्रक्रिया से भी गुजरेंगी। इस दौरान उन्हें देखना होगा कि इस दल में से कौन से खिलाड़ी बरकरार रखने हैं हालांकि इसको लेकर अंतिम फैसला 15 नवंबर को होगा। इसके बाद टीमें अपने कोर खिलाड़ियों को अंतिम रूप देंगी। इसके बाद गवर्निंग काउंसिल फ्रेंचाइजी नीलामी पूल में शामिल सभी खिलाड़ियों की एक सूची उपलब्ध कराएगी। इसके बाद, फ्रेंचाइजी इस सूची में से अपनी जरूरतों के अनुसार खिलाड़ियों पर बोली लगायेगी। नीलामी शुरू होने से ठीक एक सप्ताह पहले, प्रत्येक खिलाड़ी के नीलामी में आने का क्रम भी तय कर दिया जाएगा, जिससे टीमों को अपनी बोली लगाने की रणनीति को अंतिम रूप देने में मदद मिलेगी। गौरतलब है कि पिछले आईपीएल सत्र के बाद से ही ट्रेड विंडो के माध्यम से खिलाड़ियों के स्थानांतरण की गतिविधि अभी नहीं रही है। कुछ शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, अब तक सिर्फ दो ही महत्वपूर्ण ट्रेड संपन्न हुए हैं, जो यह दिखाते हैं टीमें अपनी रणनीतियों को लेकर अभी भी सावधान हैं। आईपीएल नियमों के अनुसार, ट्रेड विंडो आमतौर पर एक सीजन के समाप्त होने के एक महीने बाद खुलती है और आगामी खिलाड़ियों की नीलामी से ठीक एक सप्ताह पहले तक सक्रिय रहती है। यह विंडो फ्रेंचाइजी को अपने स्क्वाड को संतुलित करने, कमजोरियों को दूर करने और रणनीतिक रूप से खिलाड़ियों की अदला-बदली करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है।

डब्ल्यूपीएल नीलामी में 27 खिलाड़ियों पर ही लग पायेगी बोली, 119 को नहीं मिलेगा खरीददार

मुम्बई। इसी माह 28 अक्टूबर को महिला प्रीमियर लीग (डब्यलूपीएल) के लिए खिलाड़ियों की नीलामी होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार

ये आगामी सत्र 14 जनवरी से 4 फरवरी तक चलेगा। इसके लिए कुल 146 खिलाड़ियों के नाम है पर इसमें से केवल 27 खिलाड़ियों पर ही बोली लगेगी। इसमें 20 भारतीय और 7 विदेशी शामिल हैं। ऐसे में 119 खिलाड़ियों को कोई अवसर नहीं मिलेगा।

नामांकित किए गए 146 खिलाड़ियों में 119 भारत से हैं, जबकि 27 विदेशी हैं। इन खिलाड़ियों में 36 ऐसे नाम हैं जिनके पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का अनुभव है, वहीं 110 अनकैप्ड खिलाड़ियों पर भी सभी की नजरें होंगी। युवा प्रतिभाओं को इसमें अधिक से अधिक अवसर मिलेंगे।

वहीं टीमों के पास कुल रकम की बात करें तो सभी पांच टीमों के पास कुल मिलाकर 8.15 करोड़ रुपये बचे हैं। इस नीलामी में यूपी वॉरियर्स के पास सबसे अधिक 3.75 करोड़ रुपये बचे हैं जबकि उसे 8 स्लॉट भरने हैं, जिनमें 3 विदेशी खिलाड़ियों के लिए होंगे। यूपी ने कई बड़े खिलाड़ियों को रिलीज् करके अपने पर्स को बड़ा किया है। वहीं, पिछली चैंपियन मुंबई इंडियंस के पास सबसे कम केवल 90 लाख रुपये बचे हैं और उन्हें 6 खिलाड़ियों को टीम में शामिल करना है। ऐसे में मुंबई के लिए सीमित बजट में संतुलित टीम बनाना बड़ी चुनौती है। गुजरात जायंट्स के पास 1.25 करोड़ रुपये, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के पास 1.15 करोड़ रुपये और दिल्ली कैपिटल्स के पास 1.10 करोड़ रुपये है। यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन सी टीम इस सीमित बजट में सबसे बेहतरीन खिलाड़ी चुन पाती है और अपनी रणनीति को कैसे अंजाम देती है।

नीलामी में कुछ खिलाड़ियों का आधार मूल्य काफी ऊंचा रखा गया है। ऑस्ट्रेलिया की सोफी मोलिन्यू और इंग्लैंड की सोफिया डंकली का आधार मूल्य सबसे अधिक 50 लाख रुपये है, जिस पर बोली शुरू होगी। 40 लाख रुपये के बेस प्राइस वाले वर्ग में भारत की जी कमलिनी और किरण नवगिरे के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर जेस जोनासन और हीथर ग्राहम भी शामिल हैं। नीलामी में खिलाड़ियों का न्यूनतम आधार मूल्य 10 लाख रुपये निर्धारित किया गया है।

जनसुनवाई में भी नही हो रही सुनवाई, अब जाएगे हाईकोर्ट

पदमेश न्यूज। बालाघाट। ग्राम पंचायत टेकाड़ी में निर्माण कार्यों के नाम पर शासकीय राशि के कथित दुरुपयोग का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है।खेत तालाब, आरसीसी नाली, सभा मंच के सौंदर्यीकरण और नयाटोला के पास तालाब निर्माण सहित विभिन्न कार्यों में अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ताओं ने पंचायत के सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक और उपयंत्री की भूमिका पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की वरिष्ठ अधिकारियों से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व में जांच होने के बावजूद कई गंभीर सवाल अनुत्तरित रह गए और कथित अनियमितताओं पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है।

खेत तालाब बना ही नहीं, भुगतान कैसे हुआ?

शिकायत में ग्रामीणो ने हितग्राही हिरवंता बाई पति संतोष नागेश्वर के खेत में तालाब निर्माण का मामला प्रमुखता से उठाया है। ग्रामीणों का दावा है कि मौके पर तालाब का निर्माण नहीं हुआ, जबकि कार्य पर शासकीय राशि खर्च होना दर्शाया गया। शिकायत के अनुसार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के 5 मार्च 2026 के आदेश में कार्य का मूल्यांकन 29,350 रुपये और व्यय 72,558 रुपये दर्शाया गया था। इसमें 43,208 रुपये की अतिरिक्त राशि की वसूली के आदेश का उल्लेख है। शिकायतकर्ताओं का सवाल है कि यदि निर्माण कार्य हुआ ही नहीं, तो केवल अतिरिक्त राशि की वसूली से पूरे मामले की जवाबदेही कैसे

तय होगी?

1.37 लाख की नाली, पोर्टल पर काम पूरा

ग्रामीणों ने परदेशी टेलर के घर से पुलिया तक आरसीसी नाली निर्माण में भी अनिमियताओ की शिकायत की हैं।ग्रामीणों के अनुसार, 18 नवंबर 2024 को इस कार्य के लिए 1 लाख 37 हजार रुपये स्वीकृत किए गए थे।जबकि मौके पर नाली का निर्माण नहीं हुआ है,उधर पंचायत दर्पण पोर्टल पर कार्य पूर्ण दर्शाया गया है। मस्टररोल में गांगुलपारा के मजदूरों के नाम दर्ज होने पर भी सवाल उठाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, 10 फरवरी 2026 को शिकायत के बाद संयुक्त जांच दल ने जांच की, लेकिन उसकी रिपोर्ट में वास्तविक स्थिति के विपरीत कार्य पूर्ण बताया गया।

8.38 लाख के तालाब निर्माण पर सबसे बड़ा सवाल

शिकायत में नयाटोला के पास तालाब निर्माण के नाम पर 8 लाख 38 हजार 292 रुपये का व्यय दर्शाए जाने को लेकर भी ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। शिकायत में 7 लाख 56 हजार 467 रुपये मजदूरी और 42 हजार 204 रुपये सामग्री पर खर्च दर्शाए जाने का उल्लेख है। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि संबंधित स्थल पर तालाब निर्माण के लिए मिट्टी की खुदाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि पूर्व में टाइल्स फैक्ट्री संचालकों ने वहां से मिट्टी निकाली थी और बाद में वास्तविक निर्माण के बिना ही खर्च दर्शा दिया गया। ग्रामीणों ने स्थल के फोटोग्राफ प्रस्तुत करने और जांच के दौरान अपना पक्ष रखने का अवसर नहीं दिए जाने की बात भी कही है।

सभा मंच के सौंदर्यीकरण में 27 हजार के भुगतान पर सवाल

ग्रामीणों ने ग्राम केरा में सभा मंच के पास सौंदर्यीकरण कार्य के नाम पर 27 हजार रुपये के भुगतान को लेकर भी शिकायत की है ।ग्रामीणों के अनुसार, यह भुगतान सरपंच के पति के बड़े भाई संजीव कावरे के नाम पर दर्शाया गया। शिकायतकर्ताओं ने मेट के साथ मिस्त्री, पंप ऑपरेटर और लोहा कटाई जैसे कार्यों के लिए किए गए भुगतान पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि पूर्व जांच में 27 हजार रुपये का भुगतान वसूली योग्य पाए जाने का उल्लेख है।ग्रामीण अब भुगतान की वास्तविकता और संबंधित जिम्मेदारों की भूमिका की नए सिरे से जांच चाहते हैं।

सरपंच, सचिव सहित चार लोगों की भूमिका की जांच की मांग

शिकायतकर्ता गुलाबचंद पटले, सुद्धलाल बाहेश्वर, शैलेन्द्र पंचेश्वर और मुकेश खैरवार ने आवेदन में सरपंच रश्मि कावरे, पंचायत सचिव ज्ञानेन्द्र कटरे, ग्राम रोजगार सहायक शिवशंकर गाड़ेश्वर और उपयंत्री सुरज बन्सोड को अनावेदक बनाया है। ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व की शिकायतों और जांच के बावजूद जिम्मेदारी तय करने के बजाय मामला वसूली तक सीमित रहा। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों के पूरे कार्यकाल में कराए गए निर्माण कार्यों, मस्टररोल, मजदूरी भुगतान, सामग्री व्यय और कार्य पूर्णता प्रमाण-पत्रों की जांच कराने की मांग की है।

दबाव और धमकी का भी आरोप

शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि उन्हें शिकायत वापस लेने के लिए दबाव में लेने और डराने-धमकाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने जांच के दौरान अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा आवश्यकता पड़ने पर पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग भी की है। ग्रामीणों का कहना है कि जांच वरिष्ठ अधिकारियों की टीम से कराई जाए, ताकि मौके की वास्तविक स्थिति और सरकारी अभिलेखों का मिलान हो सके। ग्रामीणों ने कलेक्टर से निष्पक्ष जांच कराकर कथित अनियमितताओं की पुष्टि होने पर संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। वही मामले मे इन्सा? ना मिलने पर हाईकोर्ट जाने के भी चेतावनी दी है।

बिटोड़ी पंचायत में कथित अनिमियता का आरोप, कलेक्टर से जांच की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बिटोड़ी में पंचायत के विकास कार्यों और शासकीय राशि के उपयोग को लेकर कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं।जहां के ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत के सरपंच, सरपंच पति और सचिव के खिलाफ कलेक्टर से शिकायत कर मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में डीजल और जेसीबी के बिलों के कथित दुरुपयोग के साथ मजदूरों के हक और पंचायत के विकास कार्यों की राशि में गड़बड़ी किए जाने के आरोप लगाए गए हैं।कलेक्टर को सौंपे गए शिकायत पत्र में ग्राम पंचायत बिटोड़ी की सरपंच नूनेश्वरी नगपुरे, उनके पति कैलाश नगपुरे और सचिव सुरेन्द्र चित्रिव के कार्यों की जांच कराने की मांग की गई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि पंचायत के विभिन्न निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में फर्जी बिल-वाउचर का उपयोग कर शासकीय राशि का दुरुपयोग किया गया। साथ ही मजदूरों की मजदूरी की राशि में भी कथित गड़बड़ी की गई है इसके अलावा कई कार्यों को नियमानुसार और गुणवत्तापूर्ण तरीके से नहीं कराए जाने का भी आरोप लगाते हुए, ग्रामीणों ने मामले की जांच कर सम्बधितो पर वैधानिक कार्यवाही की मांग की है।

इन 8 बिंदुओं की जांच कर की जाए कार्यवाही

शिकायत में पंचायत के 8 कार्यों और भुगतान संबंधी मामलों की जांच कराने की मांग की गई है। इनमें लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की ग्रामीण नल-जल योजनाओं के संधारण एवं मरम्मत कार्य, मांसाहारी धाम में सौंदर्यीकरण, बिटोड़ी एसीपी बोर्ड, सामुदायिक भवन निर्माण, गणेश चौक सीमेंटीकरण, नल-जल योजना सुधार, नाली साफ-सफाई और वाहन किराये से संबंधित बिल शामिल हैं।शिकायत में विशेष रूप से आरोप लगाया गया है कि नल-जल योजना के पार्ट-1, 2, 3 और 4 में मरम्मत कार्य के नाम पर भुगतान किया गया, लेकिन संबंधित कार्य नहीं कराए गए। इसी तरह जेसीबी और डीजल बिलों के भुगतान की भी जांच कराने की मांग की गई है।

दस्तावेजों के साथ जांच कराने की मांग

शिकायतकर्ताओ ने संबंधित कार्यों के दस्तावेज, बिल-वाउचर और भुगतान अभिलेखों की जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। साथ ही यह भी कहा गया है कि जांच में अनियमितताएं प्रमाणित होने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए।फिलहाल ये आरोप शिकायत में लगाए गए हैं। इनकी स्वतंत्र पुष्टि और प्रशासनिक जांच के निष्कर्ष सामने आना बाकी है। संबंधित पक्षों का जवाब तथा प्रशासन की कार्रवाई सामने आने के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

देवरी और बरघाट बोरी में अवैध रेत परिवहन करते दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध खनन, परिवहन और खनिजों के भंडारण पर रोक लगाने के लिए खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को खनिज उड़नदस्ता दल ने विभिन्न स्थानों पर जांच अभियान चलाकर देवरी और बरघाट बोरी में रेत का अवैध परिवहन करते दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए हैं। जब्त वाहनों को आगे की वैधानिक कार्रवाई के लिए लालबर्रा थाना की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है। कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देश तथा उप संचालक खनि प्रशासन सुश्री फरहत जहां के मार्गदर्शन में खनिज विभाग द्वारा जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। मंगलवार को खनिज उड़नदस्ता दल ने विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर वाहनों की जांच की। इस दौरान देवरी और बरघाट बोरी में रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर दो ट्रैक्टर-ट्रॉली के विरुद्ध कार्रवाई की गई। जिले में अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने, प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा करने और शासन के राजस्व

की हानि रोकने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। खनिज संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध खान एवं खनिज अधिनियम तथा मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 सहित अन्य वैधानिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है। उप संचालक सुश्री फरहत जहां ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रूपझर पुलिस की बड़ी सफलता

दो गुमशुदा महिलाओं को खोजकर परिजनों से मिलाया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के रूपझर थाना पुलिस ने गुमशुदगी के दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए दो महिलाओं को दस्तयाब कर सकुशल उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। पुलिस ने दोनों महिलाओं की तलाश के लिए साइबर सेल बालाघाट से कॉल डिटेल रिकॉर्ड प्राप्त कर उसका अवलोकन किया। इसके साथ ही मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर जानकारी जुटाई गई। पुलिस की लगातार तलाश और विवेचना के बाद 27 अक्टूबर 2026 को दोनों महिलाओं को दस्तयाब करने में सफलता मिली। इस कार्रवाई से लंबे समय से अपने परिजनों से बिछड़ी दोनों महिलाओं को वापस परिवार के बीच पहुंचाया गया।

17 जुलाई से लापता थी उकवा निवासी सीमा धुर्वे

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम उकवा थाना रूपझर निवासी दिनेश पिता द्रोपसिंह धुर्वे ने 17 जुलाई 2026 को थाना रूपझर पहुंचकर अपनी बहन सीमा धुर्वे 27 वर्ष के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। फरियादी ने पुलिस को बताया था कि उनकी बहन बिना बताए घर से कहीं चली गई है और उसके संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल रही है।शिकायत प्राप्त होने पर रूपझर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अपराध क्रमांक 89/26 के तहत भारतीय

न्याय संहिता की धारा 140(3) में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया था। इसके बाद पुलिस ने गुमशुदा महिला की तलाश शुरू की। तलाश के दौरान साइबर सेल बालाघाट से सीडीआर प्राप्त कर उसका अवलोकन किया गया। साथ ही मुखबिरों के माध्यम से महिला के संबंध में जानकारी जुटाने के प्रयास किए गए।पुलिस की इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप 27 अक्टूबर 2026 को सीमा धुर्वे को दस्तयाब कर लिया गया। आवश्यक कार्रवाई के बाद उन्हें सकुशल उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

16 अगस्त से लापता थीं किरन कावरे

दूसरा मामला ग्राम पौंडी चौकी उकवा थाना रूपझर क्षेत्र का है। यहां निवासी संजय कावरे पिता रामचरण कावरे ने 16 अगस्त 2026 को थाना रूपझर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी पत्नी किरन कावरे 31 वर्ष बिना बताए घर से कहीं चली गई हैं। परिजनों द्वारा तलाश किए जाने के बाद भी उनके संबंध में जानकारी नहीं मिलने पर पुलिस से मदद मांगी गई थी।फरियादी की रिपोर्ट पर थाना रूपझर पुलिस ने अपराध क्रमांक 115/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की थी। पुलिस ने महिला की तलाश के लिए विभिन्न स्तरों पर जानकारी जुटाई। इस दौरान साइबर सेल बालाघाट से सीडीआर प्राप्त कर उसका विश्लेषण किया गया और मुखबिरों के माध्यम से भी पतासाजी की गई।

लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने 27 अक्टूबर 2026 को किरन कावरे को दस्तयाब कर लिया। इसके बाद उन्हें सकुशल उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

साइबर सेल और मुखबिर तंत्र की मदद से मिली सफलता

दोनों मामलों में रूपझर पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय स्तर पर जुटाई गई जानकारी के आधार पर गुमशुदा महिलाओं की तलाश की। साइबर सेल बालाघाट से प्राप्त कॉल डिटेल रिकॉर्ड के अवलोकन तथा मुखबिर तंत्र के सहयोग से पुलिस को दोनों महिलाओं तक पहुंचने में मदद मिली। अलग-अलग तारीखों में दर्ज दोनों प्रकरणों में पुलिस ने विवेचना जारी रखते हुए महिलाओं को दस्तयाब करने के प्रयास किए और अंततः 27 अक्टूबर को सफलता प्राप्त की।

पुलिस टीम की रही सराहनीय भूमिका

दोनों महिलाओं की तलाश और दस्तयाबी की कार्रवाई में थाना रूपझर की पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी रूपझर निरीक्षक कामेश धूमकेतु, निरीक्षक सुभाष दुबे, प्रधान आरक्षक लेखराम उइके, प्रधान आरक्षक विद्यासागर पटले, आरक्षक नरेंद्र मसराम, आरक्षक कृष्ण कुमार यादव तथा विशेष सहयोगी दस्ते का सराहनीय योगदान रहा।रूपझर पुलिस की इस कार्रवाई के तहत दोनों गुमशुदा महिलाओं को खोजकर सुरक्षित उनके परिवारों तक पहुंचाया गया। पुलिस ने दोनों मामलों में दर्ज प्रकरणों की विवेचना के दौरान तकनीकी सहायता और मुखबिर तंत्र का उपयोग किया, जिससे महिलाओं की तलाश में सफलता मिली।

अब किसान करेंगे, रेल रोको आंदोलन?

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। धान खरीदी में 3100 प्रति क्विंटल का भाव दिलाने की मांग को लेकर किसान गर्जना संगठन ने आंदोलन का ऐलान किया है। संगठन आगामी 23 नवंबर 2026 को किसान जन अधिकार आक्रोश रैली एवं रेल रोको आंदोलन करेगा। आंदोलन के जरिए किसानों के हक और अधिकारों की आवाज बुलंद करते हुए सरकार से धान खरीदी के वादे को पूरा करने की मांग की जाएगी। आंदोलन की तैयारियों को लेकर मंगलवार को दीनदयाल पुरम स्थित संगठन के प्रदेश कार्यालय में जिला एवं प्रदेश पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक के बाद पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। इसमें आंदोलन की रूपरेखा तैयार करने के साथ जिलेभर के किसानों को एकजुट करने पर जोर दिया गया।

ब्लॉक से गांव तक आंदोलन की तैयारी

बैठक में आंदोलन को प्रभावी बनाने के लिए संगठन को ब्लॉक और ग्राम स्तर तक मजबूत करने तथा अधिक से अधिक किसान परिवारों को आंदोलन से जोड़ने की रणनीति पर चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने किसानों की समस्याओं, धान खरीदी और उचित मूल्य के मुद्दे पर विचार-विमर्श किया। संगठन ने जिले के किसानों, युवाओं और किसान परिवारों से 23 नवंबर को आयोजित आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

वादे से मुकर गई मप्र सरकार

किसान गर्जना संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी ने कहा कि सरकार ने किसानों से धान की खरीदी 3100रु प्रति क्विंटल की दर से करने का वादा किया था। अब सरकार को अपने वादे पर अमल करते हुए समितियों के माध्यम से इसी दर पर धान खरीदी सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था और खाद्य व्यवस्था की रीढ़ हैं। किसानों की मेहनत से देश का पेट भरता है, लेकिन अपनी उपज का उचित मूल्य पाने के लिए उन्हें बार-बार संघर्ष करना पड़ता है।उधर मप्र सरकार अपने वादे से मुकर गई है। इसलिए बड़े आंदोलन की रणनीति बनाई जा रही है।

डीए, फैमिली पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और आयु के आधार पर पेंशन वृद्धि की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पेंशनरों की लंबित मांगों का निराकरण नहीं होने से नाराजगी बढ़ती जा रही है। महंगाई के दौर में अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे पेंशनरों ने अब सरकार को आंदोलन की चेतावनी दी है। मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं हुआ तो वर्ष 2027 में उग्र आंदोलन किया जाएगा। मंगलवार, 27 अक्टूबर को बालाघाट में पहली बार आयोजित प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रांतीय सम्मेलन में पेंशनरों की समस्याओं, लंबित मांगों और भविष्य की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे पदाधिकारियों और पेंशनरों ने एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की।नगर के एक निजी लॉन में आयोजित सम्मेलन में संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष ओ.पी. बुधौलिया, प्रदेश महामंत्री सुभाषचन्द्र शर्मा सहित प्रांतीय पदाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सम्मेलन में पेंशनरों ने महंगाई राहत (डीए) का लाभ दिलाने, फैमिली पेंशन से जुड़ी समस्याओं का निराकरण करने, स्वास्थ्य बीमा पर होने वाली कटौती समाप्त करने और अधिक उम्र के पेंशनरों को अतिरिक्त पेंशन देने जैसी मांगें प्रमुखता से उठाईं। पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार घोषणाएं करने के साथ ही उन पर अमल भी सुनिश्चित करे, ताकि पेंशनरों को वास्तविक लाभ मिल सके।

दीपावली से पहले 9 प्रतिशत डीए देने की मांग

सम्मेलन में पेंशनरों की महंगाई राहत का मुद्दा प्रमुखता से उठा। संगठन के पदाधिकारियों ने मांग की कि पेंशनरों को 9 प्रतिशत डीए का लाभ दीपावली के पूर्व दिया जाए। उनका कहना था कि बढ़ती महंगाई के बीच पेंशनरों को आर्थिक राहत मिलना जरूरी है। लंबे समय से लंबित मांगों पर निर्णय नहीं होने से पेंशनरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पदाधिकारियों ने सरकार से मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र आदेश जारी करने की अपील की।

विधवा और परित्यक्ता बहू को मिले फैमिली पेंशन

पेंशनरों ने विधवा एवं परित्यक्ता बहू को फैमिली पेंशन का लाभ देने की मांग भी उठाई।पदाधिकारियों के अनुसार, सरकार की ओर से इस संबंध में घोषणा की गई है, लेकिन अब तक आदेश जारी नहीं होने से पात्र हितग्राहियों को लाभ मिलने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने कहा कि घोषणाओं को अमलीजामा पहनाने के लिए आवश्यक आदेश जारी किए जाने चाहिए। साथ ही न्यायालय द्वारा दिए गए आदेशों का भी पालन सुनिश्चित करने की मांग की गई।

स्वास्थ्य बीमा की 4 प्रतिशत कटौती समाप्त करने पर जोर

सम्मेलन में पेंशनरों के स्वास्थ्य बीमा से जुड़ी समस्या पर भी चर्चा हुई। संगठन ने स्वास्थ्य बीमा के लिए की जाने वाली 4 प्रतिशत कटौती समाप्त करने की मांग रखी। पदाधिकारियों ने कहा कि उम्र बढ़ने के साथ स्वास्थ्य संबंधी जरूरतें भी बढ़ती हैं, ऐसे में पेंशनरों को आर्थिक राहत देने वाले निर्णय जरूरी हैं। इसके साथ ही पेंशनरों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने और उन्हें आयुष्मान योजना का लाभ दिलाने की मांग भी की गई।

उम्र के साथ बढ़े पेंशन, रखी चरणबद्ध मांग

पेंशनरों ने बढ़ती उम्र के साथ अतिरिक्त पेंशन देने की मांग को भी सम्मेलन में प्रमुखता से उठाया। संगठन के पदाधिकारियों ने 65 वर्ष की आयु पूरी होने पर 5 प्रतिशत, 70 वर्ष की आयु पर 10 प्रतिशत और 75 वर्ष की आयु पर 15 प्रतिशत की दर से पेंशन वृद्धि का लाभ देने की मांग की। उनका कहना था कि वरिष्ठ पेंशनरों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उम्र के अनुसार पेंशन में वृद्धि की व्यवस्था की जानी चाहिए, जिससे उन्हें आर्थिक संबल मिल सके।

मांगें नहीं मानीं तो 2027 में आंदोलन

सम्मेलन में पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पेंशनरों की समस्याओं का समाधान केवल आश्वासनों से नहीं होगा। सरकार को लंबित मांगों पर ठोस निर्णय लेकर उन्हें लागू करना चाहिए। यदि मांगों की अनदेखी जारी रहती है तो वर्ष 2027 में उग्र आंदोलन किया जाएगा। सम्मेलन को पेंशनरों की एकजुटता और आगामी संघर्ष की रणनीति तय करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना गया।

वरिष्ठ पेंशनरों का किया सम्मान

प्रांतीय सम्मेलन के दौरान वरिष्ठ पेंशनरों का सम्मान भी किया गया। आयोजन में प्रदेश के विभिन्न जिलों के अध्यक्षों, प्रांतीय पदाधिकारियों और जिले भर से पहुंचे पेंशनरों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के सफल संचालन में प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष एवं उप प्रांताध्यक्ष ए.एल. मोहारे, संभागीय उपाध्यक्ष डॉ. शेरसिंह बिसेन, संरक्षक सुभाष पटेल, रविन्द्र सिंह बैस, उपाध्यक्ष जी.एस. पटले, वरिष्ठ जिला सचिव पी.आर. देशमुख, सचिव अमरसिंह ठाकुर, कोषाध्यक्ष पी.एल. मोहारे, सह कोषाध्यक्ष एवं कार्यालय सचिव सरजू नखाते सहित अन्य पदाधिकारियों और पेंशनरों का सहयोग रहा।

जिला पंचायत सीईओ ने शिक्षा, जनजातीय कार्य एवं महिला-बाल विकास विभाग की समीक्षा की

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देश पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री तनुश्री मीणा ने मंगलवार 27 अक्टूबर को शिक्षा, जनजातीय कार्य एवं महिला-बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में विभागीय योजनाओं, निर्माण कार्यों, विद्यार्थियों की सुविधाओं और लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान अपार आईडी बनाने में लंबित प्रकरणों पर सुश्री मीणा ने शिविर लगाकर पेंडेंसी समाप्त करने के निर्देश दिए। वहीं, जनजातीय कार्य विभाग में लगभग 700 विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति ओटीआर प्रक्रिया लंबित पाए जाने पर बिरसा, बैहर एवं परसवाड़ा क्षेत्र में लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। लालबर्रा एवं बिरसा के बीआरसी को पुस्तकों का वितरण शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही साइकिल वितरण की स्थिति की जानकारी भी ली गई।

जर्जर भवनों को डिस्मेंटल करने के निर्देश

जिला पंचायत सीईओ सुश्री मीणा ने शिक्षा एवं महिला-बाल विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जर्जर एवं डिस्मेंटल योग्य भवनों को गिराने की कार्रवाई समय पर सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी विभागों को निर्माण एजेंसियों के माध्यम से अधूरे भवन निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने तथा विभागीय कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। सीईओ सुश्री मीणा ने निर्देश दिए कि स्कूलों एवं आंगनवाड़ियों के निरीक्षण के दौरान पाई जाने वाली कमियों पर संबंधित अधिकारी तत्काल कार्रवाई करें। कमियों के निराकरण का पालन प्रतिवेदन दो दिन के भीतर प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय में कार्रवाई नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी डी.के. सुंद्रियाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सभी बीडीओ, बीआरसी एवं सीडीपीओ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

बालाघाट एक्सप्रेस
शहर । समाज । गांव

न्यूज गैलरी

510 दिन बाद बालाघाट से विदा होंगे एसपी आदित्य मिश्रा, देवास की संभालेंगे कमान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा का तबादला कर उन्हें देवास जिले का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। 27 अक्टूबर की शाम करीब 4:30 बजे सामने आई तबादला सूची के बाद बालाघाट पुलिस महकमे में बदलाव की खबर चर्चा में आ गई। आदित्य मिश्रा ने 4 जून 2025 को बालाघाट एसपी के रूप में कार्यभार संभाला था। इस हिसाब से वे करीब 510 दिन तक जिले के पुलिस अधीक्षक के पद पर रहे। अब देवास स्थानांतरित किए जाने के बाद बालाघाट में पुलिस विभाग की कमान नए अधिकारी को सौंपे जाने का इंतजार है। हालांकि, जारी सूची में बालाघाट के नए पुलिस अधीक्षक के नाम का उल्लेख नहीं किया गया है, जिससे फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि जिले की जिम्मेदारी किस अधिकारी को मिलेगी। वर्ष 2018 बैच के आईपीएस अधिकारी आदित्य मिश्रा का बालाघाट में करीब एक साल पांच महीने का कार्यकाल विभिन्न पुलिस कार्रवाइयों और जिले में सामने आई घटनाओं को लेकर चर्चा में रहा। उनके कार्यकाल के दौरान कई मामलों में पुलिस की कार्रवाई सुर्खियों में आई। कानून-व्यवस्था से जुड़े घटनाक्रमों और पुलिस की गतिविधियों के बीच उनका नाम लगातार चर्चा में बना रहा। अब स्थानांतरण के साथ उनके बालाघाट कार्यकाल का समापन हो रहा है और वे देवास में नई जिम्मेदारी संभालेंगे। इधर, बालाघाट के नए पुलिस अधीक्षक को लेकर तस्वीर साफ नहीं होने से पुलिस महकमे और आमजन की नजर आगामी आदेश पर टिकी हुई है। 27 अक्टूबर की शाम सामने आई सूची में आदित्य मिश्रा को देवास भेजे जाने की जानकारी तो है, लेकिन बालाघाट के लिए किसी नए अधिकारी का नाम घोषित नहीं किया गया है। ऐसे में जिले की पुलिस व्यवस्था की कमान आगे किसके हाथों में होगी, यह फिलहाल अनिश्चित है। नए एसपी की नियुक्ति को लेकर अलग से आदेश जारी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

बैहर-बिरसा में मासूमों की मौत का सिलसिला फिर चर्चा में, घुम्मुर पंचायत में एक और बच्ची की जान गई

मलेरिया-कुपोषण के बीच एस्पिरेशन की आशंका भी जांच के दायरे में, सीएमएचओ ने कहा मौतों के कारणों की पड़ताल जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के आदिवासी बहुल बैहर-बिरसा क्षेत्र में बच्चों की मौत की घटनाएं एक बार फिर चिंता का विषय बनती जा रही हैं। बीते दिनों घुम्मुर पंचायत के खैरटोला और आसपास के गांवों में मासूम बच्चों की मौत के मामले सामने आने के बाद क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं और बच्चों की मौत के वास्तविक कारणों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। 21 अक्टूबर को बिरसा विकासखंड के मातला गांव निवासी बिसरू परते की छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ अस्पताल में मौत का मामला सामने आया था। इसके बाद घुम्मुर पंचायत के खैरटोला में तीन वर्षीय रेखा पिता मनतू और सुंदरवाही निवासी दो माह 23 दिन के शिवम उइके की मौत की जानकारी सामने आई। अब खैरटोला क्षेत्र में डेढ़ वर्षीय परदेसी पिता समारू मेरावी की मौत ने इस चिंता को और बढ़ा दिया है। वहीं, बैहर विधायक संजय उइके ने हाल ही में क्षेत्र में बच्चों की मौत का आंकड़ा 55 तक पहुंचने का दावा किया था। हालांकि, इस आंकड़े की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और अलग-अलग मामलों में मौत के कारणों की स्थिति भी स्पष्ट होना बाकी है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, खैरटोला निवासी तीन वर्षीय रेखा की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। सुंदरवाही निवासी शिवम उइके के मामले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया ने बताया कि बच्चे का टीकाकरण हुआ था और उसे स्वस्थ बताया गया था। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, स्तनपान के दौरान दूध श्वासनली में चले जाने की आशंका जताई गई है। चिकित्सा भाषा में इसे एस्पिरेशन कहा जाता है। इसी तरह, सोमवार को घुम्मुर पंचायत के खैरटोला क्षेत्र में डेढ़ वर्षीय परदेसी की मौत का मामला सामने आया। बच्ची के पिता समारू मेरावी के अनुसार, रविवार रात बेटी को हल्की खांसी आई थी। सोमवार सुबह करीब सात बजे मां उसे दूध पिला रही थी, तभी उसे लगातार खांसी होने लगी। लगभग नौ बजे बच्ची ने दम तोड़ दिया। सीएमएचओ डॉ. दाहिया ने बताया कि चिकित्सा दल ने 23 और 24 अक्टूबर को बच्ची की जांच की थी, जिसमें वह चिकित्सकीय रूप से स्वस्थ पाई गई थी। उसे बुखार, खांसी, जुकाम या त्वचा पर चकत्ते जैसे लक्षण नहीं मिले थे। टीकाकरण रिकॉर्ड के अनुसार उसे पेंटावैलेंट और खसरा-रूबेला के टीके भी लगाए गए थे। दूध पीते समय खांसी होने की जानकारी के आधार पर एस्पिरेशन को संभावित कारण माना जा रहा है, लेकिन मौत के वास्तविक कारणों की जांच जारी है। पोस्टमार्टम के बाद बच्ची का शव परिजनों को सौंप दिया गया। वनांचल क्षेत्रों में मलेरिया, कुपोषण और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर पहले से चिंता बनी हुई है। अब कुछ मामलों में दूध या अन्य खाद्य पदार्थ श्वासनली में चले जाने की आशंका सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग बच्चों को भोजन कराने के सुरक्षित तरीकों के प्रति जागरूक करने की बात कह रहा है। सीएमएचओ के मुताबिक, गांवों में माताओं को छोटे बच्चों को दूध और अन्य खाद्य पदार्थ खिलाने-पिलाने के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जानकारी दी जाएगी। हालांकि, केवल संभावित कारणों के आधार पर बच्चों की मौतों की पूरी तस्वीर सामने नहीं आ सकती। प्रत्येक मामले की चिकित्सकीय जांच, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर कारण स्पष्ट करना जरूरी है। सवाल यह भी है कि क्षेत्र में बच्चों की मौत की घटनाओं को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग की निगरानी, समय पर उपचार और ग्रामीण परिवारों तक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी पहुंचाने की व्यवस्था कितनी प्रभावी है। फिलहाल विभाग का कहना है कि बच्चों की मौत के मामलों की जांच की जा रही है, लेकिन जब तक सभी मामलों के कारण सामने नहीं आते, तब तक किसी एक बीमारी या परिस्थिति को इन मौतों की वजह मानना उचित नहीं होगा। बीते कुछ समय से बैहर-बिरसा क्षेत्र में बच्चों की मौत को लेकर उठ रहे सवालों के बीच नए मामले सामने आने से आदिवासी अंचल की स्वास्थ्य व्यवस्था पर फिर चर्चा शुरू हो गई है। जरूरत है कि प्रत्येक मौत की निष्पक्ष और विस्तृत जांच हो, जांच के निष्कर्ष सार्वजनिक किए जाएं तथा प्रभावित गांवों में स्वास्थ्य दलों की नियमित निगरानी और जागरूकता अभियान प्रभावी ढंग से चलाए जाएं, ताकि मासूमों की मौत के कारणों का पता लगने के साथ ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जा सकें।

पति को गाली देने से रोका तो महिला के सिर पर ईंट से किया हमला-दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम खारा में रुपए के लेनदेन को लेकर पति को गाली देने से रोकने पर एक व्यक्ति ने महिला के सिर पर ईंट से हमला कर दिया। घटना में घायल महिला नर्मदा पति राज मंगल पारधी 36वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर किरनापुर पुलिस ने आरोपी भूपेंद्र पिता सुखेलाल बोपचे के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम खारा निवासी नर्मदा पारधी खेती-किसानी का काम करती है। उसके पति राजमंगल ने गांव में दुर्गा उत्सव के टेंट का ठेका लिया था।जिसमें आरोपी भूपेंद्र बोपचे ने काम किया था। जिसका भुगतान राजमंगल ने राजेश राहंगडाले के माध्यम से भूपेंद्र को कर दिया था। बावजूद इसके 25 अक्टूबर को दोपहर करीब 4 बजे भूपेंद्र अपने घर के सामने सड़क पर खड़े होकर राजमंगल को रूपये के लेनदेन को लेकर अश्लील गालियां दे रहा था। यह सुनकर नर्मदा ने अपने पति का पक्ष लेते हुए भूपेंद्र को गाली देने से मना किया।इस बात से आक्रोशित होकर भूपेंद्र ने ईंट उठाकर नर्मदा पर हमला कर दिया। ईंट का वार उसके सिर और आंख के नीचे लगी। जिससे सिर फट गया और खून बहने लगा। मोहल्ले के लोगों ने बीच-बचाव किया। इसके बाद आरोपी भूपेंद्र ने नर्मदा को दोबारा लेनदेन के मामले में पड़ने पर जान से मारने की धमकी दी।दूसरे दिन नर्मदा अपने पति के साथ रिपोर्ट करने किरनापुर थाने पहुंची। पुलिस ने उसका इलाज व मुलाहिजा करवाकर आरोपी भूपेंद्र बोपचे के विरुद्ध धारा 296(बी), 115(2), 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अश्लील गाली-गलौज, मारपीट व जान से मारने की धमकी का मामला दर्ज किया है।मामले की विवेचना जारी है।

बैहर रोड पर कार रोककर छात्र से मारपीट -हाथ पर दांत से काटा-जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के बैहर रोड स्थित शारदा मंदिर के पास ओवरटेक को लेकर विवाद में एक कार चालक ने बोलेरो सवार छात्र को रोककर मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी दी। घायल छात्र आयाज खान पिता अब्दुल सादिक खान 20 वर्ष वार्ड नंबर 10 रजा नगर बालाघाट निवासी है जिसका जिला अस्पताल में इलाज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार वार्ड नंबर 10 रजा नगर निवासी आयाज खान बीए की पढ़ाई करता है। 26 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे आयाज अपने भाई फैजान खान और दोस्त प्रवेश लिल्हारे व दिव्यांश सैनिक के साथ बोलेरो कार से कोसमी जा रहा था।इसी दौरान बैहर रोड पर शारदा मंदिर के पास पीछे से आ रही एक कार के चालक ने उनकी बोलेरो को ओवरटेक कर अचानक सामने रोक दिया। कार से उतरकर चालक गाली-गलौज करने लगा और अपना नाम अभिषेक नायडू बताया। आरोप है कि अभिषेक ने आयाज के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की, बाएं हाथ की कलाई को दांत से काट दिया और पीठ पर भी वार किए। बीच-बचाव होने पर वह अपनी कार लेकर मौके से फरार हो गया। घायल अवस्था में आयाज अपने साथियों के साथ रिपोर्ट करने कोतवाली पहुंचा। कोतवाली पुलिस ने आवेदन लेकर उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा। जिला अस्पताल में इलाज के बाद पुलिस चौकी ने बयान दर्ज कर मामला आगे की कार्रवाई के लिए कोतवाली भेज दिया है।

गर्रा में घरेलू विवाद में छोटे भाई ने बड़े भाई को डंडे से की मारपीट घायल जिला अस्पताल में हुआ इलाज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम गर्रा में घरेलू विवाद के चलते छोटे भाई द्वारा बड़े भाई के साथ डंडे से मारपीट कर घायल कर देने का मामला सामने आया है। घायल अजय पिता राजेंद्र सोनी 32 वर्ष का जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार किया गया। प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम गर्रा निवासी अजय सोनी हमाली का कार्य करता है। उसके छोटे भाई प्रफुल्ल सोनीसे घरेलू बात को लेकर अक्सर विवाद होता रहता था।26 अक्टूबर की शाम करीब 7 बजे अजय अपने घर में खाना खा रहा था.तभी छोटा भाई प्रफुल्ल वहां आया और घर से निकल जाने की बात को लेकर विवाद करने लगा। विवाद बढ़ने पर प्रफुल्ल ने आवेश में आकर अजय पर डंडे से हमला कर दिया।डंडे के वार से अजय के बाएं पैर के घुटने, एड़ी के नीचे और दाहिनी पीठ में चोटें आई। घायल अवस्था में ही वह साइकिल से रिपोर्ट करने कोतवाली थाना पहुंचा। कोतवाली पुलिस ने उसे पहले इलाज कराने की सलाह दी। जिसके बाद वह जिला अस्पताल पहुंचा।जहां उसका उपचार किया गया।वहीं जिला अस्पताल पुलिस चौकी ने घायल अजय सोनी का बयान लेकर मामला आगे की कार्रवाई के लिए कोतवाली थाना भेज दिया है।

04 नवम्बर को जिला विकास समन्वय एवं मूल्यांकन समिति (दिशा) की बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आगामी 04 नवम्बर को जिला विकास समन्वय एवं मूल्यांकन समिति (दिशा) की बैठक का आयोजन किया गया है। यह बैठक सांसद श्रीमती भारती पारधी की अध्यक्षता में दोपहर 12 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। इस बैठक में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, महिला एवं बाल विकास, जनजातीय कार्य, लोक निर्माण, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं दूरसंचार विभाग से संबंधी केंद्रीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री तनुश्री मीणा ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिये गए है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट